राष्ट्रीय सेवा योजना

वार्षिक रपट : 2019-2020

सम्बद्ध– दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

स्थापित 2005 ई.

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर

Website : www.mpm.edu.in • E-mail : mpmpg5@gmail.com

राष्ट्रीय सेवा योजना

वार्षिक रपट : 2019-2020

सम्बद्ध– दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

डॉ. सौरभ कुमार सिंह

श्रीमती किरन सिंह

डॉ. अविनाश प्रताप सिंह

श्री सुबोध कुमार मिश्र

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर

Website : www.mpm.edu.in • E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित 2005 ई.

राष्ट्र की युवा शक्ति के व्यक्तित्व विकास तथा मानव एवं समाज के प्रति सकारात्मक चिंतन करने और सेवा एवं समर्पण भाव से समाजोत्थान के कार्य में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय, भारत सरकार का एक प्रक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना है। इसके गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थी समाज में लोगों के साथ मिलकर सामाजिक एवं राष्ट्रीय हित के लिए कार्य करते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना की वैचारिक उन्मुखता महात्मा गाँधी के आदर्शों से प्रेरित है। वस्तुतः राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल उद्देश्य ही समाजसेवा के माध्यम से विद्यार्थियों में ऐसी चिंतन दृष्टि का भाव पैदा करना है, जिससे वे अपने समाज को आत्मीयता के साथ समझें, समाज की आवश्यकताओं को अनुभव करें, उनकी दैनिक दिनचर्या की कठिनाइयों को नजदीक से देखें और यथा सम्भव समाधान देने का प्रयास करें। सिर्फ इतना ही नहीं इन सबसे महत्वपूर्ण स्वयं में सामाजिक नागरिक दायित्व बोध की भावना का संचार करते हुए अभावों में जीवन जीने की कला का विकास करें।

राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं के नेतृत्व क्षमता के विकास और समाज सहित राष्ट्र निर्माण में उनकी सीधी भागीदारी का एक बड़ा मंच है। यह सर्वविदित है कि आज युवा जनसंख्या की दृष्टि से भारत विश्व का सबसे अग्रणी देश है, बावजूद इसके आज भी हमारी गणना विश्व बिरादरी में एक विकसित राष्ट्र के रूप में नहीं हो रही है। सम्भवतः इसका सबसे बड़ा कारण राष्ट्र निर्माण के प्रयासों में युवाओं की भूमिका की कमी का होना है। यहीं पर राष्ट्रीय सेवा योजना का कार्य प्रारम्भ होता है। इस चुनौती का समाधान अगर कोई दे सकता है तो वह राष्ट्रीय सेवा योजना का युवा ही दे सकता है।

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज अपने राष्ट्रीय सेवा योजना के इन्हीं युवाओं के बल पर सत्र 2015–16 में जंगल औराही और सत्र 2016–17 में डांगीपार गाँव को सम्पूर्ण साक्षर बनाने में सफल रहा। सत्र 2018–19 में राष्ट्रीय सेवा योजना ने महाविद्यालय से सटे ग्राम हसनगंज को अपनी गतिविधियों का केन्द्र बनाने पर विचार किया और सत्र 2019–20 अपनी समस्त ऊर्जा और नीतियों के साथ हसनगंज को अपना कार्यस्थल बनाया। इस सत्र में ग्राम हसनगंज में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं ने जन–जागरूकता अभियान, स्वच्छता कार्यक्रम एवं नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से निरन्तर पर्यावरण, एड्स, भ्रूण हत्या, भ्रष्टाचार, अशिक्षा, अंधविश्वास जैसी समस्याओं एवं कुरीतियों के प्रति ग्रामवासियों को जागरूक किया। ग्रामवासियों के अन्दर आत्मविश्वास एवं दृढ़ इच्छाशक्ति के भाव को जागृत करने के लिए उनमें स्वैच्छिक श्रमदान, स्वैच्छिक रक्तदान, प्रेम एवं सौहार्द का भाव प्रस्फुटित करने का प्रयास किया। वर्षभर निरन्तर राष्ट्रीय सेवा योजना ग्राम हसनगंज को केन्द्र बनाकर पूरी निष्ठा एवं मनोयोग के साथ लगा रहा और भविष्य में इसी प्रकार से तब तक हसनगंज ग्राम से जुड़ा रहेगा, जब तक कि उसे सामाजिक कुप्रथाओं, अशिक्षा एवं अन्धविश्वास के अंधेरे से निकालकर शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आत्मविश्वास से भरे विकास के उजले पथ पर अग्रसर न कर दे। महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना परिवार को उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना के साथ सत्र 2019–20 की वार्षिक रपट प्रस्तुत है।

(डॉ. सौरभ कुमार सिंह)
कार्यक्रम अधिकारी

(श्रीमती किरन सिंह)
कार्यक्रम अधिकारी

राष्ट्रीय सेवा योजना - कार्यक्रम अधिकारी

क्र. सं.	कार्यक्रम अधिकारी का नाम	नियुक्ति कब से कब तक		दूरभाष नं.
1.	डॉ. सौरभ कुमार सिंह	01.08.2019	अद्यतन	9415442099
2.	श्रीमती किरन सिंह	01.08.2019	अद्यतन	9807255943

(डॉ. प्रदीप कुमार राव)
प्राचार्य

हिन्दुआ सूर्य
महाराणा प्रताप इकाई

जल संरक्षण एवं पौधरोपण कार्यक्रम

भारत रत्न पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम स्मृति दिवस (27 जुलाई) के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में जल संरक्षण एवं पौधरोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें स्वयंसेवकों को जल संग्रहण, पौध संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम का प्रारम्भ सरस्वती वन्दना से हुआ। तत्पश्चात डॉ. ए.पी.जे. अब्दूल कलाम के जीवन एवं कृतियों पर प्रकाश डालते हुए राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति जिन्हें, मिसाइल मैन के नाम से जाना जाता है वे जाने माने वैज्ञानिक और अभियंता के रूप में विख्यात थे। उन्होंने एक वैज्ञानिक और

विज्ञान के व्यवस्थापक के रूप में चार दशकों तक 'रक्षा' अनुसंधान एवं विकास संगठन (डी. आर.डी.ओ.) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को सम्भाला एवं भारत के नागरिक अंतरिक्ष कार्यक्रम और सैन्य मिसाइल के विकास में भी शामिल रहें। इन्हें बैलेस्टिक मिसाइल और प्रक्षेपण यान प्रौद्योगिकी के विकास कार्यों के लिए भारत में मिसाइल मैन कहा जाता है। वह भारतीय अन्तरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के कुलपति भी थे। कलाम जी अपने व्यक्तिगत जीवन में पूरी तरह अनुशासन का पालन करने वालों में से थें। वे कुरान और भगवत्गीता दोनों का अध्ययन करते थे। वे जीवन भर शाकाहारी रहे।

कलाम के 79वें जन्मदिन को संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व विद्यार्थी दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्हें लगभग चालीस विश्वविद्यालयों द्वारा मानद डाक्टरेट की उपधियां प्रदान की गयी थीं। स्विस सरकार ने 2005 में डॉ. कलाम के आगमन के उपलक्ष्य में 26 मई को विज्ञान दिवस घोषित किया। भारत सरकार द्वारा उन्हें 1981 में पद्म भूषण और 1990 में पद्म विभूषण का सम्मान प्रदान किया। 1997 में कलाम साहब को भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न प्रदान किया गया। नेशनल स्पेश सोसायटी ने वर्ष 2017 में उन्हें अन्तरिक्ष विज्ञान सम्बन्धी परियोजनाओं के कुशल संचालन और प्रबंधन के लिए वॉन ब्राउन आवार्ड से पुरस्कृत किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 'जल संरक्षण' आज विश्व की सर्वोपरि प्राथमिकतओं में एक होनी चाहिए। जल संग्रहण हमे घर के बाहर, बाग बगीचों, खेत खलिहान, हर जगह करना चाहिए। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी द्वारा स्वयंसेवकों को 'जल संरक्षण' शपथ भी दिलवाया गया।

पौध रोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा, सत्य प्रकाश तिवारी, प्रकाश पाण्डेय, बलिराम रौनियार, प्रितम कन्नौजिया, आलोक कुमार, आलोक सिंह, विजय सिंह,

आशुतोष चौहान, किशन कुमार अग्रहरि आदि स्वयंसेवको एवं शिक्षकों द्वारा बाटलब्रश, जंगल फलेम फायरब्रश, रीडहेड साइप्रस, कार्डबोर्डपाम, फाक्सटेल जाम, अर्जुन, आम, अमरूद आदि पौधे लगाये गये।

पौधरोपण करने के उपरान्त महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव नें कहा कि पौधे जीवन के आधार हैं। ये न केवल वायुमण्डल को स्वस्थ रखने में सहायक हैं, बल्कि मानव में त्याग की भावना को भी प्रेरित करते है। पौधे प्रकृति के वाहक है, जिससे जल, वायु मृदा तथा संक्रमण को रोकने में सहायता मिलती है। इस अवसर पर सभी स्वयंसेवकों सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. विजय चौधरी, डॉ. पी.के.शाही, डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. आरती सिंह, श्रीमती कविता मंध्यान, श्रीमती पुष्पा निषाद, श्रीमती विभा सिंह, डॉ. अजय निषाद, डॉ. अखिलेश गुप्ता आदि ने भी इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभाग किया।

जन जागरण रैली एवं स्वास्थ्य जागरूकता अभियान

गुरू रविन्द्र नाथ टैगोर की पुण्यतिथि (07 अगस्त) के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा अभिग्रहित गांव हसनगंज मे बारिश के मौसम में जल–जनित एवं संक्रामक बिमारियों के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया।

इस अवसर पर एक विचार गोष्ठी कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। स्वयंसेवकों को बारिश के मौसम में होने वाले जल–जनित एवं अन्य संक्रामक बिमारियों के लक्षण एवं उनके रोकथाम के विषय में कार्यक्रम अधिकारी के द्वारा विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों के मन में जलजनित एवं संक्रमण बिमारियों को लेकर उठ रहे प्रश्नो का उत्तर देकर उन्हें सचेत एंव जागरूक किया गया। इसके पश्चात स्वयंसेवकों द्वारा हसनगंज गांव में पंक्तिबद्ध होकर रैली में नारा लगाते हुए जल जनित एवं संक्रामक बिमारियों के प्रति जागरूक किया गया। जागरूकता रैली गांव में पहुंचने के पश्चात स्वयं सेवक 10–10 की संख्या वाली टोलियों में पैम्पलेट के माध्यम से घर–घर जाकर गांव वासियों को बारिश के महीने में होने वाले जल–जनित एवं संक्रामक बिमारियों के कारण एवं उसके रोकथाम के उपाय तथा बचाव बताते हुए उन्हें सचेत एवं जागरूक किया।

उत्तर प्रदेश, सरकार द्वारा आयोजित पौधरोपण महाकुम्भ कार्यक्रम

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित पौधरोपण महाकुम्भ कार्यक्रम के अन्तर्गत भारत छोड़ो आन्दोलन के 77वीं वर्षगाठ के अवसर पर 09 अगस्त, 2019 को प्रदेश भर मे 22 करोड़ पौधे रोपने का रिकार्ड बनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

इस दौरान आयोजित गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि भारत छोड़ो आन्दोलन की 77वीं वर्षगाठ हमें राष्ट्रप्रेम एवं प्राकृतिक वातावरण को स्वच्छ बनाने की नयी प्रेरणा देती है। जो लोग देश की आजादी मिलने के बाद पैदा हुए हैं, उनका यह फर्ज है कि वह स्वाधीनता को अक्षुण्ण बनाए रखें।

हर व्यक्ति स्वस्थ हो, दीर्घायु हो, पर्यावरण सुरक्षित हो, इसके लिए जरूरी है कि अधिक से अधिक वृक्षारोपण किया जाय जिससे आने वाली पीढ़ी को प्राकृतिक वातावरण मिल सके।

इसी उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने प्रदेश भर में पौधरोपण महाकुम्भ कार्यक्रम आयोजित कर 22 करोड़ पौधे रोपने का लक्ष्य पुरा किया है। इस पौधरोपण महाकुम्भ कार्यक्रम के अवसर पर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में पौधरोपण कार्यक्रम के तहत स्वयंसेवकों, स्वयंसेविकाओं एवं शिक्षकों ने महाविद्यालय परिसर में विभिन्न पौधों को लगया। इस कार्यक्रम में सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने किया।

स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त को महाविद्यालय में 73वां स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्सवपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर ध्वजारोहण के साथ राष्ट्रगान, वन्देमातरम सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्राचार्य जी ने परम्परानुसार अपने उद्बोधन में महाविद्यालय के प्रयत्नों एवं संकल्पों को ही शहीदों को श्रद्धांजलि स्वरूप भेंट करते हुए राष्ट्रनिर्माण में महाविद्यालय के भूमिका की रूपरेख प्रस्तुत की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष (सेवा निवृत्त) प्रो. वी. के. श्रीवास्तव ने उद्बोधन के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवको ने देशभक्ति गीत, नृत्य, भाषण तथा सामाजिक समस्याओं पर आधारित नुक्कड़ नाटक आदि से सम्बन्धित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

स्वतंत्रता दिवस
समारोह
महाराणा प्रताप महाविद्यालय

स्वतंत्रता दि
समारोह

समारोह

स्वतंत्रता दिवस
समारोह

स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2019 एक दिवसीय कार्यशाला

28 अगस्त– स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2019 अभियान के जरिए ठोस एवं तरल कचरे के साथ–साथ प्लास्टिक कचरे के भी समुचित प्रबन्धन यानी इससे मुक्ति पाने की दिशा में सार्थक प्रयास किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य गांवो, कस्बों, शहरों के सभी नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करना है। महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2019 विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता ने स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत 'स्वच्छ सर्वेक्षण 2019 पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही अपने जनपद गोरखपुर को प्रदेश में कैसे उच्च स्थान दिलाया जा सकें, इस बाबत विस्तार पूर्वक चर्चा की। उन्होंने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2019 के अन्तर्गत भारत सरकार

द्वारा जारी एस.एस.जी. मोबाईल एप को एन्ड्रॉयड मोबाइल फोन में प्ले स्टोर पर एस.एस. जी19 लिखकर डाउनलोड करें। डाउनलोड करने के उपरान्त एप खोलने पर राज्य में उत्तर प्रदेश का चयन करें। तदोपरान्त जनपद सेलेक्ट करें, इसके पश्चात भाषा का चयन करें। तत्पश्चात दिये गये चार प्रश्नों का उत्तर देकर सर्वे कार्य पूरा किया जा सकता है।

चर्चा परिचर्चा के इस क्रम को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने बताया कि यह आन लाईन फीडबैक हैं, जिसमें जितना ज्यादा से ज्यादा एप इन्सटाल कर फीडबैक भरेगें उतना ही हमारा जनपद गोरखपुर प्रदेश के 'स्वच्छ सर्वेक्षण 2019 में उच्च स्थान पर पहुंचेगा। कार्यशाला में स्वयंसेवकों ने अपने जनपद गोरखपुर को स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2019 में प्रवेश में उच्च स्थान दिलाने के लिए उत्साहपूर्वक एप डाउनलोड कर फीडबैक दिया। कार्यक्रम का संचालन रा.से.यो. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने किया। कार्यशाला में स्वयंसेवक सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा, आलोक कुमार, सत्य प्रकाश तिवारी आदि ने भी अपने विचार रखे। कार्यशाला में सभी स्वयंसेवकों सहित महाविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।

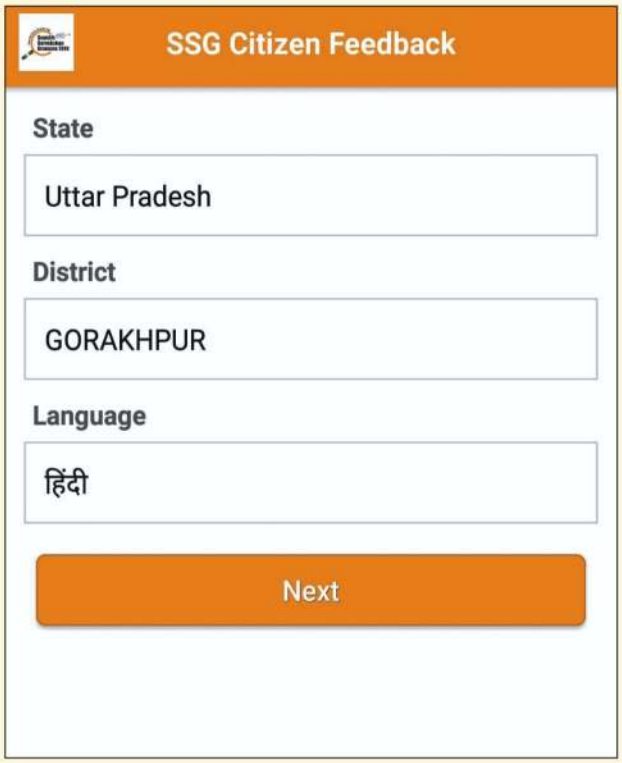

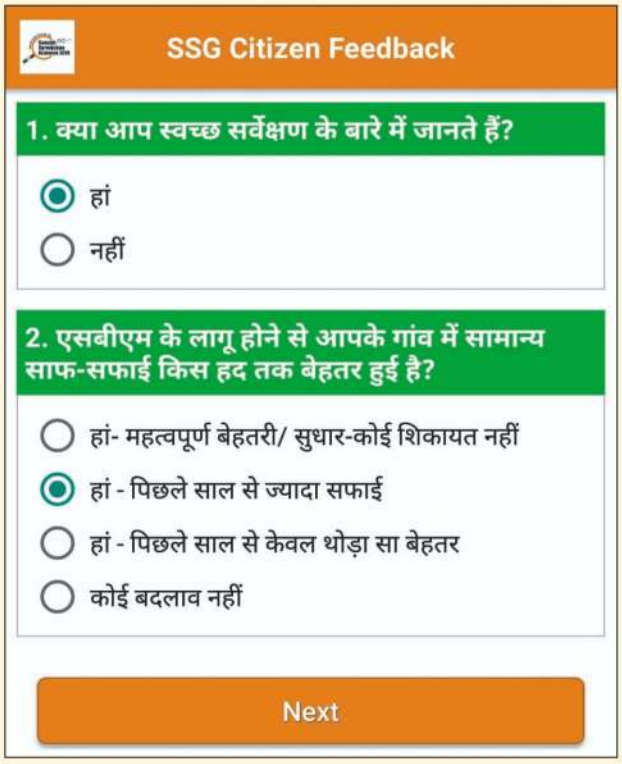

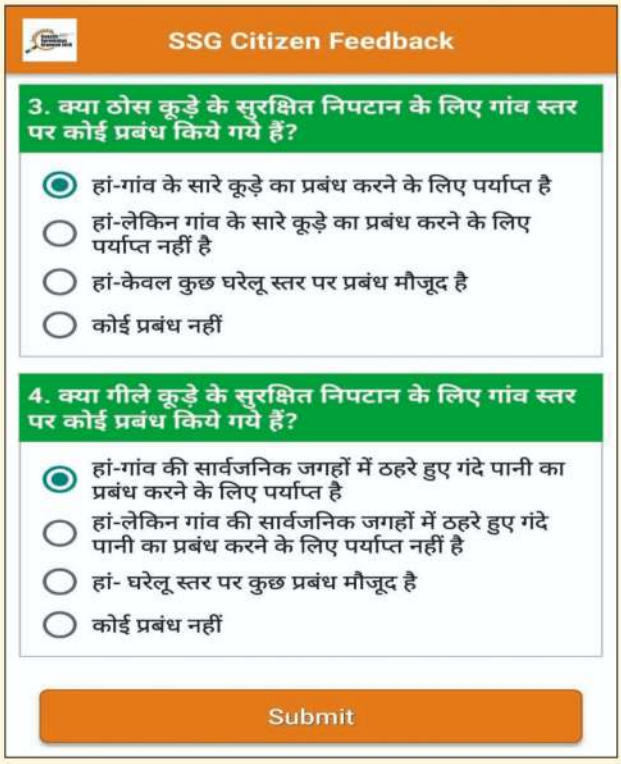

साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान

महाविद्यालय में स्वच्छता जागरूकता को ध्यान में रखकर महाविद्यालय अपने स्थापना काल से ही इस हेतु निंरतर प्रयासरत। प्रबन्धन की स्पष्ट मान्यता है शिक्षण संस्थाएं घर की तरह से साफ सुथरी होनी चाहिए, स्वच्छ स्थान पर ही सरस्वती का निवास होता है। इस दृष्टि से शिक्षण संस्थाओं को और अधिक साफ सुथरा रहना चाहिए। दूसरे स्वच्छता हेतु प्रत्येक व्यक्ति को सजग और सचेत करने के लिए यह आवश्यक है कि स्वच्छता अभियान में उनकी भागीदारी अवश्य हो। इन सभी बातों को ध्यान में रखकर महाविद्यालय प्रति वर्ष के शैक्षिक पंचाग में स्वच्छता अभियान को विशेष महत्व देता रहा है। स्वैच्छिक श्रमदान का कार्यक्रम प्रत्येक शनिवार को 11:40 से एक घण्टी लगते ही राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनों

इकाईयों गुरु श्रीगोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के स्वयंसेवक कार्यक्रम अधिकारी, शिक्षक अन्य विद्यार्थी सहित प्राचार्य झाड़ू, टोकरी, फावड़ा पानी हेतु पाइप, वाइपर, ब्रश हाथों में लेकर टोलीवार अपने–अपने निर्धारित कार्यस्थल पर 1 घण्टा 10 मिनट तक स्वैच्छिक श्रमदान करते हैं। उस दिन कक्षाएं 40 मिनट की चलती है।

स्वैच्छिक श्रमदान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों तथा कार्यक्रम अधिकारी के लिए अनिवार्य रहता है जबकि महाविद्यालय के अन्य शिक्षक, विद्यार्थियों के लिए श्रमदान में सम्मिलित होना स्वैच्छिक होता है। इसके बावजूद प्रतिवर्ष प्राचार्य सहित शिक्षक, कर्मचारी तथा विद्यार्थी बड़ी संख्या में इस कार्यक्रम में सम्मिलित होते हैं।

साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान के व्यवस्थित संचालन की जिम्मेदारी राष्ट्रीय सेवा योजना की रहती है। श्रमदान आरम्भ होने से पूर्व ही महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यालय से निर्धारित श्रमदान प्रपत्र प्राप्त कर इसे पूर्णतः भरकर जमा करने के उपरान्त टोली बनाकर श्रमदान कार्यक्रम प्रारम्भ करते हैं। एक टोली में लगभग 12 से 15 विद्यार्थी और 02 से 03 शिक्षक सम्मिलित होते है। शिक्षकों के नेतृत्व में निर्धारित स्थान पर श्रमदान सम्पन्न होता है। टोलीवार सूची और कार्यस्थल का उल्लेख प्रत्येक बुधवार एवं बृहस्पतिवार तक राष्ट्रीय सेवा योजना सूचना पट्ट पर लगा दी जाती है। इसके पीछे शिक्षक के नेतृत्व में टीम भावना का विकास भी है। बाद में भी श्रमदान हेतु कभी भी निर्धारित पत्र भरकर श्रमदान कार्यक्रम में सम्मिलित

हुआ जा सकता है।

इस सत्र में 07 सितम्बर से साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान 20 टोलियों के माध्यम से महाविद्यालय परिसर तथा उसके बाहर शुभारम्भ हुआ। श्रमदान कार्यक्रम के अन्तर्गत शौचालय से लेकर सड़क तक के क्षेत्र में श्रमदान कार्य राष्ट्रीय सेवा योजना के वालेंटियर सहित, प्राचार्य, शिक्षक एवं कर्मचारी स्वेच्छा से मनोयोग के साथ सम्पन्न हुआ। इस योजना का एक लाभ ये भी है कि प्रत्येक विद्यार्थी स्वच्छता को लेकर इतना सतर्क रहता है कि क्लास में जाते समय सीढ़ी पर गिरे हुए कागज और फर्श पर गिरा हुआ चाकलेट का रैपर उठाकर अपनी जेब में रख लेता है और कक्षा समाप्त होने के उपरान्त महाविद्यालय में जगह–जगह रखे डस्टबिन में डाल देतें है। विद्यार्थियों और शिक्षकों में श्रम के प्रति हीन भावना को समाप्त करने में स्वैच्छिक साप्ताहिक श्रमदान की यह योजना बहुत ही कारगर साबित हुई है।

विश्व साक्षरता दिवस

विश्व साक्षरता दिवस (08 सितम्बर) विश्व में शिक्षा के महत्व को दर्शाने और समाज से निरक्षरता को समाप्त करने के संकल्प के साथ महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में एक विचार गोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती किरन सिंह ने कहा कि बदलते हुए वैश्विक परिदृश्य में उन्नत मस्तिष्क और प्रखर मेघा ही राष्ट्र की पहचान और आधार है। शिक्षित नागरिक ही विकसित समाज की रीढ़ है। किसी भी देश की प्रगति उनके नागरिकों की शिक्षा के स्तर पर निर्भर करती है। साक्षर नही शिक्षित होना भारत की आवश्यकता है। दुनिया के अनेक देश अपने शिक्षित नागरिकों के बल पर ही आज विश्व के शक्तिशाली तथा सामर्थ्यवान देशों में शुमार हुए हैं। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल उद्देश्य ही सशक्त एवं समृद्ध समाज के निर्माण मे योगदान करना है और यह जिम्मेदारी विशेष रूप से आज के युवा पीढ़ी पर है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना अपने अनेक कार्यक्रमों के माध्यम से शैक्षिक जागरूकता पैदा करने के लिए निरन्तर प्रयासरत है। इस अवसर पर स्वयं सेवक सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा, सत्य प्रकाश पाण्डेय, बलिराम रौनियार, ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. विजय चौधरी, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, श्री सुबोध कुमार मिश्र, डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय, डॉ. नवनीत कुमार, श्रीमती साधना सिंह, श्रीमती विभा सिंह, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा तथा आभार स्वयंसेवक सत्य प्रकाश तिवारी ने किया।

विश्व ओजोन संरक्षण दिवस

विश्व ओजोन संरक्षण दिवस मनाने का उद्देश्य स्वयंसेवकों में ओजोन संरक्षण के प्रति जागरूकता का भाव पैदा करना है। 16 दिसम्बर 2019 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'विश्व ओजोन संरक्षण दिवस' के उपलक्ष्य में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस विचार गोष्ठी के मुख्य अतिथि राजनीति शास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि ''भारतीय जीवन पद्धति के मूलतत्व ही वर्तमान पर्यावरण संकट का उपाय है। पर्यावरण में क्षरण मनुष्य के कर्मों का ही फल है। वैश्विक बाजारवाद और उपभोक्तावाद और उपयोगवादी जीवन शैली ने जिस प्रकार से अन्धाधुन्ध उत्पादन और उपभोग को जीवन का मुख्य आधार बना लिया है, उसी के परिणाम स्वरूप आज न केवल विश्व के सामने बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए पर्यावरण का दूषित होना चिन्तनीय है। जीवन के हर क्षेत्र को वैज्ञानिक प्रगति के साथ जोड़ने से प्राकृतिक संतुलन में बिखराव आया है। मनुष्य कभी भी प्रकृति पर न तो विजय प्राप्त कर सकता है न तो उसे विखण्डित कर सकता है और न ही उसके मानव हितकारी रहस्य को पूरी तरह से समझ सकता है। तमाम अनवेंषणों और अनुसंधानों के माध्यम से प्राकृतिक नियमों के विपरीत आचरण एवं व्यवहार के कारण ही आज विश्व इस महासंकट को झेल रहा है। उसी पर्यावरणीय संकट में एक पृथ्वी का सुरक्षा कवच कहे जाने वाला ओजोन परत का विखण्डन होना भी है।

अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि ओजोन परत की विरलता से न केवल तापमान में वृद्धि हो रही है, बल्कि जलवायु परिवर्तन का यह एक बड़ा कारण भी है इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम जैव–भू–जैव रासायनिक चक्र में परिवर्तन होना है। एक तरफ मानव जनसंख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। वहीं दूसरी तरफ हिमखण्ड पिघलने से भू क्षेत्र में कमी आ रही है। आने वाले समय में यह स्थिति

अराजकता और अव्यवस्था का परिचायक दिखलाई पड़ रही है। ओजोन परत में विरलता से अमलीय वर्षा और घने कुहरे का प्रकोप दुनिया झेल रही है। वही दूसरी तरफ इस विखण्डन के नाते पराबैंगनी बीटा किरणों की अधिकता से न केवल पशु, पौधे बल्कि मानव भी बुरी तरह से दुष्प्रभावित है। विभिन्न प्रकार के होने वाले चर्म रोग, कैंसर रोग, मोतिया बिन्द, चमड़ियों में झुरी पड़ना, त्वचा की कोशिकाओं में टूट–फूट होना इत्यादि संकट से आज यह जगत दो चार हो रहा है। समय रहते इसको समझने और ठीक करने की अत्यन्त आवश्यकता है, वरना आने वाली पीढ़ी इस मार को सहन करने को अक्षम होगी।

कार्यक्रम की प्रस्तावना राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने रखी। जबकि आभार ज्ञापन श्रीमती किरन सिंह ने किया इस अवसर पर सभी स्वयंसेवकों सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस समारोह के द्वारा स्वयंसेवक राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य लक्ष्य एवं मुख्य कार्यों से जुड़ता है। राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों में सेवा, आस्था और विश्वास के गुणों को विकसित करने का बड़ा माध्यम है तथा समाज में श्रम के प्रति हीन भावना को समाप्त करने में सहयोगी है। सहयोग, समन्वय और नेतृत्व की क्षमता का विकास करके स्वयंसेवक अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास कर सकता है। इन्हीं उद्देश्यों के साथ महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 24 सितम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बी.एड. विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री रचना सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'स्वैच्छिक सामूदायिक सेवा के माध्यम से युवाओं के व्यक्तित्व और चरित्र के विकास का प्राथमिक उद्देश्य ही राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य लक्ष्य है। सेवा और संवेदना के प्रति समर्पित युवाओं के माध्यम से समाज में वंचित वर्गों के मध्य जाकर उनकी पीड़ा और कठिनाईयों को समझना और उनका सहयोग करना राष्ट्रीय सेवा योजना के कर्मयोगियों का मुख्य कार्य है। हर मनुष्य में मानवीय गुण मौजूद रहता है तमाम बार वह प्रस्फुटित नहीं हो पाता और इसी कारण मनुष्य और समाज में विकृति उत्पन्न होने लगती है। राष्ट्रीय सेवा योजना मानवीय गुणों को विकसित करने तथा विकृतियों के उन्मूलन का सशक्त साधन बन सकता है।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि मलिन बस्तियों में रह रहे लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कर स्वस्थ समाज के निर्माण में राष्ट्रीय सेवा योजना की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। स्वस्थ समाज ही सशक्त राष्ट्र की नींव होती है। जानकारी और जागरूकता के अभाव में विशेष रूप से

ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार की बिमारियां जन्म ले लेती हैं। स्वयंसेवक सेवा भावना के साथ यदि कार्य करें तो थोड़े प्रयास से ही बड़ी सफलता प्राप्त की जा सकती है।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि राष्ट्र निर्माण ने युवाओं की भूमिका ही राष्ट्र का आधार होती है। राष्ट्रीय सेवा योजना न केवल युवाओं को ऐसे पुनीत कार्य करने का मंच प्रदान करता है बल्कि अपने युवा शक्ति के माध्यम से राष्ट्र सेवा के पवित्र कार्य का अनवरत माध्यम बना हुआ है। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक सहित शिक्षक उपस्थित थे।

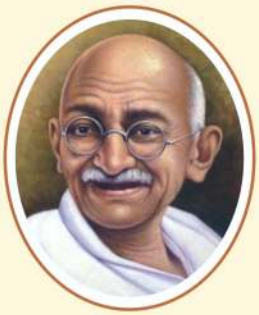

गांधी जयंती एवं लालबहादुर शास्त्री जयंती समारोह

(प्लास्टिक मुक्त भारत जनजागरण अभियान कार्यक्रम)

02 अक्टूबर को महात्मा गांधी के 150वीं जयंती एवं भारत के पूर्व यशस्वी प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 116वीं जयन्ती के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में अधिगृहित गांव हसनगंज में प्लास्टिक मुक्त भारत जनजागरण अभियान के अन्तर्गत स्वयंसेवकों ने घर–घर जाकर ग्रामवासियों को सिंग्लयूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने हेतु जागरूक किया। ग्रामवासियों को यह बताया गया कि प्लास्टिक स्वस्थ्य मानव जीवन लिए सबसे बड़ा खतरा है क्योंकि इसको जलाने से वायु प्रदुषण फैलता है और जमीन के अन्दर डालने से मिट्टी उसर होती है। घर के पुराने कपड़े और अखबार से झोले और पैकेट बनाकर रोजमर्रा की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्लास्टिक के विकल्प के रूप में प्रयोग करना प्रदूषण के दृष्टि से और मानव जीवन के दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

प्लास्टिक मुक्त भारत जनजागरण कार्यक्रम का प्रारम्भ महाविद्यालय से स्वयंसेवक अभिग्रहीत गांव में सर्वप्रथम प्लास्टिक मुक्त भारत जनजागरण रैली में बैनर तख्ती एवं नारो के साथ पहुंचे और 10–10 की संख्या वाली टोलियों में घर–घर जागर ग्रामवासियों को जागरूक किया। इससे पूर्व प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने ध्वजारोहण किया तत्पश्चात राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत के साथ यह पर्व उत्साहपूर्वक मनाया गया। ध्वजारोहण के

उपरान्त प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने गांव में जाने वाले विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहां कि आज प्रत्येक भारतीय की नैतिक जिम्मेदारी हो गयी है कि वह स्वयं सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करें और लोगों को जागरूक भी करें। इस दृष्टि से आज का यह अभियान एक बड़ा सहरानीय कार्य साबित होने जा रहा हैं। हम सब का निष्ठा और श्रद्धा के साथ गांव की सेवा का एक–एक कदम अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

इसके उपरान्त फिट इण्डिया प्लॉग रन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत स्वयंसेवक गांव में निर्धारित कार्य स्थल की साफ–सफाई की तथा प्लास्टिक/अपशिष्ट/कूड़ा संग्रह किया। इसके पश्चात स्वयंसेवको की 10–10 सदस्यों वाली टोलियों द्वारा इकठा प्लास्टिक/अपशिष्ट/कूड़ा संग्रह को टोकरियों में रखकर कूड़े दान तक दौड़ लगाकर स्वस्थ भारत हेतु जनजागरण किया गया। कार्यक्रम का संयोजन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने किया।

शास्त्र विभाग
जंगल

B.Com

एक दिवसीय कार्यशाला

(सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पर्यावरणीय संकट)

महाविद्यालय में जनजागरूकता के उद्देश्य से 19 अक्टूबर को 'सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पर्यावरणीय संकट' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न हुआ जिसमें स्वयं सेवकों को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान जानकारी देते हुए उन्हें पर्यावरणीय संकट के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने अपने उद्बोधन में कहा कि मानव और प्रकृति का घनिष्ठ सम्बन्ध प्राचीन काल से ही रहा है। मानव अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु पर्यावरण से क्रिया करता है। प्रकृति उसकी वह आवश्यकताओं की पूर्ति करती रहती है। ज्ञान एवं समय के साथ मनुष्य का प्रकृति के साथ सम्बन्ध बढ़ता गया। अत्यधिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु प्रकृति से ज्यादा घनिष्ठ होता गया, प्रकृति सच्चे मित्र की तरह उसकी आवश्यकताओं की पूर्ति करती रही लेकिन मनुष्य अपने अत्यधिक लालच, स्वार्थ एवं विलासिता की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु प्रकृति का दोहन करने लगा, जिसके परिणाम स्वरूप प्रकृति का सन्तुलन खराब हो गया। परिणामतः भूमण्डलीय ताप वृद्धि से धरातल पर तापमान का संतुलन बिगड़ा तथा ग्लेशियर का पिघलना प्रारम्भ हुआ। समुद्र तल में परिवर्तन हुआ, जैव समुद्री संसाधनों का ह्रास होना आदि अनेक समस्याएं उत्पन्न होनें लगी है। आज मनुष्य को प्रकृति को शुत्र नही बल्कि मित्र बनाने की आवश्यकता है। हमें उन सभी वस्तुओं का उपयोग बन्द करना चाहिए जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हैं। आज भारत सरकार ने सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग प्रतिबन्धित कर बहुत सराहनीय कार्य किया है। प्लास्टिक मानव जीवन के साथ–साथ पृथ्वी के वातावरण के लिए भी खतरा पैदा कर रहा है।

कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए भूगोल विभाग के प्राध्यापक डॉ. अजय प्रताप निषाद ने अपने उद्बोधन में कहां कि हमारे दैनिक जीवन में उपयोग होने वाले प्लास्टिक

की वस्तुएं पर्यावरण को अत्यधिक क्षति पहुंचा रही हैं। आधुनिक विज्ञान के एक वरदान के रूप में हमारे जीवन का एक हिस्सा बनने वाला यह प्लास्टिक सम्पूर्ण पर्यावरण के लिए एक अभिशाप बन गया। यह प्लास्टिक थोड़े समय इस्तेमाल के लिए आते है और उसे नष्ट होने में हजारो साल लग जाते है। प्लास्टिक जमीन के अन्दर विघटित नही हो पाता है और जहरीली गैसे और पदार्थ छोड़ता रहता है जिसके कारण वहां की भूमि बंजर हो जाती है और अगर कोई फसल पैदा भी होती है तो उसमें जहरीले पदार्थ मिले होने के कारण यह मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होती हैं। प्लास्टिक को बनाने में बहुत सारे जहरीले केमिकल का इस्तेमाल होता है। जब इसे जलाया जाता है त्रो केमिकल हवा में फैल जाते हैं जो वायु प्रदूषण का कारण बनते हैं। प्लास्टिक को जलाए जाने के कारण जो धुंआ उत्पन्न होता है अगर उसमें ज्यादा देर तक सांस ली जाए तो मानव को कई गम्भीर बिमारियां हो सकती है। यह मानव जीवन के लिए बहुत ही खतरनाक है। प्लास्टिक के विकल्प के रूप में घर के पुराने कपड़े और अखबार से बनें झोलें और पैकेट बनाकर रोजमर्रा की आवश्यकताओं को पूरा करना चाहिए और दूसरों को भी सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करें इसके लिए प्रेरित और जागरूक करना चाहिए।

कार्यक्रम में स्वयंसेवक सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा, संतोष कुमार यादव, राहुल यादव, सूरज गुप्ता, प्रकाश पाण्डेय, सुधीर सिंह ने भी अपने विचार रखें। कार्यशाला का संयोजन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने किया तथा आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती किरन सिंह ने किया।

"रक्तदान महादान" (विशिष्ट व्याख्यान)

लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयन्ती (31 अक्टूबर) के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'रक्तदान महादान' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के द्वारा स्वयंसेवकों एवं विद्यार्थियों में रक्तदान को लेकर जो विभिन्न प्रकार की भ्रान्तियां एवं भय था, उसे को दूर किया गया तथा रक्तदान करने के लिए प्रेरित एवं जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गुरू श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के ब्लडबैंक के प्रभारी एवं ख्यातिलब्ध चिकित्सक डॉ. अवधेश अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि रक्तदान जीवनदायिनी कार्य है। इस दृष्टि से रक्तदान का कार्य जीवन प्रदाता की भूमिका में आ जाता है। रक्तदान सामाजिक जीवन में आक्सीजन का कार्य करता है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणि है इसलिए सामाजिक जीवन में उसकी भूमिका, उपयोगिता और योगदान से ही समाज सकारात्मक रूप से प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सकता है। रक्तदान भी उसी सामाजिक जीवन का एक महत्वपूर्ण और बड़ा हिस्सा है। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में रक्त की भूमिका सर्वव्याप्त हैं। देश दुनिया में तमाम शोध के बाद भी रक्त की कोई वैकल्पिक व्यवस्था सम्भव नही हो सकी है। कृत्रिम रक्त का निर्माण आज की तिथि में असम्भव है। भारत में लगभग प्रतिदिन एक करोड़ा पचास लाख इकाई रक्त की आवश्यकता पड़ती है, जबकि उसके सापेक्ष केवल सत्तर लाख इकाई रक्त की ही आपूर्ति हो पाती है। इतने बड़े जनसंख्या वाले देश के लिए यह बहुत ही चिन्ता का विषय है। बड़ी संख्या में लोगों में रक्तदान को लेकर विभिन्न प्रकार की भ्रान्तियां हैं। यहां तक कि शिक्षित लोगों मे भी इस प्रकार की भ्रान्तियां बड़े पैमाने पर देखने को मिलती है। जबकि वास्तविकता है कि रक्तदान से न केवल व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है बल्कि स्वयं रक्तदाता को हदयरोग, उच्चरक्तचाप, कोलेस्ट्राल, मोटापा, सुगर सहित अनेक रोगों से

बचाव भी सुनिश्चित होता है। वर्तमान समय में एक रक्तदाता एक साथ चार व्यक्तियों का जीवनदाता वन सकता है। रक्त के चारों अवयव को अलग–अलग प्रयोग करके हम चार अलग–अलग प्रकार के आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। रक्तदान वास्तव में रक्त की आवश्यकता वाले प्रत्येक यक्ति के लिए संजीवनी बूटी के समान है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. प्रदीप कुमार राव ने स्मृति चिन्ह द्वारा मुख्य वक्ता डॉ. अवधेश अग्रवाल का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया तथा आभार ज्ञापन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर सभी स्वयंसेवक विद्यार्थी तथा महाविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे। सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत से प्रारम्भ यह कार्यक्रम राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर कार्यक्रम

01 नवम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में शिक्षक, प्राचार्य, विद्यार्थी तथा स्वयंसेवक ने उत्साह से भाग लिया। शिविर में गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के ब्लडबैंक ने महाविद्यालय से कुल 101 लोगों का रक्त संग्रह किया जिसमें बी.ए. भाग एक के विकास चौधरी, बी.ए. भाग एक के अभिषेक सिंह, बी.ए. भाग दो के सत्य प्रकाश तिवारी, बी.ए. भाग दो के विशाल मौर्या, बी.ए. भाग एक के सुधीर सिंह, बी. ए. भाग दो के आलोक कुमार, बी.ए. भाग एक के संदीप यादव, बी.ए. भाग एक के अमित यादव, कृष्ण कुमार सिंह, बी.एस–सी. भाग तीन, दीपचन्द्र बी.ए. भाग एक, अभय प्रताप सिंह, बी.ए. भाग एक, अमन कुमार श्रीवास्तव बी.ए. भाग एक, रितेश सिंह बी.कॉम. भाग दो, मणि प्रकाश पाण्डेय बी.एस–सी. भाग एक, संदीप गुप्ता बी.ए. भाग एक, अमित कुमार बी.कॉम भाग दो, अमन प्रताप सिंह बी.कॉम भाग दो, परमानन्द प्रजापति बी.कॉम भाग दो, मनीष दूबे बी.एस–सी भाग एक आदि मौजूद रहें। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव, डॉ. अजय प्रताप निषाद, डॉ. प्रज्ञेश मिश्र, श्री रमाकान्त दूबे, श्रीमती कविता मन्ध्यान, डॉ. आरती सिंह, सुधा शुक्ला, श्री जितेन्द्र प्रजापति आदि प्राध्यापकों ने रक्तदान किया। इसके पूर्व धनतेरस के दिन (25 अक्टूबर) को महाविद्यालय के 15 शिक्षक तथा विद्यार्थियों ने गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय में रक्तदान किया।

रक्तदाताओं को शुभकामना देते हुए प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि रक्तदान जैसे पुनीत कार्य से हम अपने राष्ट्र और समाज के प्रति एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में जवाबदेही और जिम्मेदारी निवर्हन करते हैं। इससे राष्ट्रनिर्माण और सामाजिक सामर्थ्य का विकास होता है। साथ ही साथ मानवीय संवदेना के चर्मोत्कर्ष का रक्तदान जैसे पवित्र कार्य माध्यम बनते है। इस तरह के शिविर के माध्यम से न केवल रक्तदान द्वारा अनेक लोगों को जीवनदान मिलता है साथ ही रक्तदाता भी रक्तदान के प्रति सक्रिय रूप से सचेत हो जाता है। अन्त में डॉ. राव ने श्रीगोरक्षनाथ ब्लडबैंक के प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल, डॉ. जे.के. मिश्र, श्री आदित्य कुमार शुक्ला, श्री चन्द्रशेखर यादव, सुश्री चांदनी गिरि, सुश्री गुंजा, श्री सूरज सिंह, श्री सोनू यादव के प्रति विशेष रूप से सहयोग के लिए आभार ज्ञापित किया।

कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया। रक्तदान कार्यक्रम में श्री सुबोध कुमार मिश्र, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. प्रज्ञेश मिश्र के विशेष सहयोग के लिए कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने साधुवाद दिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना
01 मार्च 2019

एकदिवसीय कार्यशाला
सामाजिक समरसता एवं संविधान

दिनांक 17 नवम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में स्वयंसेवक को 'सामाजिक समरसता एवं संविधान' तथा राष्ट्र के विकास में संविधान के महत्व को बताया गया। स्वयंसेवकों को यह शिक्षा दी गई कि वें राष्ट्रीय एकता अखण्डता व सामाजिक समरसता के अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। साथ ही अपने अर्जित शिक्षा और ज्ञान का उपयोग सम्पूर्ण मानवता की कल्याण में करें।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्राणि विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री विनय कुमार सिंह ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि भारतीय संविधान सामाजिक समरसता का मूल आधार है। संविधान समाज के मूलभूत अधिकारों के सुरक्षा की गारंटी है, जिसमें समाज के सभी लोगों के अधिकार सुनिश्चित हैं। संविधान ऐसी परिस्थितियां प्रदान करता है जिसमें समाज के प्रत्येक सम्प्रदाय के व्यक्तियों का विकास निरन्तर अविरल रूप से गतिशील रहता है। जिसमें प्रत्येक व्यक्ति अपनी बौद्धिक और मानसिक क्षमता, विचार विश्वास आदि द्वारा समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान प्रदान करते हैं। भारतीय संविधान की विशेषता है कि देश के सभी नागरिकों को बराबर के अधिकार मिले हैं। संविधान के अनुसार कोई भी नागरिक छोटा या बड़ा नहीं है। भारतीय संविधान देश को सम्पूर्ण प्रभुत्व–सम्पन्न, समाजवादी, पंथ निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए अपने समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक, न्याय, विचार अभियक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतन्त्रता, प्रतिष्ठा व समता का अवसर प्रदान करता है। भारतीय संविधान समता न्याय समरसता का प्रतीक है।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी

डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने कहा कि "समाज के विभिन्न सम्प्रदाय के हितों के मध्य टकराव का उचित निपटारा संविधान के नियमों के तहत किया जाता है, जिससे सामाजिक समरसता बनी रहती है। संविधान सभा द्वारा सभी व्यक्तियों की गरिमा, राष्ट्र की एकता व अखण्डता सुनिश्चित कराने वाली, बंधुता बढ़ाने के लिए, सरसता बनाए रखने के दृढ़ संकल्प के साथ 26 नवम्बर, 1949 को संविधान देशवासियों को समर्पित किया गया। सभी स्वयंसेवक संविधान की मूल भावना को आत्मसात करते हुए देश के लिए अपना सब कुछ न्योछावर करने वाले स्वतन्त्रता सेनानियों के सपनो को सकार करनें का कार्य करें। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने किया। आभार ज्ञापन श्रीमती किरन सिंह ने किया। इस अवसर पर सभी स्वयंसेवक उपस्थित थे।

भाषण प्रतियोगिता

17 नवम्बर को महाविद्यालय में प्रतियोगिता का राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय 'सामाजिक समरसता एवं संविधान' था। इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्राणि विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री विनय कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि संविधान हमारा मार्ग दर्शक है स्वयंसेवकों को संविधान के अनुरूप ही अपने कर्तव्य एवं दायित्व का निर्वहन करते हुए राष्ट्र एवं समाज के विकास में योगदान करना चाहिए। राष्ट्र निर्माण में सर्वाधिक योगदान युवाओं का होता है।

प्रतियोगिता प्रभारी राष्ट्रीय योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामना देते हुए कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापन किया। प्रतियोगिता में कुल 20 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें प्रथम स्थान पर प्रकाश पाण्डेय बी.ए. भाग दो, द्वितीय स्थान पर सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा बी.ए. भाग दो, तृतीय स्थान संयुक्त रूप से दीपचन्द्र बी.ए. भाग एक तथा रितेश सिंह बी.काम भाग दो एवं सांत्वना पुरस्कार सत्य प्रकाश तिवारी बी.ए. भाग दो ने प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल में श्री विनय कुमार सिंह, डॉ. सौरभ कुमार सिंह, श्रीमती किरन सिंह, श्री विजय कुमार एवं श्री सिद्धार्थ शुक्ला रहे। सभी प्रतिभागियों को कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह तथा श्रीमती किरन सिंह ने शुभकामना दीं।

राष्ट्रीय सेवा योजना
भाषण प्रतियोगिता
17 नवम्बर 2019

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना

विशिष्ट व्याख्यान : संविधान दिवस

संविधान दिवस (26 नवम्बर) के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में ''भारतीय संविधान एवं सामाजिक न्याय'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें स्वयंसेवकों को भारतीय संविधान की मूल विशेषताओं की जानकारी दी गयी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि आम जनमानस को संविधान की जानकारी होना आवश्यक है जिससे वे राष्ट्रीय एकता, अखण्डता सामाजिक न्याय, एवं कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें। संविधान सामाजिक न्याय का मूल आधार है। न्याय की स्वतंत्रता और रक्षा के लिए भारतीय संविधान निर्माताओं ने न्यायपालिका की स्वंतत्रता पर विशेष बल दिया है। संविधान की उद्‌देशिका में सभी नागरिकों को न्याय का आश्वासन दिया गया है। न्याय का अर्थ है– व्यक्तिाओं के परस्पर हितों, समूहों के परस्पर हितों के बीच और एक दूसरे के बीच सांमजस्य स्थापित हो। न्याय की संकल्पना वस्तुतः अति व्यापक है। यह केवल संकीर्ण कानूनी न्याय तक सीमित नहीं, जो न्यायलयों द्वारा दिया जाता है। इसमें सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सभी तरह के न्याय के महत्व दिया गया है।

सामाजिक न्याय से अभिप्राय है कि मानव–मानव के बीच में जाति, वर्ण के आधार पर भेद न माना जाए और प्रत्येक नागरिक को उन्नति के समुचित अवसर सुलभ हों आर्थिक न्याय से अभिप्राय है कि उत्पादन एवं वितरण के साधनों का न्यायोचित वितरण हो और धन सम्पदा का केवल कुछ ही हाथो में केन्द्रीकरण न हो जाए। राजनीतिक न्याय का अभिप्राय है कि राज्य के अन्तर्गत समस्त नागरिकों को समान रूप से नागरिक और राजनीतिक अधिकार प्राप्त हों। संविधान की प्रस्तावना में उपबंधित न्याय के विचार से लोक कल्याणकारी राज्य का विचार दृष्टिगोचर होता है और नागरिकों को अन्य क्षेत्रों में न्याय का आश्वासन भी दिया गया है। आज की युवा पीढ़ी को संविधान की जानकारी होना आवश्यक है। युवा पीढ़ी राष्ट्र एवं समाज के निमार्ण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक बृजभूषण लाल एवं डॉ. रमा कान्त दूबे ने भी अपने विचार रखें। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक, विद्यार्थी एवं स्वयंसेवक उपस्थित थे। कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती किरन सिंह ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया।

वाद-विवाद प्रतियोगिता

संविधान दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका विषय ''भारतीय संविधान एवं सामाजिक न्याय'' था प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि समाजशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. बृजभूषण लाल ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि'' 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत को एक सुदृढ़ राष्ट्र बनाने के लिए संविधान निर्माताओं के समक्ष धार्मिक और जाति विविधता को संगठित करना एक प्रमुख चुनौती थी। अतः इन्होंने व्यक्ति की गरिमा प्रतिष्ठा को स्थापित करते हुए एक धर्म निरपेक्ष, समाजवादी राज्य के लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास किया। भारत का संविधान नागरिकों के अधिकार की सुरक्षा की गारंटी प्रदान करते हुए राष्ट्र के प्रति उनके कर्त्तव्यों को भी सुनिश्चित करता है। यह नागरिकों के अन्दर असुरक्षा, भय, शोषण आदि से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करता है। संविधान के द्वारा ही कार्यपालिका, विधायिका तथा न्यायपालिका में उचित सन्तुलन स्थापित करके हमारे संविधान निर्माताओं ने राष्ट्र के निरन्तर प्रगति के मार्ग को प्रशस्त किया है। 26 नवम्बर, 1949 को भारतीय नागरिकों ने जिस संविधान को अंगीकृत किया उसे वर्ष 2015 तक विधान–दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। किन्तु बाबा साहेब अम्बेडकर के 125वीं जयन्ती के अवसर पर सन् 2015 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने इसे (26 नवम्बर) संविधान दिवस के नाम से मनाने का निर्णय लिया। तभी से प्रत्येक वर्ष 26 नवम्बर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। यह दिवस हमें यह प्रेरणा देता है कि संविधान व कानून में श्रद्धा और विश्वास रखते हुए हमें अपने कर्त्तव्यों का पालन करते रहना चाहिए तथा राष्ट्र की प्रगति में अपना सर्वश्रेष्ठ देते हुए निजी स्वार्थों संकीर्णताओं को त्यागकर राष्ट्र के निर्माण और विकास में अपना सहयोग देते रहना चाहिए। प्रतियोगिता प्रभारी राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डां. सौरभ कुमार सिंह ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामना देते हुए कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापन किया। प्रतियोगिता में कुल 24 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। भारतीय संविधान में सामाजिक न्याय के विपक्ष में अपना विचार रखते हुए प्रथम स्थान सत्य प्रकाश तिवारी बी.ए. भाग दो, द्वितीय स्थान दुर्गेश पाल बी.ए. प्रथम एवं तृतीय स्थान रितेश सिंह बी.काम भाग दो तथा विषय के पक्ष में अपना विचार रखते हुए प्रथम स्थान प्रकाश पाण्डेय बी.ए. भाग दो, द्वितीय स्थान आलोक कुमार बी.ए. भाग दो तथा तृतीय स्थान,

सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा बी.ए. भाग दो को प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में समाजशास्त्र के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री बृजभूषण लाल, इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह एंव रक्षा स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रवक्ता श्री रमाकान्त दूबे रहें। सभी प्रतिभागियों को कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह एवं श्रीमती किरन सिंह ने शुभकामना दी।

जिला स्तरीय पंचायत पार्लियामेंट में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों का सहभाग

27 नवम्बर को ग्राम विकास संस्थान, चारगावां में जिला स्तरीय ग्राम संसद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायती राज्य संस्थाओं को भारतीय संविधान के अनुसार 'अपनी सरकार' के रूप में विकसित करने की आवश्यकता और उपायों पर इसकी पहचान करने के लिए वयस्क नागरिकों के बीच संवाद स्थापित करना था तथा संवाद से निकलने वाले निष्कर्षों के आधार पर संघ एवं राज्य सरकार को सुझाव देना था। इस कार्य में महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों–सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा, सत्य प्रकाश तिवारी, प्रकाश पाण्डेय एवं आलोक तिवारी सहित विभिन्न ब्लाकों के चयनित पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा ग्राम पंचायत में पंचायत सदस्यों के प्रशिक्षण, अर्थिक विकास कार्य, कौशल विकास, जल व ऊर्जा संरक्षण और महिलाओं एवं वंचित वर्ग से सम्बन्धित मुद्दों को ग्राम पंचायत विकास योजना में शामिल करने हेतु सुझाव दिये गयें।

निबन्ध प्रतियोगिता

(जातिवाद राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा)

महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि (28 नवम्बर) के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका विषय ''जातिवाद राष्ट्रीय एक लिए खतरा'' था।

प्रतियोगिता की मुख्य अतिथि बी.एड्. विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि ज्योतिराव गोविन्दराव फुले 18वीं सदी के प्रमुख समाज सेवक थे। उन्होंने भारतीय समाज में फैली अनेक कुरीतियों को दूर करने के लिए सत्त संघर्ष किया। ज्योतिबा फुले यह जानते थे कि देश और समाज की वास्तविक उन्नति तब तक नहीं हो सकती, जब तक देश का बच्चा–बच्चा, जात–पात, ऊँच–नीच के बन्धनों से मुक्त नही हो जाता और देश की महिलाएं (स्त्रियां) समाज के प्रत्येक क्षेत्र में समान अधिकारी नहीं पा लेती। ज्योतिबा फुल ने विधवाओं और महिलाओं के कल्याण के लिए बहुत कार्य किया। स्त्रियों की दशा सुधारने के लिए और उनकी शिक्षा के लिए ज्योतिबा ने एक स्कूल खोला। यह देश में स्त्रियों की शिक्षा के लिए पहला विद्यालय था। गरीब और निर्बल वर्ग को न्याय दिलानें के लिए उन्होंने सत्यशोधक समाज की स्थापना की। उनकी समाज सेवा देखकर 1888ई. में मुम्बई की एक विशाल सभा ने उन्हें 'महात्मा' की उपाधि दी। ज्योतिबा फुले को समाज के सशक्त प्रहरी के रूप में सदैव याद किया जाता रहेगा।

प्रतियोगिता प्रभारी राष्ट्रीय सेवा योजना में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामना देतें हुए कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापित किया। प्रतियोगिता में कुल 15 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया जिसमें प्रथम स्थान विशाल कुमार यादव बी.ए. भाग एक, द्वितीय स्थान प्रकाश पाण्डेय बी.ए. भाग दो, तृतीय स्थान राहुल यादव बी.ए. भाग एक एवं सांत्वना पुरस्कार दुर्गेश पाल बी.ए. भाग एक ने प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों को कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह एवं कार्यक्रम अधिकार श्रीमी किरन सिंह ने शुभकामना दी।

साप्ताहिक योग कार्यशाला

30 नवम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम के अन्तर्गत योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें स्वयंसेवकों ने योग प्राणायाम के विभिन्न आसनो को सीखा।

योगकार्यशाला में योग प्रशिक्षक के रूप में वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राजेश शुक्ल ने अनुलोम–विलोम, कपालभांति, भ्रस्तिका, भ्रामरी, मण्डुकासन, भुजंगासन आदि प्राणायामों का अभ्यास कराया। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने किया। योग कार्यशाला में राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवकं, शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रथम एकदिवसीय शिविर

01 दिसम्बर 2019 राष्ट्रीय सेवा योजना की हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के तत्वावधान में अभिगृहित गांव हसनगंज में प्रथम एक दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। एड्स निवारण जागरूकता दिवस के अवसर पर आयोजित प्रथम एक दिवसीय शिविर के अवसर पर महाविद्यालय से अभिग्रहित गांव तक जनजागरण रैली निकाली गई। इस रैली में स्वयं सेवकों ने तख्ती, बैनर, पोस्टर के माध्यम से गांव वालों को एड्स जैसी घातक बिमारी से बचाव के लिए जागरूक करने का प्रयास किया। साथ ही इस बिमारी से सम्बन्धित भ्रान्तियों को भी दूर भगाने एवं संक्रमण में माध्यम के सन्दर्भ में जन जागरूकता फैलाने का कार्य किया। स्वयंसेवकों ने एड्स से बचाव के विभिन्न उपायों (जैसे संक्रमित सुई का प्रयोग न करना, असुरक्षित यौन सम्बन्ध न बनाना इत्यादि) को ग्रामवासियों को बताया। स्वयंसेवकों ने गांव में एड्स से बचाव पर एक नुक्कड़–नाटक प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने नुक्कड़–नाटक के माध्यम से बताया कि जागरूकता के अभाव में एड्स जैसे गम्भीर बीमारी भयानक रूप ले रही है। अगर व्यक्ति थोड़ा जागरूक और सचेत हो जाय तो इस भयंकर बीमारी से बचा जा सकता है और विश्व समुदाय को भी इससे बचाया जा सकता है। रैली एवं जनजागरूकता अभियान के उपरान्त एक परिचर्चा का कार्यक्रम आयोजित कर स्वयंसेवको को एड्स से बचाव के उपयों को अधिक लोगो तक पहुंचाने का आवह्न किया गया। परिचर्चा में स्वयंसेवक की 10–10 सदस्यों की टोलियों द्वारा अपने टोली की तरफ से विचार रखे गये। इस अभियान में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह एवं श्रीमती किरन सिंह उपस्थित रहीं। इस अवसर पर स्वयंसेवकों के द्वारा अभिगृहित ग्राम में श्रमदान भी किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना
एक दिवसीय शिविर
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना
राष्ट्रीय सेवा योजना
NATIONAL SERVICE SCHEME

राष्ट्रीय सेवा योजना
एक दिवसीय शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना
एक दिवसीय शिविर
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गो

राष्ट्रीय सेवा योजना
एक दिवसीय शिविर
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

विशिष्ट व्याख्यान : राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस

02 दिसम्बर 2019 को आयोजित राष्ट्रीय प्रदूषण नियत्रण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में ''औद्योगिक आपदा के प्रबन्धन और नियत्रण'' विषय पर विशिष्ट व्याख्या कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य औद्योगिक आपदा के प्रबन्धन और नियंत्रण के लिए जागरूकता फैलाना तथा प्रदूषण रोकने के लिए प्रयास करना था। कार्यक्रम के माध्यम से स्वयंसेवको को उद्योगों के कारण बढ़ रहे वायु, जल, मृदा, ध्वनि प्रदूषण एवं औद्योगिक आपदाओं के प्रति सचेत एवं जागरूक किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बी.एड्. विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती साधना सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि ''आज का युग विज्ञान का युग है'' विज्ञान ने जहां एक ओर मनुष्य के लिए सुख–सुविधाओं के साधन जुटाएं है और अनेक समस्याओं का समाधान किया है, वही दूसरी ओर इन आविष्कारों द्वारा अनेक समस्याएं उत्पन्न हुई है। आज के औद्योगिक युग में संयन्त्रों, मोटर वाहनों कल कारखानों की संख्या अत्यधिक बढ़ गई है। विभिन्न आविष्कारों के कारण हमारी पूरी धरती का वातावरण दूषित हो गया है। इन उद्योगों से निकलने वाले जहरीले पदार्थ, रसायनों से जल, वायु एवं मृदा प्रदूषित हो रही है, जिससे पेड़ पौधे, जीव–जन्तु मनुष्य पर घातक प्रभाव पड़ रहा है। प्रदूषण के कारण विभिन्न प्रकार की घातक बीमारियों में वृद्धि हो रही है। भोपाल गैस त्रासदी विश्व की भीषण औद्योगिक आपदाओं में से एक है जहां 1984 में 2/3 दिसम्बर की रात भोपाल शहर में स्थित यूनियन कार्बाइड के रसायनिक संयत्र से जहरीला रसायन जिसे मिथाइल आइसोसाइनेट (एम.आई.सी) के रूप में जाना जाता है के साथ–साथ अन्य रसायनों के रिसाव के कारण हजारो लोगों की मृत्यु हो गयी थी। इसे पूरे विश्व इतिहास की सबसे बड़ी औद्योगिक प्रदूषण आपदा के रूप में जाना गया। आज विश्व समूदाय को भविष्य में इस प्रकार की औद्योगिक आपदा न हो इसके लिए सचेत, जागरूक एवं गम्भीर निवारण उपायों की आवश्यकता है। विश्व समूदाय द्वारा प्रदूषण रोकने के लिए नीति नियमों के उचित कार्यान्वयन और प्रदूषण के सभी निवारक उपायों के साथ जागरूकता के प्रयास किये जाएं। औद्योगिक उन्नति एवं प्रगति की सार्थकता इसी में है कि मनुष्य सुखी, स्वस्थ एवं सम्पन्न बने रहे। इसके लिए जरूरी है कि प्रकृति को सहज रूप से अपना कार्य करने का अवसर दिया जाय। कार्यक्रम में स्वयंसेवक संतोष कुमार यादव, अभिषेक कुमार सिंह, राहुल यादव, सूरज गुप्ता, रितेश सिंह ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी एवं सभी स्वयंसेवक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती किरन सिंह ने किया एवं आभार ज्ञापन डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने किया।

जनजागरण रैली

04 दिसम्बर 2019 को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा संस्थापक सप्ताह समारोह के उद्घाटन अवसर पर महाविद्यालय सहित लगभग 50 से अधिक संस्थाओं ने जन जागरण रैली में सहभाग किया। यह जनजागरण रैली दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज से आरम्भ होकर इन्दिरा बाल बिहार तिराहा, गणेश चौक, गोलघर होते हुए महाराणा प्रताप इण्टर कॉलेज में सम्पन्न हुई। संस्थापक समारोह रैली में महाविद्यालय ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, जलसरंक्षण, सिंगल यूज प्लास्टिक धारा 370 एवं राष्ट्रीयता, एक भारत श्रेष्ठ भारत, अन्तरिक्ष में भारत जैसे विषय को अपनी झांकी द्वारा प्रदर्शित कर शहर वासियों को प्रभावित किया। इस समारोह के मुख्य अतिथि हिमांचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर थे। इस समारोह में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाईयों (हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप एवं गुरु श्री गोरक्षनाथ इकाई) के स्वयंसेवको एवं स्वयंसेविकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभाग किया।

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

हींग प्रासेसिंग
हाथरस

अमर दीप

अमर दीप

Khadim's

बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर पुण्यतिथि कार्यक्रम

06 दिसम्बर 2019 को भारतीय संविधान के निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि पर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अंग्रेजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर कविता मंध्यान ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि बाबासाहब भीमराव अम्बेडकर भारत में सामाजिक क्रांति के अग्रदूत थे। वे भारतीय संविधान के शिल्पी एवं समाज सुधारक थे। संविधान के माध्यम से सामाजिक समरता का अमर संदेश देकर उन्होंने भारत का नाम विश्व में गौरवान्वित किया। उनका स्पष्ट मानना था कि छुआ–छूत गुलामी से भी बदतर अवस्था है। भारतीय समाज में व्याप्त छुआ–छूत और भेद–भाव जैसे कोढ़ के लिए उन्होंने आजीवन संघर्ष किया। वह एक सच्चे राष्ट्रभक्त थे। मुस्लिमीग द्वारा अलग पाकिस्तान की मांग का उन्होंने पूरजोर विरोध किया। उस समय ही उन्होंने चेतवनी देते हुए कहा था कि दो देश बनाने के समाधान का वास्तिवक क्रियान्वयन अत्यन्त कठिनाई भरा होगा। उनकी भविष्यवाणी को आज भी भारत–पाकिस्तान सीमा–विवाद एवं आपसी सम्बन्ध के रूप में समझा जा सकता है। भारत जैसे विविधता वाले देश में एक संविधान के अन्तर्गत 'सर्व जन हिताय सर्व जन सुखाय' के भाव को प्रतिस्थापित करना डॉ. भीमराव अम्बेडकर की दूरदर्शी समझ का ही परीणाम है। उन्होंने संविधान को अंगीकार करते समय कहा कि मैं यह कह सकता हूँ अगर कभी कुछ गलत हुआ तो उसका कारण यह नहीं होगा कि हमारा संविधान खराब था बल्कि उसका उपयोग करने वाले मनुष्य का कृत्य अधम था। डॉ. अम्बेडकर ने भारतीय संविधान में अनुच्छेद 370 जिसके अनुसार जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा प्राप्त था (जिसे हाल ही में वर्तमान सरकार द्वारा हटाया भी गया है) के खिलाफ थे और उसका प्रबल विरोध करते हुए कहा था कि यह प्रावधान संविधान की भावनाओं के विपरीत है और यह कदम भारत के राष्ट्रीय हितों के लिए आत्मघाती सिद्ध होगा। वे समान नागरिक संहिता के भी पक्षधर थे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए स्वयंसेवक सत्यप्रकाश तिवारी ने कहा कि अम्बेडकर का जन्म एक महार जाति में हुआ था, जो कि उस समय में अस्पृश्य मानी जाती थी। अतः जीवन के प्रारम्भिक दौर में उन्हें कदम–कदम पर सामाजिक भेद–भाव तथा अपमानित व्यवहार की यातनाएं सहनी पड़ी, जिसके कारण वे समाज में व्याप्त इन कुरीतियों के विरूद्ध संघर्ष करने हेतु दृढ़ संकल्पित हो उठे। कालोपरान्त बाबासाहब दलितों के मसीहा और एक महान समाज सुधारक के रूप में जाने गये। उन्होंने उच्चवर्गीय मानसिकता को चुनौती देते हुए निम्न वर्ग में भी ऐसे महान कार्य किये, जिससे वे सारे भारतीय समाज में श्रद्धेय हो गये। जीवन में विपरीत परिस्थियों के बावजूद 'जहाँ चाह वहाँ राह' को चरितार्थ करते हुए बाबासाहब अम्बेडकर उच्च शिक्षा की नई उचाईयों की ओर अग्रसर होते

रहे। 1912 में उन्होंने बम्बई विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र एवं राजनीति विज्ञान में स्नातक डिग्री प्राप्त की। सयाजीराव गायकवाड़ द्वारा स्थापित योजना के तहत बड़ोदा राज्य छात्रवृत्ति प्राप्त कर उन्होंने अर्थशास्त्र का अध्ययन करने के लिए न्यूयॉर्क के कोलम्बिया विश्वविद्यालय में दाखिला लिया और उन्होंने वहाँ अर्थशास्त्र के साथ–साथ इतिहास, समाजशास्त्र, दर्शन एवं राजनीतिशास्त्र जैसे विषयों में भी स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की। 1920 में लंदन विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें डॉक्टरेट की उपाधि दी गई। इस प्रकार उनके पास उच्च शिक्षा की कुल 32 डिग्रियां थी और विदेश जाकर अर्थशास्त्र में पी.एच.डी. करने वाले वो पहले भारतीय हुए।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए स्वयंसेवक सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा ने कहा कि भारत के आजादी के पश्चात सरकार ने डॉ. अम्बेडकर को मंत्रीमण्डल में आमंत्रित किया तथा उन्होंने स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। उन्हें भारत के संविधान निर्माण समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया। डॉ. अम्बेडकर द्वारा तैयार किया गया संविधान पहला सामाजिक दस्तावेज था जिसके प्रावधानों में भारत के नागरिकों के लिए संवैधानिक आश्वासन और नागरिक स्वतंत्रता की सुरक्षा के साथ–साथ धर्म की स्वतंत्रता भेद–भाव के रूपों पर प्रतिबन्ध और छूआ–छूत को समाप्त करना शामिल था। उन्होंने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग के सदस्यों के लिए स्कूल कालेजों एवं नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था का कार्य किया। 1935–1936 में उन्होंने 'वेटिंग फॉर व़ीजा' नाम से एक ऑटोबायोग्राफी भी लिखी जिसका प्रयोग कोलम्बिया विश्वविद्यालय अपने पाठ्य–पुस्तक के रूप में करती है। अपनी मृत्यु से केवल तीन दिन पहले ही उन्होंने अपनी पांडुलिपी 'बुद्ध और उनका धर्म' को पूरा किया। भारत सरकार द्वारा 1990 में डॉ. भीमराव अम्बेडकर को मराणोपरान्त भारत रत्न पुरस्कार से सम्मनित किया गया। 06 दिसम्बर 1956 को भारत का यह महान सपूत अपने नश्वर शरीर को त्याग कर माँ भारती की गोद में समा गया। कार्यक्रम का सुश्री श्वेता चौबे, डॉ. नवनीत कुमार ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर स्वयं सेवक, आलोक कुमार, सूरज गुप्ता, संतोष कुमार यादव, सुधीर सिंह, सत्य प्रकाश तिवारी, अमन कुमार श्रीवास्तव ने भी अपने विचार रखें। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने किया तथा आभार श्रीमती किरन सिंह ने किया।

योग कार्यशाला

07 दिसम्बर 2019 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम के अन्तर्गत योग कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें स्वयंसेवकों ने प्राणायाम एवं आसन के विभिन्न पद्धतियों को सीखा। योगकार्यशाला में योग प्रशिक्षक वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश शुक्ल ने अनुलोम–विलोम, कपाल भाति, भ्रस्तिका, भ्रामरी, भुजंगासन आदि प्राणायामों एवं आसनों का अभ्यास कराया। कार्यशाला में राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक शिक्षक, विद्यार्थी व कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वैच्छिक श्रमदान

07 दिसम्बर को महाविद्यालय में साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम आयोजित हुआ। स्वैच्छिक श्रमदान विद्यार्थी के जीवन में अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी को सीख मिलती है कि कोई भी काम छोटा या बड़ा नही होता है। श्रमदान मे महाविद्यालय की सफाई ही नहीं अपितु अपने आप के अन्दर बसे अहंकार की भी सफाई होती है जो प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अत्यन्त आवश्यक है। महाविद्यालय प्रतिवर्ष के शैक्षिक पंचाग के अनुसार स्वच्छता अभियान को विशेष महत्व देता है। स्वैच्छिक श्रमदान प्रत्येक शनिवार को 11:40 से 12:50 तक 01 घण्टा 10 मिनट किया जाता है। जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना की हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के स्वयंसेवक/सेविकाएं, कार्यक्रम अधिकारी, शिक्षक तथा प्राचार्य सम्मिलित होते हे। सभी स्वयं सेवक कुछ निश्चित टोलियों में विभक्त होकर श्रमदान करते है जिनका नेतृत्व शिक्षक, प्राचार्य तथा कार्यक्रम अधिकारी करते हैं। टोली प्रमुख शिक्षक अपनी 10 सदस्यों वाली टोली के साथ महाविद्यालय में निर्धारित स्थान पर श्रमदान करते है। इन निर्धारित स्थलों में – शौचालच भू–तल, शौचालय प्रथम तल, उत्तरी लान, दक्षिणी लान, मुख्य लान, वाचनालय, वालीबाल तथा बैंडमिण्टन ग्राउण्ड, बॉटनी गार्डेन शिक्षक कक्ष आदि प्रमुख है। शौचालच से लेकर सम्पूर्ण महाविद्यालय परिसर तथा मुख्य भवन के सामने की सड़क की सफाई की जाती है। स्वैच्छिक श्रमदान का उद्देश्य शिक्षकों तथा छात्रों में श्रम के प्रति हीन भावना को समाप्त करने के साथ ही महत्व उनके को समझना है चाहे उनके पद एवं स्थिति कुछ भी हो।

द्वितीय एक दिवसीय शिविर

15 दिसम्बर, 2019 को राष्ट्रीय योजना कीं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के तत्वावधान में अभिगृहित गांव हसनगंज में द्वितीय एक दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय से अभिगृहित गांव तक जल जनित एवं संक्रामक बीमारियों के प्रति जन जागरूकता रैली निकाली गई। इस रैली में स्वयंसेवक ने तख्ती, बैनर, पोस्टर के माध्यम से गांव वालों को मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, इंसेफेलाइटिस जैसी गम्भीर बीमारियों के प्रति जागरूक किया। स्वयंसेवको की 10–10 सदस्यों वाली 20 टोलियों ने घर–घर जाकर गांव वालों को डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, इंसेफेलाइटिस इत्यादि रोगों से बचाव के लिए साफ–सफाई तथा बचाव के उपाय की जानकारी दी। इस दौरान

स्वयंसेवक ने ग्रामवासियों को बताया कि यह बीमारियां जागरूकता के आभाव में भयानक रूप ले रही हैं। अगर व्यक्ति थोड़ा जागरूक एवं सचेत हो जाय तो डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारियों से अपना एवं आस–पास के लोगों का भी बचाव कर सकता है। डेंगू मच्छर साफ पानी में जन्म लेते है, इसलिए हमें पानी को एक जगह जमा नहीं होने देना चाहिए, जिससें मच्छर उनमें अण्डा न दे सकें। मच्छरों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशकों का भी उपयोग किया जा सकता है। मच्छरों के काटने से बचने के लिए ऐसे कपड़े पहनें जिससें पूरा शरीर ढका रहे एवं सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें।

स्वयंसेवकों ने गांव में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया जिसकेअन्तर्गत गांव की सड़के, नालियो, गलियों आदि की साफ–सफाई की तथा ग्राम वासियों को स्वच्छता का महत्व बताया। रैली एवं जनजागरण अभियान के उपरान्त संक्रमण बीमारियों एवं बचाव विषय पर एक परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने स्वयंसेवक से संक्रामक बीमारियों के कारण, बचाव एवं उपाय पर परिचर्चा की गयी तथा इनको अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का आवह्न किया गया। परिचर्चा में स्वयंसेवकों एवं सेविकाओं की 10–10 सदस्यों की टोलियों द्वारा अपने–अपने टोली की तरफ से परिचर्चा में सहभाग किया गया। द्वितीय एक दिवसीय कार्यक्रम का संयोजन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना
स्वच्छ भारत
स्वस्थ भारत

राष्ट्रीय सेवा योजना
स्वच्छ भारत
स्वस्थ भारत

कम्बल वितरण कार्यक्रम

20 दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्ववाधान में अभिग्रहित गांव के ग्रामवासियों हेतु कम्बल वितरण कार्यक्रम गोरखपुर विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. केशव सिंह जी के नेतृत्व में महाविद्यालय परिसर में आयोजित हुआ। समाज सेवा के इस आयोजन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. सौरभ कुमार सिंह, श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला, श्री विजय कुमार सहित स्वयंसेवकों ने सहभाग किया। इस दौरान कुल 101 जरूरत मंदों को कम्बल वितरित किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना

महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जयन्ती

24 दिसम्बर को महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी की जयन्ती के पूर्व दिवस पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में पंडित मदन मोहन मालवीय का शिक्षा के क्षेत्र में योगदान विषय पर एक विचार गोष्ठी कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वयंसेवकों को इस तथ्य से अवगत करना था कि भारत माता की सेवा में अपना समग्र जीवन अर्पण करने वाले एवं मानव सेवा का प्रण लेने वाले महामना मदन मोहन मालवीय जी का जीवन समस्त राष्ट्र के लिए पूज्य, श्रद्धेय एवं अनुकरणीय है।

विचार गोष्ठी के मुख्य अतिथि कम्प्यूटर सांइस विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री हरविन्द कुमार श्रीवास्तव ने अपने उद्बबोधन में कहा कि महामना मदन मोहन मालवीय

जी एक आदर्श शिक्षक, अच्छे अधिवक्ता, हिन्दी के अगाध प्रेमी, सनातन धर्म के प्रति समर्पित, स्वतंत्रता सेनानी, महान शिक्षाविद्, समाज सुधारक और भारत निर्माता थे। मालवीय जी का भारतीय शिक्षा जगत में अनमोल योगदान है। उनकी परिकल्पना ऐसे विद्यार्थियों को शिक्षित करके देश एवं समाज सेवा के लिए तैयार करने की थी, जो देश का मस्तक गौरव से ऊँचा कर सकें। मालवीय जी का विश्वास था कि राष्ट्र की उन्नति तभी सम्भव है, जब वहाँ के निवासी शिक्षित एवं सुरक्षित हों। बिना शिक्षा के मनुष्य पशुवत है। मालवीय जी जीवन पर्यन्त नगर–नगर की गलियों तथा गांवों में शिक्षा का प्रचार–प्रसार करने में जुटे रहे। वे जानतें थे की व्यक्ति अपने अधिकारों को तभी भली–भांति समझ सकता है, जब वह शिक्षित हो। संसार के जो राष्ट्र आज उन्नति के शिखर पर है, वें शिक्षा के कारण ही है। शिक्षा व्यक्तित्व के सर्वागीण विकास का आधार है, राष्ट्र की उन्नति और विकास का संवाहक है तथा सम्पूर्ण मानवता के सर्वोत्तम आदर्शों का स्तम्भ है। राष्ट्र की सेवा के साथ ही नवयुवकों के चरित्र–निर्माण के लिए और भारतीय संस्कृति की जीवंतता को बनाए रखने के लिए मालवीय जी ने 1965 ई. में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना की। निसंदेह यदि आज हम महामना मालवीय जी के आचरण को जीवन में अपना ले तो स्वयं के साथ–साथ समाज व राष्ट्र को भी उन्नत बना सकते है।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने कहा कि ''भारतीय शिक्षा का मुख्य उद्देश्य विचारशील एवं मूल्यवान व्यक्तियों का निर्माण करना है। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो बौद्धिक एवं आध्यात्मिक दोनों पक्षों को सबल बनाए। शिक्षा का अन्तिम पडाव श्रेष्ठ और जिम्मेदार नागरिक बनाना है। संस्कारनिष्ठ और गुणवत्ता युक्त शिक्षा ही सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता और विश्व बधुत्व को बढ़ा सकती है। आज भारत विश्व के शक्तिशाली और विकसित राष्ट्रों के बराबर होने की ओर बढ़ रहा है तो निसंदेह इसके पीछे सम्पन्न युवाओं की कर्मठता और बौद्धिक योग्यता है। कार्यक्रम में स्वयंसेवक अमन कुमार श्रीवास्तव, अभिषेक कुमार सिंह, राहुल यादव, सूरज गुप्ता, प्रकाश पाण्डेय, अभयराज वर्मा आदि ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने किया तथा आभार ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती किरन सिंह ने किया। इस अवसर पर स्वागत गीत, राष्ट्रीय सेवा योजना गीत तथा राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

भारत-भारती पखवारा : उद्घाटन कार्यक्रम

(स्वामी विवेकानन्द जयन्ती)

12 जनवरी 2020 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 12 जनवरी से 26 जनवरी तक चलने वाले भारत–भारती पखवारा का शुभारम्भ स्वामी विवेकानन्द की जयन्ती समारोह के साथ हुआ। स्वामी विवेकानन्द जी की जयन्ती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मजाए जाने का प्रमुख उद्देश्य उनका दर्शन, सिद्धान्त, अलौकिक विचार और उनके आदर्श है, जिनका उन्होंने स्वयं पालन किया और भारत के साथ–साथ अन्य देशों में भी उन्हें स्थापित किया। उनके ये विचार और आदर्श युवाओं में नयी शक्ति और ऊर्जा का संचार कर सकते हैं तथा उनके लिए प्रेरणा का एक महान स्त्रोत साबित हो सकते हैं। स्वयंसेवक स्वामी विवेकानन्द के विचारों को आत्मसात करते हुए राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रोहिताश्व श्रीवास्तव ने स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि ''धर्म भारत की आत्मा और वेदान्त भारत का जीवन दर्शन है। स्वामी विवेकानन्द जी ने इसी भारतीय धर्म दर्शन की ताकत को विश्व से परिचित करवाया। स्वामी जी भारतीय ज्ञान परम्परा की अटूट धरोहर हैं। वे भारत भूमि के अनुपम पुजारी थे। भारत की अनेक चुनौतियों का समाधान भी स्वामी विवेकानन्द के दर्शन से सहज ही प्राप्त हो सकता है। उन्होंने मानव सेवा के उद्देश्य से भारत सहित दुनिया का जिस प्रकार से मार्गदर्शन किया वह आज भी प्रासंगिक है। स्वामी विवेकानन्द पाश्चात्य जगत के सामने भारतीय धर्म दर्शन के व्यापक मूल्यों को प्रतिष्ठित कर संसार में मानवता का संदेश दिया। स्वामी विवेकानन्द के दर्शन में सामाजिक समरसता कूट–कूट कर भरी है। उन्होंने छूआ–छूत को राष्ट्रीय एकता और अखण्डता के लिए सबसे बड़ा खतरा माना और इसी कारण मानव के बीच प्रेम व सद्भाव को अपने चिंतन का केन्द्रीय विषय बनाया। आज के युवा पीढ़ी को स्वामी जी के आदर्शो पर चलते हुए अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करना

चाहिए तथा उसकी प्राप्ति हेतु प्राण–प्रण से लग जाना चाहिए। विद्यार्थी चाहे कला वर्ग का हो, विज्ञान वर्ग को हो या अन्य किसी वर्ग से सम्बन्धित हो सभी के लिए स्वामी जी का जीवन एक ऐसे प्रकाश पुंज की भांति है जो जीवन के हर पथ पर हमारा मार्ग दर्शन करने में समर्थ है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द के जीवन दर्शन में ही आज के भौतिकवादी परिवेश से त्रस्त मनुष्य समाधान प्राप्त कर सकता है। स्वामी विवेकानन्द का चिन्तन धर्म के साथ–साथ जीवन से जुड़े अन्य विषयों को समाहित किए हुए है, जिनमें शिक्षापरक विचार प्रमुख है। शिक्षा को व्यवहार परिवर्तन की प्रमुख कड़ी मानते हुए स्वामी जी ने जीवन निर्माण, मानव निर्माण एवं चरित्र निर्माण को शिक्षा का प्रमुख लक्ष्य स्वीकार किया है। उन्होंने शिक्षा को सिर्फ जानकारी हासिल करने का साधन न मानते हुए व्यक्ति के विकास को शिक्षा का मूल उद्देश्य माना है जो व्यक्ति के साथ–साथ जन कल्याण का मार्ग प्रशस्त करती है। प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने आगे कहा कि आने वाले पन्द्रह दिनों तक उत्साहपूर्वक मानये जाने वाले इस भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत अनेक सांस्कृतिक एवं बौद्धिक कार्यक्रम सम्पन्न होगें।

कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह तथा आभार ज्ञापन सांस्कृतिक विभाग प्रभारी सुश्री दीप्ति गुप्ता ने किया। इस अवसर पर डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, महेन्द्र प्रताप सिंह, श्री कृष्ण कुमार, श्री नन्दन शर्मा, श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी, श्री सुबोध कुमार मिश्र, श्रीमती पुष्पा निषाद, सहित शिक्षक, स्वयंसेवकं उपस्थित रहें।

एक दिवसीय कार्यशाला

13 जनवरी, 2020 को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना तथा वाणिज्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में परीक्षा में उत्तर कैसे लिखे? विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि इस्लामियां कालेज ऑफ कामर्स, गोरखपुर के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री परमात्मा यादव ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया तथा तकनीकी बारीकियों से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राहुल कुमार मिश्र तथा आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी स्वयंसेवक उपस्थित थे।

भारत भारती पखवारा
कार्यशाला वाणिज्य विभाग

भारत भारती पखवारा
कार्यशाला वाणिज्य विभाग

पौधा रोपण कार्यक्रम

14 जनवरी, 2020 को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना एवं प्राणि विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पौधा रोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राणि विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार सिंह थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. दिनेश कुमार सिंह, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राणि विज्ञान के अध्यक्ष डॉ. आर. एन. सिंह, प्राणि विज्ञान के प्राध्यापक श्री विनय कुमार सिंह, डॉ. शिव कुमार सिंह, डॉ. नवनीत कुमार तथा स्वयंसेवकों द्वारा तेजपत्ता, रूद्राक्ष, मौलश्री, चन्दन आदि के पौधे महाविद्यालय परिसर में लगाये गये।

जनजागरूकता रैली

15 जनवरी 2020 को भारत भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में डेंगू, मलेरिया, इंसेफलाइटिस उन्मूलन अभियान के अन्तर्गत हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के स्वयंसेवकों ने अभिगृहित गांव हसनगंज में रैली निकाली एवं परिचर्चा के माध्यम से डेंगू, मलेरिया, इन्सेफलाइटिस से बचाव हेतु गांव वालों को जागरूक किया। स्वयंसेवको ने ग्रामवासियों को बताया कि विशेष रूप से स्वच्छता, साफ–सफाई एवं जन जागरूता से इन महामारियों से बचा जा सकता है।

पोस्टर प्रतियोगिता

16 जनवरी 2020 को भारत भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना एवं वनस्पति विज्ञान के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण संकट एवं संरक्षण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सरिता पटेल, द्वितीय स्थान रितेश सिंह, तथा तृतीय स्थान शिक्षा शर्मा ने प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल में डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव एवं सुश्री आम्रपाली वर्मा रहे। इस अवसर पर प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए वनस्पति विज्ञान के प्रभारी डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण से ही मानव जीवन सुरक्षित एवं संरक्षित होगा। पर्यावरण ईश्वर की अनुपम कृति है। प्रकृति केवल जीवन दायिनी ही नहीं बल्कि प्रेरक और शिक्षाप्रद भी हैं। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने अपने उद्‌बोधन के माध्यम से प्रतियोगियों में पर्यावरण के प्रति चेतना जगाने के लिए जागरूक किया तथा अन्त में सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

वॉलीबाल प्रतियोगिता

17 जनवरी 2020 को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में गुरुगोरक्षनाथ स्मृति वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 06 टीमों ने प्रतिभाग किया। बालक वर्ग में प्रतियोगिता का फाइनल मैच योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम की टीम और छात्रसंघ की टीम के बीच खेला गया। जिसमें योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम की टीम ने छात्रसंघ की टीम को 20–17, 22–19, 25–18 से हराकर विजय श्री का खिताब अपने नाम किया।

महादेव गोविन्द रानाडे जयन्ती समारोह

18 जनवरी 2020 को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में महादेव गोविन्द रानाडे जयन्ती के अवसर पर हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई द्वारा भारतीय सामाजिक सुधार आन्दोलन एवं महादेव गोविन्द रानाडे विषय पर एक विचार गोष्ठी कार्यक्रम आयोजित हुआ। महादेव रानाडे की भारतीय समाज सुधार आन्दोलन में महत्वपूर्ण भूमिका तथा उनके विचार एवं आर्दश युवाओं को राष्ट्र एवं समाज सेवा के लिए सदा प्रेरित करते रहेंगे, इन्हीं उद्देश्यों के साथ यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्राणि विज्ञान विभाग के प्रवक्ता श्री विनय कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि ''न्याय मूर्ति महादेव रानाडे का जीवन दर्शन आज भी सम्पूर्ण मानवजाति के लिए बेहद प्रासंगिक है। महाराष्ट्र के सुकरात के नाम से सुप्रसिद्ध रानाडे प्रसिद्ध राष्ट्रवादी, समाज सुधारक व एक विद्धान न्यायधीश थे। उनका सम्पूर्ण जीवन समाज में व्याप्त अंधविश्वासों, कुरीतियों, रूढ़िवादी विचारों को दूर करने में बीता। देश के समाज सुधारक संगठनों जैसे प्रार्थना समाज, आर्य समाज और ब्रह्म समाज ने रानाडे को व्यक्तिगत रूप से बहुत प्रभावित किया। अपने जीवन काल में इन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों को सुशोभित किया जिनमें प्रमुख थें बाम्बे विधान परिषद का सदस्य, केन्द्र सरकार के वित्त समिति के सदस्य और बाम्बे उच्च न्यायालय के न्यायधीश। जस्टिस गोविन्द रानाडे ऐजुकेशन सोसाइटी के संस्थापकों में से एक थे। कानून की अच्छी समझ रखने वाले रानाडे स्वदेशी सिद्धान्त के बहुत बड़े समर्थक थे और उनका स्पष्ट मानना था कि स्वदेशी सिद्धान्त से ही देश मजबूत होता है। अतः प्रत्येक भारतीय में स्वदेशी की भावना कूट–कूट कर भरी होनी चाहिए। स्त्री शिक्षा के प्रचार प्रसार में महादेव गोविन्द रानाडे का विशेष योगदान रहा। सदैव नारी उत्थान की बात करने वाले रानाडे बाल–विवाह के कट्टर विरोधी एवं विधवा–विवाह के बहुत बड़े समर्थक थे। उन्होंने 'विधवा पुर्नविवाह', 'मालगुजारी कानून',

राजाराम मोहनराम की जीवनी, मराठो का उत्कर्ष, धार्मिक एवं सामाजिक सुधार आदि रचनाएं लिखी। राष्ट्रवाद के सन्दर्भ में उनके महान विचार थे। उनका कहना था कि प्रत्येक भारतवासी को यह समझना चाहिए कि पहले वे भारतवासी है और बाद में हिन्दु, मुस्लिम, पारसी, ईसाई। राष्ट्रवादी सिद्धान्त के सन्दर्भ में ऐसे महान सोच रखने वाले देश भक्त के जीवन से आज की युवा पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने अपने उद्बबोधन में कहा कि ''महादेव गोविन्द रानाडे को अपने सामाजिक सुधार कार्यों को पूरा करने में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा इसके बावजूद उनका सम्पूर्ण जीवन समाज में व्याप्त कुरीतियों एवं अन्धविश्वासों को दूर करने में बीता। इस अवसर पर स्वयंसेवक राहुल यादव, राकेश कुमार, मुकेश कुमार, रितेश सिंह, आलोक कुमार, ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर डॉ. विजय चौधरी, डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह, श्री बृजभूषण लाल सहित शिक्षक विद्यार्थी एवं सभी स्वयंसेवक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने किया तथा आभार ज्ञापन श्रीमती किरन सिंह ने किया।

महाराणा प्रताप पुण्यतिथि समारोह

19 जनवरी, 2020 को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप के पुण्यतिथि के अवसर पर एक विचार गोष्ठी कार्यक्रम सम्पन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के माननीय सदस्य श्री प्रमथनाथ मिश्र ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि महाराणा प्रताप अद्‌भुत शौर्य, अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प के अद्वितिय प्रतीक हैं। वे एक ऐसे महान योद्धा व शासक थे, जिन्होंने राष्ट्र एवं धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी पर अधर्म के आगे झुके नहीं। उनका जीवन शौर्य, सम्प्रभुता, स्वतंत्रता व जातीय स्वाभिमान का प्रतिमान हैं जिससे युवाओं को सदा राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा मिलती रहेगी। जब भी राष्ट्र पर संकट होगा, स्वधर्म एवं देश का स्वाभिमान खतरे में होगा उस समय महाराणा प्रताप का त्याग एवं बलिदान अमर ज्योति का कार्य करते हुए हम सभी का मार्ग प्रशस्त करेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि स्वदेश, स्वधर्म, स्वतंत्रता एवं स्वाभिमान के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले राष्ट्रनायक परमवीर महाराणा प्रताप जी का उज्ज्वल एवं प्रदीप्त चरित्र हम सभी के लिए आदर्श है। देश के आन बान एंव शान के लिए उन्होंने जो उदाहरण हम सभी के लिए प्रस्तुत किया, वह हम सभी के लिए अनुकरणीय है। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती किरन सिंह ने आभार ज्ञापन किया। इस अवसर पर प्राचार्य के साथ सभी शिक्षकों की बैठक भी सम्पन्न हुई जिसमें शिक्षकों ने भी अपने विचारों के माध्यम से महाराणा प्रताप को श्रद्धांजलि अर्पित की।

2020

प्राचार्य - शिक्षक बैठक
2020

पुण्य तिथि समारो
19 जनवरी 2020

शिक्षक बैठक

हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप
पुण्य तिथि समारोह
19 जनवरी 2020

निबंध प्रतियोगिता

20 जनवरी 2020 को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई द्वारा 'स्वच्छ भारत स्वस्थ्य भारत' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि 'महात्मा गांधी ने स्वच्छ भारत का सपना देखा था। वे चाहते थे कि भारत के सभी नागरिक एक साथ मिलकर देश को स्वच्छ बनाने के लिए कार्य करें। महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के स्वप्न को पूरा करने के लिए, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 02 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत अभियान शुरू किया और इसके सफल कार्यान्वयन हेतु भारत के सभी नागरिकों से इस अभियान से जुडने एवं सफल बनाने की अपील की। स्वच्छ भारत अभियान का उद्देश्य केवल आस–पास की सफाई करनी ही नहीं है, अपितु नागरिकों की सहभागिता से अधिक से अधिक पेड़ लगाना, कचरा मुक्त वातावरण बनाना, शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराकर एक स्वच्छ भारत का निर्माण करना भी है। प्रतियोगिता प्रभारी राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामना देते हुए कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापन किया। प्रतियोगिता में कुल 38 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें प्रथम स्थान राहुल यादव (बी.ए. प्रथम वर्ष) द्वितीय स्थान राकेश कुमार (बी.ए. प्रथम वर्ष), तृतीय स्थान पर सुधीर सिंह (बी.ए. प्रथम वर्ष) ने प्राप्त किया।

सभी प्रतिभागियों को राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह एवं कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती किरन सिंह ने शुभकामना दी।

रंगोली प्रतियोगिता

21 जनवरी 2020 को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान मे हिन्दूआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई द्वारा रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। घर की आँगन को रंगोली से सजाने की हमारी प्राचीन परम्परा को प्रोत्साहन देनें, कला से युवा पीढ़ी का जुड़ाव बढ़ाने एवं विद्यार्थियों में निहित प्रतिभा को सबके समक्ष प्रस्तुत करने के उद्देश्य से यह प्रतियोगिता सम्पन्न हुई।

प्रतियोगिता की मुख्य अतिथि सांस्कृतिक विभाग की प्रभारी सुश्री दीप्ति गुप्ता ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्राचीन काल से ही हिन्दू धर्म में आँगन या द्वार पर रंगोली बनाना बेहद शुभ माना जाता है। घर की सुख–समृद्धि के लिए रंगोली बनाना भारत की प्राचीन परम्परा रही है। उन्होंने कहा कि रंगोली बनाने का बड़ा फायदा यह है कि आप इसे बनाते समय बेहद सकारात्मक महसूस करते है और यह मस्तिष्क को ऊर्जावान और सक्रिय बनाने के साथ–साथ बौद्धिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। प्रतियोगिता प्रभारी राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामना देते हुए कार्यक्रम का संचालन किया। प्रतियोगिता में कुल 30 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया जिसमें प्रथम स्थान दीपक विश्वकर्मा बी.ए. भाग एक (बी.एस.सी भाग एक) द्वितीय स्थान, रितेश सिंह बी.काम.भाग दो तृतीय स्थान राहुल यादव (बी.ए. भाग एक) ने प्राप्त किया।

निर्णायक मण्डल में सुश्री दीप्ति गुप्ता, श्रीमती विभा सिंह, श्री बृजभूषण लाल साम्मिलित रहें। सभी प्रतिभागियों को राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती किरन सिंह ने शुभकामना देते हुए आभार ज्ञापित किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

21 जनवरी 2020 को भारत भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में महान क्रान्तिकारी ठाकुर रोशन सिंह की जयन्ती के अवसर पर हिन्दूआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई द्वारा "एक भारत श्रेष्ठ भारत" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना का सबसे बड़ा उद्‌देश्य राष्ट्रीय एकता की भावना को जनमानस में प्रबल करना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 31 अक्टूबर, 2015 को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर इस योजना का शुभारंभ किया था। जिसका उद्‌देश्य देश के सभी राज्यों को एकता के बन्धन में बाँधना व सभी राज्यों को उनकी संस्कृति, भाषा एवं इतिहास के साथ जोड़ना है। यह योजना देश को एक सूत्र में बाँधकर देश के विकास में सहायक सिद्ध होगी। इस योजना में देश का प्रत्येक एक राज्य किसी दूसरे राज्य का चुनाव करेगा और उस राज्य की भाषा, संस्कृति, कला, विज्ञान आदि को अपनाएगा और दोनों राज्य इस तरह से एकता के बन्धन में बँध जाएंगे। इस तरह से देश के हर एक राज्य दूसरे की संस्कृति, इतिहास, भाषा, कला विज्ञान आदि को अपनाएंगे और आपस में संगठित रहेगें जिससे देश तेजी से विकास करेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रताप

सिंह ने अपने उद्बबोधन में कहा कि ''हमारे देश में विविध धर्म, जाति, भाषा, संस्कृति और परम्परा के लोग एकता के साथ रहते हैं। इस योजना के द्वारा लोगों को कई भाषाओं, संस्कृतियों की जानने व आत्मसात करने का अवसर मिलेगा।

कार्यक्रम में स्वयंसेवक सूरज गुप्त अमन श्रीवास्तव, अभय प्रताप सिंह, राहुल यादव, राकेश कुमार आदि ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने किया। आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती किरन सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक विद्यार्थी एवं सभी स्वयं सेवक उपस्थित थे।

पोस्टर प्रतियोगिता

22 जनवरी को भारत भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'गंगा निर्मलता एवं जल सरंक्षण' कार्यक्रम के अन्तर्गत हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता का अयोजन किया गया। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने स्वनिर्मित पोस्टर से जल संरक्षण एवं पर्यावरण संकट को प्रदर्शित किया। प्रतियोगिता में कुल 24 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया जिसमें प्रथम स्थान जसवन्त चौहान (बी.ए. भाग एक) द्वितीय स्थान दीपक विश्वकर्मा (बी. ए. भाग एक) तृतीय स्थान कमलेश साहनी (बी.ए. भाग एक) एवं सांत्वना सुधीर चन्द्रकला सिंह (बी.ए. भाग एक) ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल के रूप में डॉ. नीलम गुप्ता, श्री विरेन्द्र तिवारी, डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता श्री हरविन्द श्रीवास्तव उपस्थित रहे। प्रतियोगिता प्रभारी राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार ने सभी प्रतिभागियों को शुभ कामना देते हुए कार्यक्रम संचालन एंव आभार ज्ञापित किया।

नेता जी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती समारोह

23 जनवरी 2020 को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित हुआ। भारत माता की सेवा में अपना जीवन समर्पित करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चन्द्र बोस के जीवन एवं आदर्श युवाओं को देश भक्ति एवं राष्ट्रनिर्माण में उनकी भागीदारी बनाने के लिए प्रेरित करते रहेंगे। इन्हीं उद्देश्यों के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि गृह विज्ञान विभाग की प्रवक्ता सुश्री सुनिधि गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि नेता जी सुभाष चन्द्र बोस भारत के महान स्वतन्त्रता सेनानी और प्रखर देश भक्त थे। वे भारत माता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन के क्षितिज पर चमकते सितारे की भांति हैं। उन्होंने अपने सुख–सुविधा सम्पन्न जीवन को त्याग कर अंग्रेजों के विरूद्ध जो चुनौती प्रस्तुत की वह आज भी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरो में अंकित है। नेता जी सुभाष चन्द्र बोस वास्तव में राष्ट्र नायक थे। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि देश की युवा पीढ़ी चुनौतियों का सामना करने का सामर्थ्य महापुरूषों से प्राप्त करे नेता जी सुभाष चन्द्र बोस हमेशा से ही युवाओं के प्रेरणा स्रोत रहे हैं जिन्होंने भारत मां के वैभव हेतु अपना जीवन समर्पित कर दिया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने किया तथा आभार ज्ञापन श्रीमती किरन सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. आर.एन. सिंह, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, श्री सुबोध कुमार मिश्र, श्रीमती पुष्पा निषाद, सुश्री दीप्ति गुप्ता सहित शिक्षक विद्यार्थी, स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहें।

निबन्ध प्रतियोगिता

23 जनवरी 2020 को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में हिन्दूआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई द्वारा संयुक्त रूप से गंगा निर्मलता एवं जल संरक्षण विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता की मुख्य अतिथि बी.एड्. विभाग की प्रवक्ता श्रीमती साधना सिंह ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि गंगा मात्र जल धारा नही, वरन भारत वर्ष की जीवन धारा है। गंगा भारतीय संस्कृति, सभ्यता, दर्शन और आध्यात्म का पवित्र प्रवाह है जिसकी कुछ बूंदे मोक्ष की वाहक बनती हैं। आज हमने गंगा को अपने स्वार्थ और अन्ध विकास की खातिर मरणासन्न स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया है। अधिकांश जगहों पर गंगा के जल को पीने और नहाने योग्य भी नही छोड़ा है। सभ्यता की जननी से यह असभ्य व्यवहार अब असहनीय हो गया है। राष्ट्रीय स्तर पर निर्मल गंगा जन अभियान शुभारम्भ किया जा चुका है। गंगा को स्वच्छ बनाने के लिए व्यापक रूप से जन जागरण किया जा रहा है। प्रतियोगिता प्रभारी राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 सौरभ कुमार सिंह ने संचालन एवं श्रीमती किरन सिंह ने आभार ज्ञापित किया। प्रतियोगिता में कुल 25 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें प्रथम स्थान कनिष्क कुमार (बी.एस–सी. प्रथम वर्ष) द्वितीय स्थान आलोक कुमार (बी.ए. द्वितीय वर्ष) तृतीय स्थान पर अनुराग यादव (बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष) ने प्राप्त किया।

निर्णायक मण्डल के रूप में श्रीमती साधना सिंह, श्रीमती विभा सिंह, श्री रमाकान्त दूबे उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों को राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह एवं कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती किरन सिंह ने शुभकामना दी।

विशिष्ट व्याख्यान एवं शपथ कार्यक्रम

25 जनवरी 2019 को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में हिन्दूआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई द्वारा 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' पर विशिष्ट व्याख्यान एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजनीतिशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कृष्ण कुमार ने अपने उद्‌बोधन ने कहा कि मतदान लोकतांत्रिक प्रक्रिया का आधार स्तम्भ है। जागरूक मतदाता राजनैतिक व्यवस्था की रीढ़ होते है। व्यापक जनसहभागिता ही मजबूत और सशक्त लोकतंत्र का मार्ग तैयार करती है। मतदान लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनसहभागिता की अभिव्यक्ति का सबसे बड़ा माध्यम होता है। चुनाव के द्वारा ही शासन–प्रशासन में जनता अपनी इच्छा और सहमति अभिव्यक्त करती है। इस दृष्टि से लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था में मतदाता और मतदान का अत्यधिक महत्व है। मतदान लोकतंत्र की आत्मा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस राष्ट्र के प्रति कर्त्तव्य की याद दिलाने का दिन होता है। यह दिवस भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए विशेष महत्व रखता है। इस दिन भारत के प्रत्येक नागरिक को अपने राष्ट्र में होने वाले प्रत्येक चुनाव में भागीदारी की शपथ लेनी चाहिए, क्योंकि भारत के प्रत्येक मतदाता का वोट देश के भविष्य की नींव रखता है। इसलिए प्रत्येक मतदाता का वोट उसे राष्ट्र के निर्माण में भागीदार बनाता है। इसलिए भारत के प्रत्येक मतदाता को अपने मत का प्रयोग सोच समझ कर करना चाहिए। एक ऐसी सरकार और प्रतिनिधि चुनना चाहिए जो देश को विकास और तरक्की के मार्ग पर ले जा

सके। कार्यक्रम में स्वयंसेवक सूरज गुप्ता, सुधीर सिंह, सत्यप्रकाश तिवारी, सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा, प्रकाश पाण्डेय ने भी अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को मतदाता दिवस पर शपथ दिलाई गई कि "हम भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते है कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाएं रखेगें तथा स्वतन्त्र, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण रखते हुए निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेगें। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने किया तथा आभार ज्ञापन श्रीमती किरन सिंह ने किया। इस अवसर पर सभी शिक्षक विद्यार्थी एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहें।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

25 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में गंगा निर्मलता एवं जल संरक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत हिन्दूआ सूर्य महाराणा प्रताप ईकाई द्वारा 'गंगा निर्मलता एंव जल संरक्षण' विषय पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता की मुख्य अतिथि बी.एड. विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती विभा सिंह ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि गंगा हमारी जीवनदायिनी एवं मोक्षदायिनी पुण्य सलिला है। पौराणिक ग्रन्थों ने वर्णित है कि राजा भगीरथ नें कई वर्षों की तपस्या के पश्चात अपने पितरों को मोक्ष दिलाने के लिए गंगा का पृथ्वी पर अवतरण कराया। गंगा जन–जन में देवत्व, घर–घर में संस्कृति, तट–तट पर पवित्रता और समृद्धि बिखेरती, सागर को गौरव प्रदान करती है। आज हमने जितना विकास किया है उतने ही हम प्राकृतिक संसाधनों के प्रति लापरवाह हो गये है। हम सब का दायित्व बनता है कि अपने प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रखें ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी उन संसाधनों का प्रयोग कर सके।

प्रतियोगिता प्रभारी राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामना देते हुए कार्यक्रम का संचालन एंव आभार ज्ञापन किया। प्रतियोगिता में कुल 25 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें प्रथम स्थान पर संयुक्त रूप से संतोष कुमार यादव (बी.ए. प्रथम वर्ष) एवं अभिषेक कुमार सिंह (बी.ए. प्रथम वर्ष) द्वितीय स्थान पर राहुल यादव (बी.ए. प्रथम वर्ष) तथा तृतीय स्थान पर सुनील कुमार सिंह (बी.एस–सी. तृतीय वर्ष) रहे। निर्णायक मण्डल में श्रीमती विभा सिंह, श्रीमती साधना सिंह, श्री बृजभूषण लाल उपस्थित रहें। सभी प्रतिभागियोंय को राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह एवं श्रीमती किरन सिंह ने शुभकामना दी।

भारत-भारती पखवारा : समापन समारोह/ गणतन्त्र दिवस समारोह

महाविद्यालय में 26 जनवरी 2020 को उत्साहपूर्वक 71वें गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना एवं सांस्कृतिक विभाग के साथ समारोह में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कर्नल (सेवानिवृत) बी.पी. शाही ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय पर्व उन शहीद देश भक्तों को स्मरण कराने का दिन होता है जिन्होंने राष्ट्र की स्वतंत्रता, गौरव और इसकी प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए अपने प्राणो की आहुति दे दी। हर देश भक्त को नाम, नमक और निशान की कीमत समझनी चाहिए। इस देश की आजादी के लिए समाज के एक नहीं अपितु सभी वर्गों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। हम शहीदों के बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने देंगे, देश की रक्षा, गौरव और उत्थान के लिए सदा समर्पित रहेगें। छात्र अपने व्यक्तित्व में अनुशासन रूपी भाग्य की कुंजी से अपने बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त कर सकते है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री गोरक्षनाथ मंदिर द्वारा प्रकाशित योगवाणी पत्रिका के सम्पादक एवं महाराणा प्रताप इण्टर कालेज सिविल लाइन के हिन्दी विषय के प्रवक्ता डॉ. फूलचन्द गुप्ता ने अपने उद्बबोधन में कहा कि हमें अपने देश की मिट्टी के लिए अपना

सबकुछ कुर्बान करने की भावना रखनी चाहिए। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में देश और समाज में अधिकारों की लड़ाई जोर पकड़ती जा रही है परन्तु कहीं न कहीं हम संविधान द्वारा बताये गये अपने कर्त्तव्यों को भूलते जा रहें है। अतः हमें इस ओर भी चिन्तन की आवश्यकता है। उन्होंने स्वयंसेवको द्वारा प्रस्तुत नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी भूरी–भूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए छात्रसंघ प्रभारी श्री नन्दन शर्मा ने कहा कि गणतंत्र दिवस की प्रासंगिकता हम सभी के लिए अति महत्वपूर्ण है। महाविद्यालय में संचालित छात्रसंघ द्वारा विभिन्न विद्यार्थी ऐसे आयोजनों के माध्यम से भारतीय संविधान की मूल भावना को समझने तथ लोकतंत्र में अपनी भूमिका निर्धारित कर राष्ट्रनिर्माण में अपने योगदान देने की कला सीख सकते है।

कार्यक्रम की अध्यक्षा करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि आज का यह गणतंत्र दिवस समारोह हम सभी के लिए केवल उत्सव मनाने का समारोह नही है, अपितु आज का यह पवित्र दिवस संकल्प सिद्धी का दिन है। हमारे राष्ट्र के निर्माताओं, महापुरूषों व सृजकों के बलिदान को याद करने का दिन है तथा उनके द्वारा बताये गये रास्ते पर चलकर उनके इन सभी त्याग और बलिदान के ऐवज में उन्हें श्रद्धांजलि इस बात के मूल्यांकन का अवसर है। इसी उद्देश्यों के साथ उन्होंने वर्तमान सत्र में महाविद्यालय के कार्यपद्धति की समीक्ष करते हुए उसकी उपलबधियों और चुनौतियों से सभी को अवगत कराया। इस अवसर पर भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत सम्पन्न विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किया गया।

समारोह में महाविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के समस्त स्वयंसेवक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गोरखनाथ मंदिर में सेवा कार्य

28 जनवरी 2020 को श्री गोरक्षनाथ मंदिर में खिचड़ी मेला में सुदूर गांव से आये हुए श्रद्धालुओं को निर्वाध रूप से भगवान श्री गोरक्षनाथ जी का दर्शन और खिचड़ी चढ़वाने में स्वयंसेवक ने सहयोग किया। ठण्ड के बावजूद प्रातः 07:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक खिचड़ी मेला में स्वयं सेवक श्रद्धालुओं की सेवा में लगे रहें।

तृतीय एक दिवसीय शिविर

31 जनवरी 2020 को राष्ट्रीय सेवा योजना की हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई द्वारा अभिगृहित गांव हसनगंज में तृतीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित हुआ। स्वयंसेवक द्वारा महाविद्यालय से अभिगृहित गांव तक सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने हेतु जनजागरण रैली निकाल गई। रैली में स्वयंसेवकों ने तख्ती, बैनर, पोस्टर एवं नारों के माध्यम से गांव वालों को सिंगल यूज प्लास्टिक पर्यावरण को हो रहे नुकसान के प्रति जागरूक किया। स्वयंसेवको की 10–10 सदस्यों वाली 20 टोलियों ने घर–घर जाकर गांव वालों को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने के लिए जागरूक एवं प्रेरित किया। स्वंयसेवकों ने गांव वालों को बताया कि प्लास्टिक से उत्पन्न कचरे का निस्तारण काफी कठिन होता है। आज प्लास्टिक कचरा विश्वव्यापी चिन्ता का विषय बन गया। प्लास्टिक एक नान बायों–डिग्रेडबल पदार्थ है। यह पानी या मिट्टी में विघटित नहीं होता और इसे जलाने पर इसका प्रभाव और भी हानिकारक हो जाता है। यह वातावरण से सैकड़ों साल तक उपस्थित रह सकता रहता है, जिससे यह वायु, जल और मृदा प्रदुषण उत्पन्न करता है। इसके साथ ही यह मनुष्य, जीव–जन्तु, पेड़–पौधे के लिए भी बहुत हानिकारक है। प्लास्टिक प्रदूषण के चलते कई पेड़–पौधे, जीव–जन्तुओं एवं समुद्री जीवों का अस्तित्व संकट ग्रस्त हो गया है। स्वयंसेवकों ने सिंगल यूज प्लास्टिक कचरे से छुटकारा प्राप्त करने के उपायों बताते हुए कहा कि सबसे अच्छा है हम संकल्प ले कि प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे। बाजार से समान खरीदते समय प्लास्टिक थैले की जगह, कपड़े, जूट एवं पेपर के बनें बैग का इस्तेमाल करेंगे। शादी, विवाह, पार्टियों, उत्सव के अवसर पर प्लास्टिक बर्तन के जगह पर स्टील, कागज एवं अन्य समानों का उपयोग करें, जिसे आसानी से पुनरूपयोग और निस्तारण किया जा सकें।

रैली एवं जनजागरूकता अभियान के उपरान्त प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान विषय पर एक परिचर्चा कार्यक्रम में डॉ. सौरभ कुमार सिंह द्वारा स्वयंसेवको को प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान की विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई तथा इस अभियान को स्वयंसेवकों द्वारा अधिकाधिक जनसमुदाय तक सम्प्रेषित करने का आहवाहन किया गया।

चतुर्थ एक दिवसीय शिविर

21 फरवरी 2020 को राष्ट्रीय सेवा योजना का चतुर्थ एक दिवसीय अभिगृहीत ग्राम हसनगंज में सम्पन्न हुआ। इस शिविर में हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के सभी स्वयंसेवक ने अभिगृहित गांव में स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं साक्षरता के लिए जन जागरण अभियान चलाया। महाविद्यालय से स्वयंसेवक रैली के रूप में जन–जागरण करते हुए अभिगृहित ग्राम तक पहुचें। 10–10 सदस्यों वाली 10 टोलियों ने घर–घर जाकर गांव वालों को डेगूं, मलेरिया, चिकनगुनिया, इंसेफेलाइटिस से बचाव के उपाय की जानकारी दी। स्वयंसेवकों ने गांव में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया जिसके भठठा चौराहे से हसनगंज गांव की सड़कें, नालियां, गलियां, खड़ंजा आदि की साफ–सफाई की तथा गांव वालो को स्वच्छता का महत्व बताते हुए इन्हें स्वच्छ रहने के लिए प्रेरित एवं जागरूक किया रैली एवं जनजागरण अभियान के उपरान्त मातृ भाषा दिवस पर एक परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्राचीन इतिहास पुरातत्व एंव संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार मिश्र ने अपने उद्बबोधन में कहा कि जन्म लेने के बाद मानव जो प्रथम भाषा सीखता है उसे उसकी मातृभाषा कहते है। मातृभाषा किसी भी व्यक्ति की सामाजिक एवं भाषाई पहचान होती है। मातृभाषा मनुष्य के संस्कारों की संवाहक है। मातृभाषा के बिना किसी भी देश की संस्कृति की कल्पना बेमानी हे। मातृभाषा हमें राष्ट्रीयता से जोड़ती है और राष्ट्र प्रेम की भावना उत्प्रेरित करती है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने कहा कि मातृभाषा दिवस मनाने का उद्देश्य विश्व में भाषाई एवं सांस्कृतिक विविधता और बहुभाषिता को बढ़ावा देना है। मातृभाषा जीवन की पहली सीढ़ी होती है। और इसके माध्यम से जो ज्ञान सीखा जाता है। वह विद्यार्थी सहजता से ह्रदयंगम कर सकता है। वही उसका अपनी भाषा द्वारा मानसिक विकास भी सम्भव हो पाता है। साथ ही सीखी हुई बातों को लम्बे समय तक

उसके स्मृति में भी बनी रहती है। मातृभाषा द्वारा अन्य संस्कृतियों को समझने में एवं उनके साथ समन्वय स्थापित करने में भी सहायता मिलती है। कार्यक्रम में स्वयंसेवक एवं सेविकाओं ने भी अपने विचार रखें। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा ने किया तथा आभार ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती किरन सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहीं।

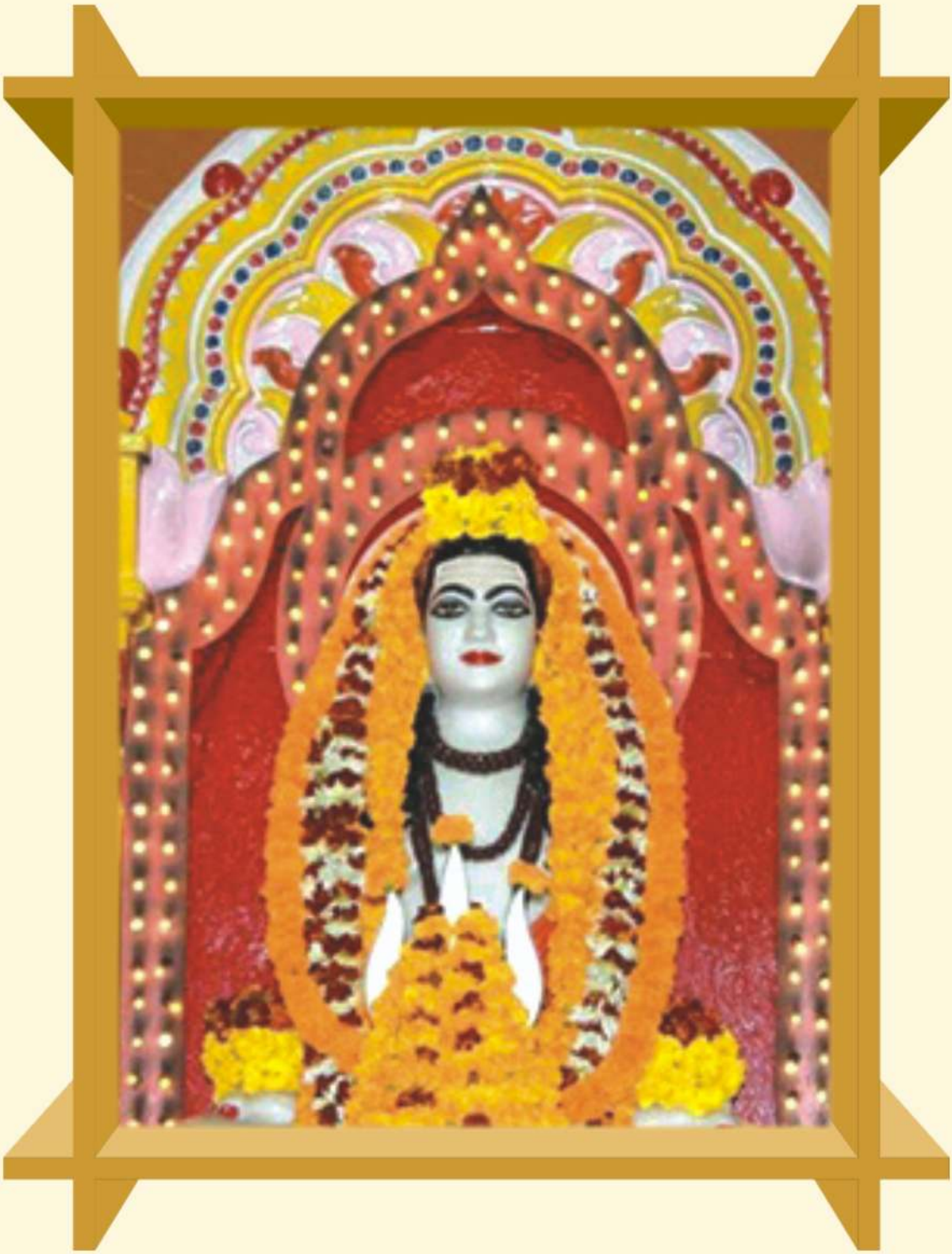

गुरू श्रीगोरक्षनाथ इकाई

पौधरोपण एवं जल संरक्षण कार्यक्रम

(डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम स्मृति दिवस)

27 जुलाई को भारत रत्न, मिसाइल मैन तथा जनता के राष्ट्रपति आदि कई नामों से विख्यात भारत के ग्यारहवें राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम स्मृति दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में जल संरक्षण एवं पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन स्वयं सेविकाओं को पौधरोपण एवं जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर महाविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने अपने उद्बोधन में डॉ. कलाम के जीवन एवं कृत्रियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कलाम साहब भारत के महान वैज्ञानिक के साथ इंजीनियर भी थे। साथ ही उन्होंने डी.आर.डी.ओ में व्यवस्थापक के रूप में भी कार्य किया। उन्होनें रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डी.आर.डी.ओ.) तथा भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ई.एस.आर.ओ के प्रमुख्य पदों पर कार्य किया।

उनका सदैव से यह मानना था कि भारत के अखण्डता को बनाये रखने को प्रतिबद्ध युवा ही युवा भारत का भविष्य है। इसलिए वे समय–समय पर विश्वविद्यालयों महाविद्यालयों में छात्रों के बीच जाते रहे और उन्हे हमेशा प्रेरित करते रहे। डॉ. कलाम युवाओं के सदैव रोल मॉडल रहेंगें। गौरवशाली एवं बहुमुखी प्रतिभा से सम्पन्न डॉ. कलाम 2015 में भूलोक छोड़ गये। इस अवसर पर पौधरोपण एवं जल संरक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया जिसमें सभी स्वयं सेविकाओं ने बढ़–चढ़ कर प्रतिभा किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक श्रीमती विभा सिंह, श्रीमती कविता मन्ध्यान, डॉ. आरती सिंह, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव, डॉ. अजय प्रताप निषाद, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह आदि सहभाग किये। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी किरन सिंह ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना
पौधरोपण कार्यक्रम
27 जुलाई

पौधरोपण कार्यक्रम
27 जुलाई 2019

विश्व स्तनपान जागरूकता सप्ताह

(01 से 07 अगस्त सप्तदिवसीय कार्यशाला)

01–07 अगस्त तक विश्व स्तनपान जागरूकता सप्ताह के अवसर पर सप्तदिवसीय कार्यशाला का अयोजन गृह विज्ञान विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिन मुख्य अतिथि के रूप में बी.आर.डी. मेडिकल कालेज के मेडिसिन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजकिशोर सिंह ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि मां का दूध शिशु के लिए अमृत समान है क्योंकि मां के दूध में शिशु के पाचन तंत्र एवं उसके विकास के दृष्टि से पोषक तत्व सही अनुपात में होता हैं। छः माह तक शिशु को केवल मां के दूध पर ही रखना चाहिए। मां का पहला पीला–गाढ़ा दूध पोषक तत्वों के साथ प्रतिरक्षि भी है जिसमें शिशुओं में संक्रामक बिमारियां जैसे– डायरिया, कब्ज, निमोनिया, दूध पलटना आदि से सुरक्षा मिलती है साथ ही साथ बालक का मानसिक विकास भी ठीक होता है। यह व्याख्यान दो तरफा रहा। स्वयंसेविकाएं बीच–बीच में प्रश्न करती रहीं। इस अवसर पर स्वयंसेविका, दीक्षा मिश्रा, कीर्तिरानी वर्मा, खुशबू सिंह, सारिका पटेल, चन्द्रप्रभा आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की समस्त स्वयं सेविकाएं, गृह विज्ञान विभाग की प्रवक्ता, डॉ. पल्लवी नायक सहित महाविद्यालय की अन्य महिला शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी किरन सिंह ने किया।

कार्यशाला के दूसरे दिन विश्व स्तनपान जागरूकता सप्ताह के अन्तर्गत पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजन का उद्‌देश्य स्वयं सेविकाओं में चित्र कला को विकसित करना था। इस पोस्टर प्रतियोगिता में कुल 30 स्वयं सेविकाओं ने प्रतिभाग किया। प्रथम स्थान श्वेता प्रजापति, द्वितीय स्थान शिप्रा रानी तथा तृतीय स्थान चन्द्रकला ने प्राप्त किया। इस अवसर पर स्वयंसेविकाओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के तीसरे दिन स्तनपान के महत्व विषय पर स्वयं सेविकाओं के बीच सामूहिक चर्चा का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सुजता चौहान, श्वेता मिश्रा, शालू कुमारी, कु. पुनीता ने अपने विचार रखे तथा स्तनपान से होने वाले लाभों का बताया। कार्यक्रम के चौथे दिन विश्व स्तनपान जागरूकता के अवसर पर स्वयंसेविकाओं के बीच व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 37 स्वयंसेविकाओं ने स्तनपान एवं उससे सम्बन्धित विषयों पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। निर्णायक मण्डल में महाविद्यालय की शिक्षिका श्रीमती शिप्रा सिंह, श्रीमती विभा सिंह, श्रीमती कविता मन्ध्यान् एवं डॉ. अनुभा श्रीवास्तव उपस्थित रहीं। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सलोनी मिश्रा, द्वितीय स्थान मनीषा वर्मा तथा तृतीय स्थान दर्शिका सिंह ने प्राप्त किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती किरन सिंह ने विजित प्रतिभागियों को शुभकामना दीं।

कार्यशाला के पांचवें दिन विश्वस्तनपान जागरूकता सप्ताह पर स्वयंसेविकाओं के बीच क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 05–05 की संख्या में स्वयंसेविकाओं की 10 टोली बनाई गई। प्रत्येक टोली से क्रमवार कुछ प्रश्न पूछे गए। इस प्रतियोगिता के अन्त में अंजली कुमारी की टोली ने सर्वाधिक प्रश्नों का सही उत्तर देते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर श्वेता प्रजापति की टोली तथा तीसरे स्थान पर दर्शिका सिंह की टोली रहीं। निर्णायक मण्डल में डॉ. पल्लवी नायक श्रीमती किरन सिंह, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव एवं डॉ. आरती सिंह सम्मिलित रहीं।

कार्यशाला के छठे दिन व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कार्यक्रम की मुख्य वक्ता गृह विज्ञान विभाग की प्रवक्ता डॉ. पल्लवी नायक ने कहा कि मां का दूध शिशु के लिए वरदान है। इससे शिशु का सर्वागींण विकास होता है। उन्होंने आगे स्तनपान के विभिन्न फायदे भी बताये जिससे स्वयं सेविकाएं लाभान्वित हुईं।

सप्तदिवसीय विश्व स्तनपान जागरूकता कार्यशाला के समापन अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में नगर की प्रतिष्ठित स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीषा शाही ने स्वयंसेविकाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि माँ का दूध शिशु के लिए अमृत के समान है। इससे शिशु का न सिर्फ पोषण होता है, अपितु उसकी प्रतिरोधक क्षमता का नियमित स्तनपान करानें वाली महिलाओं में स्तन कैंसर, अवसाद, स्तन में गांठें एवं गर्भाशय सम्बन्धी रोगों का खतरा कम रहता है। कार्यक्रम की समाप्ति पर स्वयंसेविकाओं ने अभिगृहीत ग्राम हसनगंज में एक जन–जागरूकता रैली निकालकर गाँव की महिलाओं को स्तनपान के महत्व से अवगत कराने का प्रयास किया।

जन जागरण रैली एवं स्वास्थ्य जागरूकता अभियान

(गुरू रविन्द्रनाथ टैगोर पुण्यतिथि)

07 अगस्त भारत के राष्ट्रगान जन–गण–मन के रचयिता, महाकवि और नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले महात्मा गुरु रविन्द्रनाथ टैगोर की पुण्यतिथि के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में जन जागरण रैली एवं स्वास्थ्य जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य स्वयंसेविकाओं को जल जनित बीमारियों तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाना था।

टैगोर जी के पुण्यतिथि के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में एक विचार गोष्ठी कार्यक्रम का अयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं को बारिश के मौसम में जल जनित एवं अन्य संक्रामक बिमारियों की जानकारी दी। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि जल को एकत्रित न होने दें, आस–पास, साफ–सुथरा रखें, नालियाँ, शौचालय आदि को साफ रखें जिससें विभिन्न जल जनित रोगों जैसे– अतिसार, टाइफाइड, मलेरिया, डेंगू आदि से सुरक्षित रहे।

इसके बाद स्वयं सेविकाओं ने राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा अभिगृहित गांव हसन गांव को जन जागरूकता रैले हेतु अनुशासनात्मक रूप से परिसज्जित होकर रैली का आयोजन किया। गांव में इस सकारात्मक एवं उद्देश्यपूर्ण रैली को देखकर गांव वाले भी प्रोत्साहित हुए। गांव में पहुंचने के बाद स्वयं सेविकाओं ने 05–05 का समूह बनाकर डोर टू डोर जाकर पम्पलेट के माध्यम से गांव वालों को जागरूक किया। स्वयं सेविकाओं ने गांव के लोगों को बारिश के पानी के जमा होने से फैलने वाले संक्रमक बीमारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया की सभी समस्याओं का बचाव सुरक्षा ही है। इस रैली से गांव वालों के साथ ही साथ स्वयं सेविकायें भी लाभान्वित हुई।

पौध रोपण महाकुम्भ कार्यक्रम

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित)

उत्तर प्रदेश सरकार ने 09 अगस्त को भारत छोड़ो आंदोलन के 77वीं वर्षगांठ पर पौधरोपण महाकुम्भ का आयोजन किया। इस आयोजन में 22 करोड़ पौधे लगाकर विश्व रिकार्ड बनाने का लक्ष्य था। यह पौधरोपण कार्यक्रम स्वयं सेविकाओं में पर्यावरण के महत्व को समझने के उद्देश्य से कराया गया। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित इस पौधरोपण महाकुम्भ का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में किया गया जिसमें सभी स्वयं सेविकायें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव, शिक्षक, डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. अखिलेष गुप्ता, डॉ. विनय, डॉ. विनय, डॉ. शालू श्रीवास्तव, सुश्री श्वेता चौबे आदि के द्वारा पौधरोपण किया गया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

15 अगस्त को महाविद्यालय में 73वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ प्राचार्य द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ उसके बाद राष्ट्रगान वन्देमातरम एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि का अयोजन किया गया। राष्ट्रगान, वन्देमातरम के बाद अपने उद्‌बोधन में प्राचार्य डॉ. प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने शहीदों को श्रद्धांजलि स्वरूप महाविद्यालय के प्रत्यनों एवं संकल्पों को समर्पित करते हुए राष्ट्र निर्माण में महाविद्यालय की भूमिका प्रस्तुत की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के भूगोल विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. वी.के. श्रीवास्तव ने अपने उद्‌बोधन में स्वतंत्रता दिवस की बधाई के साथ देश के विकास में युवाओं की भूमिका विषय व्याख्यान दिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेविकाओं ने देशभक्ति गीत, नृत्य, भाषण तथा नाटक आदि प्रस्तुत किया।

स्वतंत्रता दिवस
समारोह

स्वतंत्रता दिवस
समारोह

स्वतंत्रता दिवस
समारोह
महाराणा प्रताप महाविद्यालय

समारोह

समारोह

स्वतंत्रता दिवस

स्वच्छ सर्वेक्षण कार्यक्रम

28 अगस्त को स्वच्छता के तहत शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में एसएसजी–19 स्वच्छ सर्वेक्षण का भारत सरकार द्वारा संचालित कार्यक्रम महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्वयं सेविकाओं को एसएसजी–19 स्वच्छ सर्वेक्षण के उद्देश्यों से परिचित करवाया गया। एसएसजी–19 स्वच्छ सर्वेक्षण 2019 के इस अवसर पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता ने कहा कि अपने जिले गोरखपुर के प्रदेश में स्वच्छता के मानको पर कैसे प्रतिष्ठित कराया जाय, यह हम सभी को मिलकर सोचना है। डॉ. सुभाष गुप्ता जी ने स्वयं सेविकाओं को एसएसजी–19 स्वच्छ सर्वेक्षण एप को स्मार्ट फोन में डाउनलोड करने पूरी प्रक्रिया को बताया कि कैसे गूगल प्ले स्टोर पर जाकर एसएसजी–19 एप डाउनलोड कर सकते हैं।

डाउनलोड करने के बाद एप खोलने पर राज्य में उत्तर प्रदेश तथा जिला में

गोरखपुर का चुनाव करना है। जिला चुनाव के बाद भाषा का चुनाव करें। इसके बाद प्रश्नों का सिलसिला शुरू हो जायेगा। चार प्रश्नों का उत्तर देकर सर्वे कार्य पूरा किया जा सकता है। इस कार्यशाला से स्वयं सेविकायें लाभान्वित हुई तथा अपने जनपद को प्रदेश में उच्च स्थान दिलाने के लिए प्रेरित भी हुई। कार्यक्रम का संचालन हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने किया तथा आभार ज्ञापन गुरु श्रीगोरक्षनाथ इकाई की कार्यक्रम अधिकारी किरन सिंह ने किया।

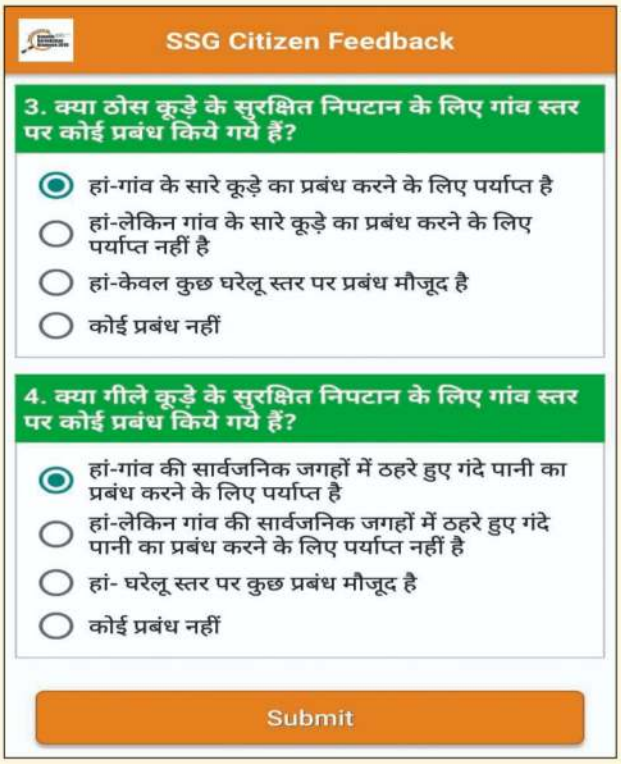

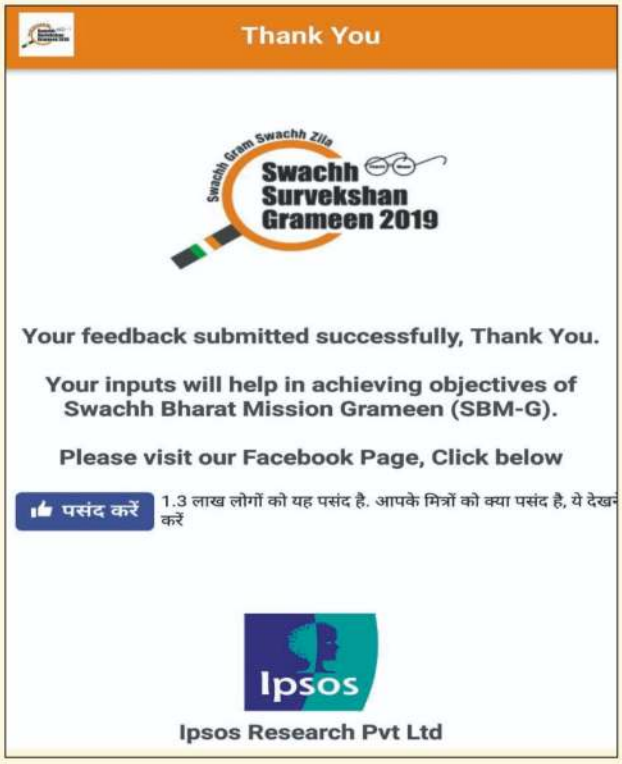

न्यूट्रिशन अवर्नेस वीक

01 से 07 सितम्बर तक न्यूट्रिशन अवर्नेस वीक के अवसर पर सप्तदिवसयी कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना एवं गृह विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वयं सेविकाओं को सुपोषण के प्रति जागरूक करना था। इस सप्तदिवसीय कार्यशाला के प्रथम दिन मुख्य वक्ता के रूप में वनस्पतिविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने अपने व्याख्यान में कहा कि एक स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्व समाज की संरचना कर सकता है। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह भारत सरकार में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय तथा खाद्य एवं पोषण बोर्ड द्वारा शुरू किया गया है। यह कार्यक्रम 01 से 07 सितम्बर तक पूरे भारत वर्ष में मनाया जाता है। पोषण सप्ताह मनाने का उद्देश्य उत्तम एवं स्वस्थ रूप के लिए पोषण के महत्व पर जागरूकता बढ़ाना है, इस ज्ञान वर्धन उद्बोधन से स्वयं सेविकायें लाभान्वित हुईं। कार्यक्रम का संयोजन कार्यक्रम

अधिकारी किरन सिंह ने किया। कार्यशाला के दूसरे दिन राष्ट्रीय पोषण जागरूकता सप्ताह पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस पोस्टर प्रतियोगिता में कुल 25 स्वयं सेविकाओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम रूपा साहनी द्वितीय स्थान संजू भारती तथा तृतीय स्थान निशा कुमारी ने प्राप्त किया निर्णायक मण्डल में श्रीमती विभा सिंह, श्रीमती कविता मन्ध्यान सुश्री सुनिधि गुप्ता सम्मिलित थी। कार्यक्रम के तीसरे दिन व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय क प्राणि विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. शिवकुमार न अपने व्याख्यान में स्वयंसेविकाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ्य भारत का निर्माण स्वस्थ्य युवा ही कर सकता है साथ ही उन्होंने पोषण एवं कुपोषण के प्रभाव को भी बताया। उन्होंने आगे कहा कि पोषक तत्वों को सही मात्रा एवं अनुपात में खाने से ही हम सुपोषित रहेगे।

कार्यक्रम के चौथे दिन राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अवसर पर स्वयं सेविकाओं को पोषक तत्वों के विषय में जानकारी दी गई जैसे हाई कैल्सियम, हाई प्रोटीन, हाई फाइबर, हाई कार्बोहाइड्रयुक्त भोजन स्वस्थ्य के लिए लाभदायक है। जिसके कमी से इनसें सम्बन्धित न्यून पोषण जनित बीमारियों को दूर किया जा सके। सप्तदिवसीय कार्यशाला के पांचवे दिन विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राणी विज्ञान विभाग के प्रवक्ता डॉ. विनय कुमार सिंह ने अपने उद्‌बोधन में स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का उद्‌देश्य स्वयंसेविकाओं में पोषण एवं स्वच्छता का संदेश देना था। कार्यक्रम के छठे दिन पोषण जागरूकता सप्ताह विषय पर स्वयं सेविकाओं के बीच शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 40 स्वयंसेविकाओं ने राष्ट्रीय पोषण जागरूकता विषय पर अपना शोध व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल के रूप में महाविद्यालय की शिक्षिका डॉ. अपूर्वा त्रिपाठी, सुश्री सुनिधि गुप्ता एवं सुश्री आम्रपाली वर्मा उपस्थित रहीं। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शिवानी सिंह द्वितीय स्थान प्रभा सिंह तथा तृतीय स्थान रागिनी पाल ने प्राप्त किया इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी किरन सिंह ने प्रतियोगियों को शुभकामनायें दी।

कार्यक्रम के अंतिम दिन राष्ट्रीय पोषण जागरूकता सप्ताह के अन्तर्गत व्याख्यान, पोस्टर, पाक कला, शोध, व्याख्यान, प्रतियोगिता के प्रभावों पर विचार–विमर्श किया गया। जिसमें सभी स्वयं सेविकाओं ने अपने–अपने विचार रखें। इस तरह न्यूट्रिशन अवर्नेश ठीक सप्तदिवसीय कार्यशाला को सफलता पूर्वक सम्पन्न किया गया। कार्यक्रम का संयोजन

सप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान

07 सितम्बर को महाविद्यालय के परम्परा के अनुसार तथा स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से सप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान का आयोजन किया गया। स्वैच्छिक श्रमदान प्रत्येक शनिवार को 12:10 से 01:10 तक संचालित होता है। जिसमें सभी स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाएं महाविद्यालय के प्राचार्य शिक्षक तथा उनके द्वारा गोद लिये गये विद्यार्थी पूर्व निर्धारित कार्यस्थल पर श्रमदान करते है। यह स्वैच्छिक श्रमदान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाओं तथा कार्यक्रम अधिकारी के लिए अनिवार्य होता है। शेष महाविद्यालय के शिक्षक–विद्यार्थी के स्वेच्छा पर आधारित होता है। यह कार्यक्रम 01:10 मिनट तक चलता है। उसके बाद सभी स्वयं सेविकायें स्वैच्छिक श्रमदान में प्रयोग होने वाले उपकरणों को यथास्थान पर रखते है। पांच मिनट के विश्राम के पश्चात शैक्षिक गतिविधियां संचालित होती है। स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम की रूपरेखा में एक ईकाई में 100 स्वयं सेविका होती है जिसमें 10–10 का समूह बना है। प्रत्येक समूह के साथ एक–एक शिक्षिका भी होती है। स्वैच्छिक श्रमदान समूह की सूची बनती है और यह सूची राष्ट्रीय सेवा योजना के सूचना पट्ट पर एक दिन पहले चस्पा कर दी जाती है। इस सूची में 10 स्वयं सेविका का नाम, स्थान तथा समय निर्धारित होता है। इस तरह से साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान संचालित होता है।

विश्व साक्षरता दिवस

08 सितम्बर को पूरे विश्व में शिक्षा के महत्व को दर्शाने के लिए तथा निरक्षता को समाप्त करने के उद्देश्य से विश्व साक्षरता दिवस मनाया जाता है, इसी उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विश्व साक्षरता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनो इकाई के संयुक्त तत्वावधान में एक गोष्ठी का अयोजन किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कार्यक्रम अधिकारी किरन सिंह ने कहा कि बदलते हुए वैश्विक परिदृश्य में उन्नत मस्तिष्क और प्रखर मेधा ही राष्ट्र की पहचान है। शिक्षित नागरिक ही समाज को विकास के मार्ग पर ले जा सकता है किसी भी राष्ट्र की नींव उस देश के नागरिकों के शिक्षा स्तर पर टिका रहता है। आज विश्व में वही देश विकसीत है जिस देश के नागरिकों का शिक्षा स्तर उच्च है। 07 नवम्बर 1965 ई. में यूनेस्को ने फैसला लिया कि प्रत्येक वर्ष 8 सितम्बर को अर्न्तराष्ट्रीय साक्षरता दिवस बनाया जायेगा। जिसकी शुरूआत 8 सितम्बर 1966 में किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल उद्देश्य ही सशक्त एवं समृद्ध समाज के निर्माण में योगदान देना। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के भूगोल विभाग के प्रवक्ता डॉ. अजय प्रताप निषाद ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य ही यही है कि वह समाज में शिक्षा, साक्षरता, स्वास्थ्य स्वच्छता के प्रति भावना को विकसित करें। इस अवसर पर स्वयंसेविकाएं खुशबू साहनी, मंसा गुप्ता, शिवानी सिंह, चांदनी प्रजापति, शालू कुमारी, श्वेता मिश्रा तथा महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, श्री सुबोध कुमार मिश्र, डॉ. हनुमान प्रसाद, श्रीमती साधना सिंह, श्रीमती विभा सिंह, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन स्वयं सेविका श्वेता मिश्रा तथा आभार ज्ञापन कीर्तिरानी वर्मा के किया।

विश्व ओजोन संरक्षण दिवस

16 सितम्बर को विश्व ओजोन दिवस या ओजोन परत संरक्षण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य स्वयं सेविकाओं में ओजोन परत के संरक्षण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। कार्यक्रम की शुरूआत विश्व ओजोन संरक्षण विषय के मुख्य वक्ता महाविद्यालय के राजनीतिशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रताप सिंह के उद्बोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि भारतीय जीवन पद्धति के मूलतत्व ही वर्तमान पर्यावरण संकट के उपाय हैं। भोगवादी मनुष्य के कर्मो का फल है कि आज पर्यावरण क्षरण की समस्या उत्पन्न हो गयी है। भौतिकवादी सुख से आज मनुष्य का जीवन खतरे में पड़ गया है। मनुष्य के भोगीवादी होने का परिणाम यह है कि आज न केवल मनुष्य बल्कि सभी प्राणियों का जीवन संकटग्रस्त हो गया है। मनुष्य ने आधुनिकता के क्षेत्र में तथा नवीन वैज्ञानिक प्रगति के परिणाम से पर्यावरण का संतुलन बिगड़ दिया है। मनुष्य कभी भी प्रकृति पर विजय प्राप्त नहीं कर सकता है और न ही प्रकृति को विखण्डित कर सकता है और न ही प्रकृति के सम्पूर्ण रहस्य को समझ सकता है। मनुष्य के प्रकृति विरूद्ध आचरण करने के कारण ही पृथ्वी के सुरक्षा कवच कहे जाने वाले ओजन परत में छिद्र बन गये है। जिसका परिणाम घातक होगा। उन्होंने आगे कहा कि ओजोन परत क्षरण से न केवल तापमान में वृद्धि होगी बल्कि जलवायु परिवर्तन भी होगा। जलवायु परिवर्तन का परिणाम यह होगा कि कहीं सूखा, कही असमय बारिश होगी। प्रकृति में इस तरह के क्षरण का एक कारण जनसंख्या का लगातार वृद्धि भी है जिससे आने वाले समय में अराजकता और अव्यवस्था का सामना समाज को करना पड़ेगा। ओजोन परत में छिद्र के कारण अम्लीय वर्षा, घने कुहरे का प्रकोप दुनिया झेल रही है, वहीं दूसरी तरफ इसके प्रभाव के कारण सूर्य की पैराबैगनी किरणों से न केवल मनुष्य बल्कि सभी प्राणियों का जीवन खतरे में पड़ गया है। इन किरणों से कैन्सर जैसे घातक रोग होते हैं।

अतः ओजोन परत संरक्षण के प्रति हम सभी जागरूक बने। इस व्याख्यान से सभी स्वयं सेवक/स्वयंसेविकाएं लाभान्वित हुई। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह तथा आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी किरन सिंह ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस

24 सितम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस राष्ट्रीय सेवा योजना के गुरु श्री गोरक्षनाथ इकाई के तत्वावधान में मनाया गया। इसका उद्देश्य स्वयंसेविकाओं राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों के प्रति जागरूक करना था। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि बी.एड्. विभाग की प्रवक्ता सुश्री रचना सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वैच्छिक समुदायिक सेवा के माध्यम से युवाओं के व्यक्तित्व और चरित्र का विकास ही राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य है। स्वयंसेविकाएं समाज के वंचित वर्गों के मध्य जाकर उनकी पीड़ा एवं कठिनाइयों को समझें और उनको मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयत्न करें। मनुष्य के स्वभाव में समाज सेवा की भावना को विकसित करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य ही है कि देश के युवाओं में समाज के प्रति सद्भावना, संवेदनशीलता तथा समूह भावना का विकास करना। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से समाज के वंचित वर्गो का विकास करना है जो आधुनिक समाज में आर्थिक, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा स्वच्छता में पीछे रह गये हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से उनमें जानकारी एवं जागरूकता लाकर उनको मुख्य धारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी किरन सिंह ने कहा वर्तमान समय मे सेवाश्रम, साधना एवं त्याग की भावना ही मनुष्य को विकास के मार्ग पर ले जा सकती है। आदिकाल से महिलायें समाज के विकास में महत्वपूर्व भूमिका निभा रहीं है। इसके लिए स्वयंसेविकायें समाज के उन वंचित महिलाओं के बीच जाकर उन्हें जागरूक कर सकती है।

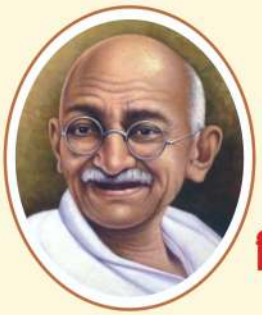

महात्मा गाँधी जयन्ती एवं लालबहादुर शास्त्री जयन्ती के अवसर पर सिंगलयूज प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान

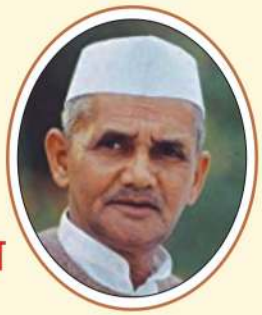

02 अक्टूबर 2019 को गाँधी जी की 150वीं जयन्ती एवं लाल बहादुरशास्त्री के 116वें जयन्ती के अवसर पर सिंगलयूज प्लास्टिक मुक्त भारत कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि वर्तमान समय में प्लास्टिक प्रदूषण एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। दिन–प्रतिदिन यह समस्या विकराल रूप धारण कर रही है जिससे यह जनजीवन के लिए एक गम्भीर संकट बनता जा रहा है। यही कारण है कि आज प्लास्टिक प्रदूषण एक वैश्विक चिंता का विषय बना हुआ है। उन्होंने कहा कि इससे बचने के लिए दो उपाय हैं। पहला– प्लास्टिक उपयोग ना करें तथा दूसरा अन्य विकल्पों को अपनाएं। इस अवसर पर सभी स्वयं सेविकाएं उपस्थित रहीं।

अंग्रेजी विभाग
02 अक्टूबर 2019
प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान

02 अक्टूबर 2019
महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज
जंगल धूसड़, गोरखपुर

शास्त्र विभाग

एक दिवसीय कार्यशाला

19 अक्टूबर 2019 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला सिंगल युज प्लास्टिक एवं पर्यावरणीय संकट विषय पर आयोजित किया गया। जिसमें सभी स्वयंसेविकाओं को प्लास्टिक का पर्यावरण पर कितना घातक प्रभाव है यह बताने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम को आयोजन किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने अपने उद्बोधन में कहा कि पर्यावरण का संकट आज सबसे बड़ी चुनौती है। पारिस्थितिक अंसतुलन को आज हम समझ नही पा रहे है। आज देश का कोई क्षेत्र जल संकट से जूझ रहा है, तो कोई क्षेत्र जंगल आग की भेट चढ़ रहे है। प्लास्टिक कचरे का बढ़ता अम्बार मानवीय सभ्यता के लिए सबसे बड़े खतरे रूप में उभर रहा है। प्लास्टिक को जहां जलाने पर जहरीली गैस प्रसारित होती है, वहीं प्लास्टिक मिट्टी में पहुंचकर उसकी उर्वरा शक्ति को कमजोर करता है। दूसरी तरफ पशुओं के पेट में जाने पर जानलेवा हो रहा है। वैज्ञानिक के अनुसार प्लास्टिक को नष्ट होने में 500 से 1000 वर्ष लगेंगे। उन्होनें कहा कि बढ़ता प्लास्टिक का उपयोग इन्सानी सभ्यता को निगलने पर आमादा है। यदि समय रहते हम न चेते तो बढ़ता, पर्यावरण संकट हमारी पीढ़ी को निगल जायेगा। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह, किरन सिंह, महाविद्यालय के शिक्षक अजय प्रताप निषाद, सुश्री नुपूर शर्मा, सुश्री श्वेता चौबे एवं स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहीं।

रक्तदान विशिष्ट व्याख्यान

31 अक्टूबर 2019 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में रक्तदान महादान विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्यवक्ता गुरू श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के ब्लड बैंक के प्रभारी एवं चिकित्सक डॉ. अवधेश अग्रवाल ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि रक्तदान के समान दूसरा कोई दान नहीं है किन्तु समाज में इसे लेकर विभिन्न प्रकार की भ्राँतिया फैली है। लोगों के इस भ्रम को तोड़ कर उनमें जागरूकता लाना स्वयंसेविकाओं के लिए चुनौतीपूर्ण कार्य है। उन्होने कहा कि 18 वर्ष से 65 वर्ष तक का कोई भी व्यक्ति जो स्वस्थ्य है वह एक वर्ष में 3 बार रक्तदान कर सकता है। रक्तदान से हम न केवल किसी दूसरे की जान बचाते है बल्कि स्वयं भी हृदयघात–उच्च रक्तचाप जैसी कई बिमारियों से बच जाते हैं। रक्तदान के प्रति जागरूकता में कमी होने के कारण प्रत्येक वर्ष हजारों व्यक्तियों की केवल खून न मिलने के कारण मृत्यु हो जाती है। कई घरों का चिराग बुझ जाता है। अतः हम सभी को रक्तदान के प्रति समाज में जगरूकता का प्रचार–प्रसार करना चाहिए।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

01 नवम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में गुरू श्रीगोरक्षनाथ इकाई के द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के सभी शिक्षक, प्राचार्य, विद्यार्थी, स्वयंसेविकाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। गुरू श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के ब्लडबैंक ने कुल 101 लोगो का रक्तसंग्रह किया। जिसमे बी.ए. भाग एक से सोनी गुप्ता, निशा मौर्या तथा बी.एस–सी. भाग तीन की विन्ध्यवासिनी सिंह, बी.एस–सी. भाग–एक की आराधना, रागिनी सिंह, बी.एस–सी. भाग दो से पूजा गुप्ता, फरहीन खातून, सब्बा खातून, बी.एस–सी. भाग एक से पूर्णिमा सिंह, बी.कॉम भाग एक से प्रतिमा गिरी, बी.ए. भाग दो से हेमा गुप्ता, रागिनी चौधरी आदि ने रक्तदान किया।

रक्तदान शिविर में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव, शिक्षक–डॉ. अजय प्रताप निषाद, डॉ. प्रज्ञेश मिश्र, श्रीरमाकान्त दूबे, श्री जितेन्द्र प्रजापति, सुश्री सुधा शुक्ला, श्रीमति कविता मध्यान् आदि प्राध्यापकों ने रक्तदान किया। रक्तदाताओं को शुभकामना देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि रक्तदान का मूल्य हमें उस समय समझ में आता है जब कोई अपना रक्त के अभाव में जिन्दगी और मौत से जूझता है। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति जो 18 से 65 वर्ष तक का है और उसका वजन 55 किलोग्राम का है तो वह एक वर्ष में कम से कम तीन बार रक्तदान कर सकता है। उन्होने कहा कि रक्तदान करने से रक्तदाता को किसी भी प्रकार का नुकसान नही होता है बल्कि वह दूसरों की जिन्दगी बचाने के साथ ही साथ स्वयं को भी कई बिमारियों से सुरक्षित रखता है। जब हमारे शरीर में खून अधिक होता है तो उसके साथ आयरन की मात्रा भी बढने लगती है। आयरन रक्त को गाढ़ा करता है जिससे रक्तपरिसंचरण में बाधा उत्पन्न होता है जिससे व्यक्ति को हृदयघात हो सकता है तथा कैन्सर और अल्जाइमर की भी समस्या उत्पन्न हो सकती है। रक्तदान के प्रति समाज में जो गलत धारणा बनी है उसको

तोड़ें और सभी को रक्तदान के प्रति जागरूक करें।

प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने गुरू श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय ब्लैडबैंक के प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल, डॉ. जे. के. मिश्रा, श्री आदित्य कुमार शुक्ला, श्री चन्द्रशेखर यादव, सुश्री चाँदनी गिरी, सुश्री गुंजा, श्री सूरज सिंह, श्री सोनू यादव को विशेषरूप से सहयोग के लिए आभार ज्ञापित किया।

रक्तदान शिविर का आयोजन महाविद्यालय के राजनीतिशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया तथा कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. अभिषेक सिंह, श्री सुबोध कुमार मिश्र, डॉ. प्रज्ञेश मिश्र ने किया। कार्यक्रम के सहयोग के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनो ईकाईयों के कार्यक्रम अधिकारियों ने सभी को इस पुनीत कार्य के लिए धन्यवाद दिया।

एक दिवसीय कार्यशाला एवं भाषण प्रतियोगिता

(सामाजिक समरसता एवं संविधान विषय पर)

17 नवम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन सामाजिक समरसता एवं संविधान विषय पर किया गया। इस कार्यशाला का आयोजन स्वयं सेविकाओं को सामाजिक समरसता एवं संविधान के महत्व को समझने के दृष्टि से कराया गया। कार्यशाला स्वयंसेविकाओं के मानसिक स्तर के विकास में सहयोग करती है तथा उनमें अवलोकन क्षमता को विकसित करती है जिससे उनमें परिस्थितियों के अनुकुल निर्णय लेने की क्षमता का विकास हो।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग के प्रवक्ता डॉ. विनय कुमार सिंह ने अपने उद्‌बोंधन में कहा कि भारतीय संविधान सामाजिक समरसता का मूल आधार है। संविधान भारतीय नागरिकों के मूलभूत अधिकारों की सुरक्षा की गारंटी देता है। मुख्य अतिथि के उद्‌बोधन के बाद स्वयंसेविकाओं के बीच भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें निर्णायक मण्डल के रूप में महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. विनय कुमार सिंह, श्री जितेन्द्र प्रजापति, डॉ. शिवकुमार जी उपस्थित रहे इस प्रतियोगिता में कुल 45 स्वयंसेवकाओं ने प्रतिभाग किया। जिसमें प्रथम स्थान इशिका सिंह (बी.एस–सी. भाग एक), द्वितीय स्थान खूश्बु सिंह (बी.ए.भाग तीन) तथा तृतीय स्थान पर संजू साहनी (बी.ए. भाग तीन) ने प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों को कार्यक्रम अधिकार डॉ. सौरभ सिंह एवं किरन सिंह ने शुभकामनाऐं दी।

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना
HAPPINESS

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना

संविधान दिवस पर वाद-विवाद प्रतियोगिता

26 नवम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के गुरू श्रीगोरक्षनाथ इकाई के तत्वावधान में संविधान दिवस के अवसर पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 25 स्वयंसेविकाओं ने प्रतिभाग किया। निर्णायक मण्डल के रूप में महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के प्रवक्ता श्री बृजभूषणलाल, हिन्दी विभाग की प्रवक्ता डॉ. सुधा शुक्ला उपस्थित रहीं। संविधान दिवस के अवसर पर स्वयंसेविकाओं को संविधान दिवस मनाने के उद्देश्य को बताते हुए उन्हें संविधान के प्रति सचेत एवं जागरूक किया गया ताकि समाज में वे संविधान के महत्व का प्रचार एवं प्रसार कर सकें।

इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के प्रवक्ता डॉ. वृजभूषण लाल ने सभी प्रतियोगियों को शुभकामना देते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि हम प्रत्येक वर्ष 26 नवम्बर को संविधान दिवस मनाते है। भारती संविधान दुनिया का सबसे बड़ा संविधान है। भारत का सर्वोच्च कानून भारत के संविधान के नाम से जाना जाता हैं। भारतीय संविधान को 26 नवम्बर 1949 में ही अंगीकार कर लिया गया था, लेकिन 26 जनवरी 1950 में लागू किया गया। एन.डी.ए. सरकार के नेतृत्व में सन् 2015 से प्रत्येक वर्ष 26 नवम्बर को भारतीय संविधान दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। प्रतियोगिता प्रभारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को शुभाशीष दिये।

प्रतियोगिता में कुल 25 लोगो ने प्रतिभाग किया जिसमें पक्ष की ओर से प्रथम स्थान दीक्षा मिश्रा (बी.ए.तृतीय वर्ष) द्वितीय स्थान श्वेता मिश्रा (बी.एस–सी. तृतीय वर्ष), तृतीय स्थान सुकन्या सिंह (बी.ए.तृतीय वर्ष) तथा विपक्ष से सारिका पटेल (बी.कॉम. द्वितीय वर्ष) अंकिता सिंह (बी.कॉम. तृतीय वर्ष), तृतीय स्थान खुश्बू (बी. ए. प्रथम वर्ष) ने प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों ने संविधान के बड़े ही मार्मिक प्रश्नों पर वाद–विवाद किया। कार्यक्रम अधिकारी किरन सिंह ने सभी प्रतिभागियों, निर्णायक मण्डल एवं अपने सहयोगी कार्यक्रम अधिकारी के प्रति आभार ज्ञापित किया।

निबन्ध प्रतियोगिता

28 नवम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में महत्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि के अवसर पर जातिवाद राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 30 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल के रूप में बी.एड्. विभाग के प्रवक्ता डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, श्रीमती पुष्पा निषाद, श्रीमती विभा सिंह उपस्थित रहीं। सभी प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि ज्योतिराब फूले गोविन्दराव फुले का जन्म 11 अप्रैल 1827 को सतारा महाराष्ट्र में हुआ था। जातिगत भेदभाव के कारण उन्हे विद्यालयी शिक्षा छोड़ना पड़ा। किन्तु इन छोटी–छोटी चुनौतियों ने इनके हौसलों को और बढ़ाया। इन्होंने देश में सर्वप्रथम नारी शिक्षा के लिए 1848 में स्कूल खोला और जब उस स्कूल में लड़कियों को पढ़ाने के लिए कोई योग्य अध्यापिका नही मिली तो इन्होंने अपने ही पत्नी को इस योग्य बना दिया। दलित वर्ग के लिए उन्होंने 1873 में सत्यशोधक समाज की स्थापना की। इनकी समाज सेवा को देखकर 1888 में एक विशाल सभा ने इन्हे 'महात्मा' की उपाधि प्रदान की।

सामाजिक कुरितियों को समाप्त करने के लिए इन्होंने अथक प्रयास किये। विधवा पुर्नविवाह, स्त्री शिक्षा के समर्थक रहे तथा बाल विवाह के घोर विरोधी थे इनके सामाजिक कृतियों को देखकर इन्हे इसीलिए भारत का सुकरात कहा जाता है।

मुख्यवक्ता के उद्बोध के बाद निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम स्थान नेहा मिश्रा (बी.ए. भाग एक) चाँदनी प्रजापति (बी.ए. भाग दो) तथा तृतीय स्थान पर खुश्बू सिंह, (बी.ए. भाग तीन) ने प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों को कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने आशीष दिये कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी किरन सिंह ने किया।

सप्ताहिक योग कार्यशाला

30 नवम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में सप्ताहिक योग का कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी स्वयंसेविकाएं ने योग के गुर सीखे।

प्रथम एक दिवसीय शिविर

01 दिसम्बर 2019 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में गुरु श्रीगोरक्षनाथ इकाई द्वारा प्रथम एक दिवसीय शिविर का आयोजन अभिग्रहित गाँव हसनगंज में किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत महाविद्यालय से राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा अभिग्रहित गाँव हसनगंज तक जनजागरूकता रैली से हुई। इस रैली में सभी स्वयंसेविकाओं ने पंक्तिबद्ध होकर हाथों में पोस्टर फ्लैक्स, बैनर से सुज्जित होकर गाँव वालों को एड्स जैसी घातक बिमारी के प्रति जागरूक करने का प्रयत्न किया। गाँव में पहुंचने के बाद स्वयंसेविकाओं ने एड्स से बचाव की जानकारियों को प्रसारित करने के लिए एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया। इस नुक्कड़ नाटक के माध्यम से एड्स के प्रति विभिन्न भ्रांतियाँ जैसे–साथ खाने, बैठने, हाथ मिलाने आदि से एड्स नहीं होता है, इस भ्रम को दूर किया। साथ ही साथ एड्स के फैलने का कारण भी बताया जैसे– संक्रमित सुई के प्रयोग, असुरक्षित यौन सम्बन्ध, एड्स पीड़ित गर्भवती माँ से बच्चे को एड्स हो सकता है। अतः हमें इन–इन चीजों से बचना है। स्वयंसेविकाओं ने ग्रामवासियों को यह संदेश दिया कि यदि हम अस्पताल में जायें तो केवल डिस्पोजेबल सुई का ही प्रयोग करें तथा रक्त संचरण के समय सही जाँच करवाये। इन उपायों को अपनाकर हम एड्स से बच सकते हैं। नुक्कड़ नाटक के उपरान्त सभी स्वयंसेविकाएं पंक्तिबध होकर महाविद्यालय के लिए प्रस्थान कीं।

रेड रिबन क्लब
राष्ट्रीय सेवा योजना
महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़, गोरखपुर
सम्बद्धः दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय
समझो एचआईवी को, चुनो ज़िन्दगी को

राष्ट्रीय सेवा योजना
एक दिवसीय शिविर

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस

02 दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में राष्ट्रीय प्रदूषण नियन्त्रण दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता बी.एड. विभाग की प्रवक्ता श्रीमती साधना सिंह ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि हम प्रत्येक वर्ष 02 दिसम्बर को उन हजारों लोगों के याद करते हैं जिन्होंने 02–03 दिसम्बर की रात भोपाल गैस त्रासदी में अपनी जान गवाँ दी। इस दिवस को मनाने का उद्‌देश्य यह है कि हम औद्यौगिक आपदा के प्रबन्धन एवं नियंत्रण के लिए जागरूकता फैलाये। साथ में हवा, पानी, मिट्‌टी को प्रदूषित होने से भी बचायें। 1984 में 02–03 दिसम्बर की रात भोपाल गैस त्रासदी में हजारों लोगों ने अपनी जान गंवायी, यह दुनिया का सबसे बड़ी औद्योगिक गैस त्रासदी है। अतः पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए देश–भर में प्रत्येक वर्ष 02 दिसम्बर को राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, स्वयंसेविकाएं तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनजागरण रैली

04 दिसम्बर 2019 को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा संस्थापक सप्ताह समारोह के उद्घाटन अवसर पर महाविद्यालय सहित लगभग 50 से अधिक संस्थाओं ने जन जागरण रैली में सहभाग किया। यह जनजागरण रैली दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज से आरम्भ होकर इन्दिरा बाल बिहार तिराहा, गणेश चौक, गोलघर होते हुए महाराणा प्रताप इण्टर कॉलेज में सम्पन्न हुई। संस्थापक समारोह रैली में महाविद्यालय ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, जलसरंक्षण, सिंगल यूज प्लास्टिक धारा 370 एवं राष्ट्रीयता, एक भारत श्रेष्ठ भारत, अन्तरिक्ष में भारत जैसे विषय को अपनी झांकी द्वारा प्रदर्शित कर शहर वासियों को प्रभावित किया। इस समारोह के मुख्य अतिथि हिमांचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर थे। इस समारोह में राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभाग किया।

एक भारत श्रेष्ठ भारत
एक था
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

बदल रहा गोरखपुर
योगीजी का एक ही नारा
गोरखपुर हो स्वच्छ हमारा

Crispy
Fine Hosiery
महाराणा प्रताप
तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

डॉ. भीमराव अम्बेडकर महापरिनिर्वाण दिवस पर विचार गोष्ठी

06 दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस विचार गोष्ठी का आयोजन स्वयंसेविकाओं में गहन चिंतन, तर्कन तथा विचारों में संशोधन के कौशल का विकास करने की दृष्टि से किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता अंग्रेजी विभाग की प्रवक्ता श्रीमती कविता मंध्यान् ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर भारत में सामाजिक क्रांति के अग्रदूत थे। बाबा साहेब का एक मात्र उद्‌देश्य समाज में व्यापत विषमता और अस्पृश्यता का अन्त करना तथा छुआ–छूत, ऊंच–नीच के भेदभाव को समाप्त करना था। डॉ. अम्बेडकर ने अपने कार्यों से हिन्दू जाति व्यवस्था पर शक्तिशाली प्रहार किया। उन्होंने चावदार तालाब का सत्याग्रह केवल पानी के लिए नही किया था बल्कि इसका मूल उद्‌देश्य समानता के मूल उद्‌देश्यों को स्थापित करना था। बाबा साहेब सदैव दलितों के समानता के लिए लड़े। ऐसे महान समाजसुधारक, राजनेता का जन्म 14 अप्रैल 1891 में हुआ था। इन्होंने समाज में फैले जातिगत भेदभाव के कारण दलितों को आरक्षण दिलवाया। डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने हमारे देश का संविधान लिखा जिसके लिए इन्हें देश के सर्वोच्च सम्मान भारतरत्न से सम्मान्ति किया गया। डॉ. अम्बेडकर आधुनिक भारत के प्रमुख विधि नेता, समाजसुधारक थे। सामाजिक भेदभाव की विषमता का पग–पग पर सामना करते हुए वे अन्त तक झुके नहीं। जिसके बल पर उन्होंने अछूतों को जीवन का सम्मान दिलाया इसलिए इन्हें भारत का आधुनिक 'मनु' भी कहा जाता है। भारत के ऐसे महान समाज सुधारक के जीवन कृतियो से हमे प्रेरणा मिलती है। इस विचार गोष्ठी में स्वयंसेविकाओ ने भी अपने विचार रखे।

कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी किरन सिंह ने किया तथा आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने किया।

योग कार्यशाला

7 दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में एक दिवसीय योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें सभी स्वयंसेविकाओ ने प्रायाणाम के विभिन्न लाभो को जाना।

योग कार्यशाला के विशिष्ट अतिथि प्राणि विज्ञान विभाग के प्रवक्ता डॉ. विनय कुमार सिंह ने विभिन्न प्रकार के योग एवं प्रायाणाम सिखाये जैसे– नाड़ी शोधन प्रायाणाम, कपालभाँति, भ्रांतिका, भ्रामरी, अनुलोम–विलोम आदि। उन्होंने कहा कि प्रायाणाम से मानसिक स्थिति शान्त रहती है। प्रायाणाम करने से हृदय, एवं कैंसर जैसे बिमारियों को भी चुनौती दिया जा सकता है। इस तरह से स्वयंसेविकाए, शिक्षक, कर्मचारी आदि सभी ने योग के लाभ जाना। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी किरन सिंह ने किया।

स्वैच्छिक श्रमदान

07 दिसम्बर को महाविद्यालय में साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम आयोजित हुआ। स्वयंसेविकाओं को संबोधित करती हुई राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती किरन सिंह ने कहा कि ''स्वैच्छिक श्रमदान विद्यार्थी के जीवन में अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी को सीख मिलती है कि कोई भी काम छोटा या बड़ा नही होता है। श्रमदान मे महाविद्यालय की सफाई ही नहीं अपितु अपने आप के अन्दर बसे अहंकार की भी सफाई होती है जो प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अत्यन्त आवश्यक है''। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि महाविद्यालय प्रतिवर्ष के शैक्षिक पंचाग के अनुसार स्वच्छता अभियान को विशेष महत्व देता है। स्वैच्छिक श्रमदान प्रत्येक शनिवार को 11:40 से 12:50 तक 01 घण्टा 10 मिनट किया जाता है। जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/सेविकाएं, कार्यक्रम अधिकारी, शिक्षक तथा प्राचार्य सम्मिलित होते हे। सभी स्वयं सेवक कुछ निश्चित टोलियों में विभक्त होकर श्रमदान करते है जिनका नेतृत्व शिक्षक, प्राचार्य तथा कार्यक्रम अधिकारी करते हैं। टोली प्रमुख शिक्षक अपनी 10 सदस्यों वाली टोली के साथ महाविद्यालय में निर्धारित स्थान पर श्रमदान करते है। इन निर्धारित स्थलों में – शौचालच भू–तल, शौचालय प्रथम तल, उत्तरी लान, दक्षिणी लान, मुख्य लान, वाचनालय, वालीबाल तथा बैंडमिण्टन ग्राउण्ड, बॉटनी गार्डेन शिक्षक कक्ष आदि प्रमुख है। शौचालच से लेकर सम्पूर्ण महाविद्यालय परिसर तथा मुख्य भवन के सामने की सड़क की सफाई की जाती है। स्वैच्छिक श्रमदान का उद्देश्य शिक्षकों तथा छात्रों में श्रम के प्रति हीन भावना को समाप्त करने के साथ ही उनके महत्व को समझना है चाहे उनके पद एवं स्थिति कुछ भी हो।

द्वितीय एक दिवसीय शिविर

15 दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में गुरु श्रीगोरक्षनाथ इकाई के द्वितीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में गुरु श्रीगोरक्षनाथ इकाई की स्वयंसेविकाओं ने सक्रिय सहभाग किया।

सेवा योजना द्वारा अभिग्रहित गाँव हसनगंज के लिए महाविद्यालय से एक जनजागरण रैली के माध्यम से कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया। द्वितीय एक दिवसीय शिविर का विषय जलजनित बिमारियों की जानकारी तथा उनसे बचाव के उपाय था। स्वयंसेविकाऐं पोस्टर, बैनर, फ्लैक्स तथा पम्पलेट से सुसज्जित होकर जनजागरूकता रैली निकालीं। कार्यस्थली पहुँचने बाद सभी स्वयंसेविकाओं ने 10–10 का समूह बनाया तथा प्रत्येक घर जाकर जल जनित बिमारियों की जानकारी दी। स्वयंसेविकाओं ने ग्रामवासियों को यह बताया कि मलेरिया मच्छरों से फैलनें वाला रोग है। अतः आस–पास बरसात का पानी जमा न होनें दिया जाए। टायफाइड गन्दा पानी पीनें से होता है अतः साफ पानी पीया जाए और हो सके तो पानी उबालकर पीया जाए। आस–पास की साफ–सफाई रखकर हम डेंगू से बच सकते है साथ में शाम के समय घर के सभी सदस्य पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़ो को पहने, रात में मच्छरदानी का प्रयोग करें। इसके बाद स्वयंसेविकाओं ने गाँव की नाली, सड़के एवं जहाँ–तहाँ गड्डो के पानी को साफ किया। जिसमं गाँव वालो में भी स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ी। बौद्धिक सत्र में स्वयंसेविकाओं ने विभिन्न प्रकार के जलजनित बिमारियों पर विचार विमर्श किया। चन्द्रकला, चन्द्रप्रभा, सारिका, सरिता, बविता, इशिका, रूपा, राधा आदि स्वयंसेविकाओं ने अपना–अपना विचार रखा। कार्यक्रम में सभी स्वयंसेविकाएं उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी किरन सिंह ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना
एक दिवसीय शिविर

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज
जंगल धूसड़, गोरखपुर

इंसेफ्लाइटिस उन्मूलन अभियान

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना
स्वच्छ भारत
स्वस्थ भारत

कम्बल वितरण

20 दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में कम्बल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कम्बल वितरण कार्यक्रम का आयोजन स्वयंसेविकाओं ने जरूरत मंदों की मदद करने की भावना को जागृत करने की दृष्टि से किया गया। कम्बल वितरण कार्यक्रम दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वय डॉ. केशव सिंह के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर डॉ. केशव ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यदि हम समाज के उन लोगों की कुछ मदद करते है जिन्हें दो वक्त के भोजन का भी अभाव है तो इससे उन्हें थोड़ी मदद मिलेगीं। उन्होंने कहा कि दान हमारी संस्कृति और परम्परा दोनो में है। दान मनुष्यता को सहेजने का माध्यम है। जो संवेदनशील और श्रेष्ठ व्यवहार का उपहार है। उद्‌बोधन के बाद कम्बल वितरण कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव, शिक्षक–अभिषेक सिंह, डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. अभिषेक सिंह, श्री सुबोध कुमार मिश्र, आदि ने कम्बल वितरण कार्यक्रम में सहयोग किया। इस कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह एवं किरन सिंह, स्वयं सेविका–रूपा साहनी, दीक्षा मिश्रा, चन्द्रप्रभा श्वेता मिश्रा आदि ने भी सक्रिय रूप से सहयोग दिया।

मदनमोहन मालवीय जयन्ती पर व्याख्यान

24 दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में पं. मदनमोहन मालवीय की जयन्ती पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महापुरूषों के जयन्ती पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन इस उद्देश्य से कराया जाता है कि स्वयंसेविकाएं उनके जीवन एवं कृतियों को जाने और उनके आदर्श व्यवहार को अपने जीवन में अंगीकार करें।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कम्प्यूटर सांइस विभाग के प्रवक्ता डॉ. हरविन्द कुमार श्रीवास्तव जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि पं. मदनमोहन मालवीय जी काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्थापक होने के साथ इस युग के आदर्श पुरूष भी थे। वे भारत के पहले और अंतिम व्यक्ति थे जिसे महामना की उपाधि प्राप्त हुई।

मालवीय जी पत्रकारिता, वकालत, समाज सुधार, मातृभाषा तथा भारत माता की सेवा में अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पण कर दिया। ''सिर जाए तो जाए प्रभु! मेरो धर्म न जाय'' मालवीय जी का जीवन व्रत था। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य हिन्दू समाज और संसार के हित के लिए भारत की प्राचीन सभ्यता और महत्ता की रक्षा करना था। संस्कृत विद्या के साथ पश्चात् विज्ञान का समावेशन कर भारत को प्रगति और विकास के शीर्ष पर प्रतिष्ठित करना मालवीय जी का कृत संकल्प था।

मालवीय जी देशभक्त, मानवभक्त के साथ समाज सुधारक भी थे, मानवभक्त इस प्रकार थे कि विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए घर–घर जाकर चन्दा मांगने मे तनिक भी संकोच नही किया। मालवीय जी संस्कृति के रक्षक थे। अतः वे सनातन धर्मो के आदर्शो पर

विश्वास रखते थे। इन्हें आधुनिक युग का 'अजातशत्रु' कहा जाता है। इनके जीवन से हम सभी को प्रेरणा मिलता है। डॉ. हरविन्द कुमार श्रीवास्तव जी के ज्ञानपूर्ण व्याख्यान से सभी लाभान्वित हुए। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक श्रीमती नुपूर शर्मा श्रीमती साधना, सुश्री श्वेता चौबे, सुश्री रचना सिंह सभी स्वयंसेविकायें एवं कार्यक्रम अधिकारी किरन सिंह उपस्थित रहीं।

भारत-भारती पखवारा : उद्घाटन कार्यक्रम

(स्वामी विवेवकानन्द जयन्ती पर विशिष्ट व्याख्यान)

12 जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 12 जनवरी से 25 जनवरी तक चलने वाले भारत–भारतीय पखवारा का शुभारम्भ विवेकानन्द जयन्ती समारोह के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में महात्मा गांधी इण्टर कॉलेज के अंग्रेजी विभाग से सेवानिवृत आचार्य श्री रोहिताश्व श्रीवास्तव ने अपने उद्‌बोधन में स्वामी जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वामी विवेकानन्द भारत के पहले व्यक्ति थे जिन्होंने वेदांत के हिन्दू दर्शन और योग को यूरोप से परिचित कराया। उन्होंने भारत में हिन्दूधर्म को पुनर्जीवित किया। वे एक महान हिन्दू संत थे। जिन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानन्द जैसे महापुरुष सदियों में एक बार जन्म लेते है जो अपने जीवन के बाद भी लोगो को निरन्तर प्रेरित करते रहते है। यदि हम उनके आचरण को अपनाये तो समाज से हर प्रकार की बुराई को खत्म कर सकते है। स्वामी जी उन महान व्यक्तियों में से एक है जिन्होंने भारत का नाम पूरे विश्व में रोशन किये। जिन्होंने अपने शिकागों भाषण के द्वारा पूरे विश्व में हिन्दुत्व के प्रति आस्था की ज्योति जला दी। 12 जनवरी को उनके जन्म दिवस के अवसर पर प्रत्येक वर्ष युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है, किन्तु 1984 के बाद यह अनुभव हुआ कि स्वामी जी का जीवन तथा कार्य का आदर्श यही था की भारतीय युवकों के प्रेरणास्त्रों हो। इसलिए 1984 के बाद प्रत्येक वर्ष देश 12 जनवरी से 28 जनवरी तक युवा सप्ताह के रूप में मनाया जाने लगा। उन्होंने यह कहते हुए महाविद्यालय की सराहना की कि यह महाविद्यालय इसे पूरा एक पखवारा तक मनाया है जिसमें स्वयं सेविकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न कार्यक्रम जैसे–गायन प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता क्रीड़ा प्रतियोगिता, निबन्ध प्रतियोगिता वाद–विवाद प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया जाता है यह अत्यन्त ही सराहनीय है।

भारत - भारती पखवारा
12 जनवरी से 26 जनवरी

भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत
(विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम)

13 जनवरी को भारत– भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'स्टेम सेल' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राणि विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार सिंह ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि स्टेम सेल्स की उपयोगिता ने चिकित्सा क्षेत्र में नये आयाम खोल दिये हैं। स्टेम सेल्स साध्य एवं असाध्य दोनो प्रकार के रोगों को दूर करने के लिए वरदान है। यह चिकित्सा पद्धति कैंसर, हार्टअटैक, गुर्दा प्रत्यारोपण जैसे कई रोगों में काफी प्रभावी मानी जा रही है।

स्टेम सेल्स को रक्त प्रवाहित अथवा शरीर के किसी भी भाग में प्रत्यारोपित किया जा सकता है इसे स्टेम सेल थेरपी कहा जाता है। उन्होंने कहा कि प्रदूषित वातावरण के कारण उत्पन्न हुए लंगफाइब्रोसिस जैसे–खतरनाक व जानलेवा रोग भी स्टेम सेल थेरेपी से ठीक हो रहे हैं। बच्चों के मानसिक विकारों में भी यह थेरेपी काफी लाभकारी है।

इस कार्यक्रम के द्वारा स्वयंसेविकाओं में स्टेम सेल्स के प्रति जानकारी मिली इस अवसर पर सभी स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहीं।

भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत

('मैप ड्राईंग' प्रतियोगिता)

16 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'मैप ड्राईंग' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मैप ड्राईंग प्रतियोगिता का उद्देश्य स्वयंसेविकाओं में चित्र कला कौशल का विकास करना था। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल के रूप में भूगोल विभाग के प्रवक्ता डॉ. अजय प्रताप निषाद, डॉ. शालू सिंह रहें। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बविता (बी.ए. भाग दो) द्वितीय स्थान रूपा साहनी (बी.ए. भाग एक) तृतीय स्थान श्वेता प्रजापति (बी.ए. भाग दो) ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता में कुल 26 लोगो ने प्रतिभाग किया। सभी प्रतिभागियों को कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह तथा किरन सिंह ने शुभकामनाऐं दी।

भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत
(महिला उद्यमिता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला)

17 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में महिला उद्यमिता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पिडीलाइट कम्पनी के अधिकारी श्री अनिल प्रजापति ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि आज के समय में महिलाओ को आत्मनिर्भर होने की आवश्यकता है जिसके लिए उद्यमिता के क्षेत्र में अनेकों विकल्प उपलब्ध हैं।

महिला उद्यमिता से महिलाओं की आर्थिक दशा में सुधार होगा। आज के समय में महिलाएं आर्थिक रूप से पुरुषों से पिछड़ी हुई है। उद्यमिता के माध्यम से महिलाए परिवार, समाज और देश के सम्मान में अपनी स्थिति मजबूत कर सकती है। इस विषय पर स्वयंसेविकाएं ने भी अपने विचार रखें। कार्यक्रम मे स्वयंसेविकाएं, शिक्षक–सुश्री सुनिधि गुप्ता, डॉ. अपूर्वा त्रिपाठी उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी किरन सिंह ने किया।

भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत
(महादेव रानाडे जयन्ती पर व्याख्यान कार्यक्रम)

18 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनो इकाई के संयुक्त तत्वावधान में महादेव रानाडे जयन्ती के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्राणि विज्ञान विभाग के प्रवक्ता डॉ. विनय कुमार सिंह ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि महादेव गोविन्द रानाडे जी जिन्हे हम भारत के 'सुकरात' के नाम से भी जानते है। वे भारत के प्रसिद्ध राष्ट्रवादी, समाजसुधारक विद्वान एवं न्यायविद्वथे। रानाडे जी अपने जीवन काल में अनेक समाजसुधारक संगठनों से प्रभावित रहे। इन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना का समर्थन भी किया। रानाडे जी अपने जीवन काल में कई महत्वपूर्ण पदों पर जैसे– दक्कन एजुकेशनल सोसाइटी के संस्थापकों में से एक, बाम्बे विद्यान परिषद का सदस्य और बाम्बे उच्च न्यायालय का न्यायाधीश के रूप में कार्य किया। महादेव रानाडे बाल विवाह, जातिगत भेदभाव, ऊँच–नीच, के घोर विरोधी थे तथा स्त्री शिक्षा, विधवा पुनर्विवाह के समर्थक थे। महादेव रानाडे भारत के महान राष्ट्रवादी पुरुष थे। मुख्य वक्ता के इस उद्‌बोधन से सभी स्वयंसेविकाओं लाभान्वित हुई उनके जीवन कृतियों से प्रेरित हुई इस अवसर पर सभी स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती किरन सिंह ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया।

भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत
(पौधरोपण कार्यक्रम)

19 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में किया गया। इस कार्यक्रम के द्वारा स्वयंसेविकाओं को वृक्षारोपण के महत्व के प्रति जागरूक किया गया तथा उन्हें बताया गया कि पर्यावरण में बढ़ते प्रदूषण के कारण वृक्षारोपण की आवश्यकता और अधिक हो गई है। इस अवसर स्वयंसेविकाओं ने पौधरोपण किया।

भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत
(जनजागरूकता रैली)

20 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में, जापानी बुखार, मियादी बुखार, डायरिया, आदि उनमूलन हेतु जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिसमें सभी स्वयं सेविकाओं ने राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा अभिग्रहित गाँव हसनगंज में विभिन्न बिमारियों पर जैसे, इंसेफ्लाइटिस, टाइफाइड, डायरिया आदि से बचाव के प्रति जागरूकता रैली निकाली। इस कार्यक्रम में सभी स्वयं सेविकाए एवं कार्यक्रम अधिकारी किरन सिंह उपस्थित रही।

भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत

(निबन्ध प्रतियोगिता : स्वच्छ भारत, श्रेष्ठ भारत)

21 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में स्वच्छ भारत श्रेष्ठ भारत विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गयां जिसमे कुल 30 स्वयंसेविकाओं ने प्रतिभाग किया। प्रथम स्थान सारिका पटेल (बी.कॉम द्वितीय वर्ष), द्वितीय स्थान श्वेता मिश्रा (बी.एस–सी. तृतीय वर्ष) तथा तृतीय स्थान श्वेता प्रजापति (बी.ए. द्वितीय वर्ष) ने प्राप्त किया। निणार्यक मण्डल के रूप में डॉ. नीलम गुप्ता, डॉ. सुभाष गुप्ता, डॉ. विरेन्द्र तिवारी उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी किरन सिंह ने किया।

भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत
(वालीवाल प्रतियोगिता)

21 जनवरी 2019 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में स्वयंसेविकाओं के बीच वालीवाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निर्णायक मण्डल के रूप में महाविद्यालय की शिक्षिकाएं डॉ. आरती सिंह, श्रीमती कविता मन्ध्यान् एवं श्रीमती मनीता सिंह उपस्थित रहीं। प्रतियोगिता में 11–11 के दो समूह बनाया गया। प्रथम समूह का नेतृत्व चाँदनी प्रजापति, श्वेता मिश्रा, शालू कुमारी, कीर्तिरानी, दीक्षा मिश्रा अर्चना, अनुमा, राधा यादव, शोभा, रूपा, नेहा चौहान ने किया तथा दूसरे समूह का नेतृत्व सारिका पटेल, मधु चौहान, इशिका सिंह, चन्द्रकला सिंह, चन्द्रप्रभा सिंह, पूजा यादव, श्वेता प्रजापति, रागिनी पाल, प्रियंका प्रजापति, मनीषा वर्मा, रूपा साहनी ने किया। इस प्रतियोगिता में चाँदनी प्रजापति की टीम विजयी हुई। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी किरन सिंह ने प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।

भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत
(जल संरक्षण पोस्टर प्रतियोगिता)

22 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत जल संरक्षण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन 'राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में किया गया। इस प्रतियोगिता के माध्यम से स्वयंसेविकाओं में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता का प्रसार करना।

कार्यक्रम में कुल 20 स्वयंसेविकाओ ने प्रतिभाग किया प्रथम स्थान पर रूपा साहनी द्वितीय स्थान क्षिप्रारानी, तृतीय स्थान वन्दना भारती ने प्राप्त किया प्रतियोगिता में निणार्यक मण्डल के रूप में डॉ. नीलम दूबे प्रवक्ता भूगोल विभाग, डॉ. विरेन्द्र कुमार प्रवक्ता कम्प्यूटर सांइस विभाग, डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता प्रवक्ता वाणिज्य विभाग रहे। कार्यक्रम का संयोजन कार्यक्रम अधिकारी किरन सिंह ने किया।

भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत
(नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती कार्यक्रम)

23 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग की प्रवक्ता सुश्री सुनिधि गुप्ता ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि 23 जनवरी 1897 का दिन विश्व इतिहास में सुनहरे अक्षरो से लिखा जायेगा क्योकि इस दिन स्वतंत्रता के महानायक बाबू सुभाषचन्द्र बोस का जन्म हुआ था। उन्होंने भारत को स्वतंत्र कराने के लिए अथक प्रयास किये तथा आजाद हिन्द फौज का गठन भी किया। नौजवानों को प्रेरित करने के लिए ''तुम मुझे खुन दो, मैं तुम्हे आजादी दूंगा'' का जोशीला नारा दिया जिसे सुनते ही युवाओ के हृदय में देश प्रेम की भावना जागृत हो जाती थी। भारत माँ को स्वतंत्र कराने के लिए इन्होंने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। स्वतंत्र भारत की अमरता की जयघोष करने वाले, राष्ट्रप्रेम की ज्योति जलाने वाले, भारत माँ के वीर सपूत का 16 अगस्त 1945 को एक विमान दुर्घटना में देहान्त हो गया। हम उनके जीवन के कृतियों से सदैव प्रेरित होते रहेंगे। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी, स्वयं सेविकाएं तथा कार्यक्रम अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत
(कबड्डी प्रतियोगिता)

24 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में स्वयंसेविकाओं के बीच कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मन्ध्यान् रहीं। कबड्डी प्रतियोगिता में अर्चना, अनुमा, दीक्षा, कीर्तिरानी, राधा, रूपा साहनी, श्वेता प्रजापति, मनीषा वर्मा, पारुल सिंह, प्रभा सिंह, चाँदनी प्रजापति, पूजा शर्मा, पूजा यादव, शालू कुमारी, पुनीता आदि स्वयंसेविकाएं ने सहभाग किया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी किरन सिंह ने किया।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर विशिष्ट व्याख्यान एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम

25 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में राष्ट्रीय संविधान दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वयंसेविकाओं में मतदान को अपना कर्त्तव्य समझने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम के मुख्य वक्ता महाविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान विभाग के प्रवक्ता डॉ. कृष्ण कुमार पाठक ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए मतदान दिवस अहम है। प्रत्येक व्यक्ति को शपथ लेनी चाहिए की वह अपने मत का प्रयोग अवश्य करेगा क्योकि प्रत्येक व्यक्ति का वोट देश की भावी भविष्य की नींव रखता है। भारत सरकार ने 2011 से वोट में भागीदारी बढ़ाने के लिए निवार्चन आयोग की स्थापना दिवस को ही राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाये जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि एक अकेले व्यक्ति का मत भी अहम होता है। एक मत से एक अच्छा प्रतिनिधि या बुरा प्रतिनिधि का चयन हो सकते है। इसलिए हम सोच समझकर ऐसे प्रतिनिधि का चुनाव करे जो देश को विकास एवं तरक्की पर ले जा सके। राष्ट्रीय मतदाता दिवस का उद्देश्य केवल मतदान में भागीदारी नहीं बल्कि एक साफ–सुथरी छवि का प्रतिनिधि चुनने के लिए समाज को जागरूक भी करना है। अतः हम सभी लोकतंत्र को मजबूत करने का संकल्प लेते हैं। उद्बोधन के पश्चात् शपथ ग्रहण कार्यक्रम किया गया।

डॉ. कृष्ण कुमार पाठक ने सभी स्वयंसेविकाओं, शिक्षक, विद्यार्थी कर्मचारी आदि को शपथ दिलाई कि हम भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते है कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वंत्रत, निष्ठा एवं शन्तिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण रखते हुए निर्भिक होकर धर्म, जाति, वर्ग, समुदाय, भाषा अथवा किसी भी प्रकार प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगें। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी किरन सिंह ने किया।

गणतंत्र दिवस समारोह

26 जनवरी को भारत– भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 71वें गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन पूरे हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्राचार्य द्वारा ध्वजारोहण से हुआ। ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत के पश्चात विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों यथा–एकलनृत्य, कविता पाठ, देशभक्ति व्याख्यान, सामूहिक नृत्य तथा राष्ट्रीयता से परिपूर्ण नाटक आदि का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कर्नल वी.बी.शाही ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें नाम, नमक तथा निशान की कीमत समझनी चाहिए। देश को आजाद कराने में सभी वर्गो ने अपना सर्वोच्च बलिदान किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. फूलचन्द गुप्ता ने कहा कि हमें अपने देश की मिट्टी के लिए सर्वस्व अर्पण करने की भावना सदैव रखनी चाहिए। छात्रसंघ प्रभारी श्री नन्दन शर्मा ने अपने उद्बोधन मे कहा कि गणतंत्र दिवस की प्रासंगिकता हम सभी के लिए महत्वपूर्ण है। हमे भारतीय संविधान की मूल भावना को समझना चाहिए तथा लोकतंत्र के विकास में अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता को भी सुनिश्चित करना चाहिए।

कार्यक्रम के अन्त में महाविद्यालय के प्राचाग्र डॉ. प्रदीप कुमार राव ने सभी स्वयंसेविकाओं शिक्षकों, विद्यार्थी एवं कर्मचारी को गणतंत्र दिवस की बधाई दी तथा कहा कि आज का दिन संकल्प सिद्धि का दिन है, भारत माता के अमर सपूतों ने बलिदान होकर हमें आजादी दिलवाई उनको याद करने का दिन है यह हमारा परम कर्त्तव्य है कि हम सभी उनके द्वारा बताये गये रास्तों पर चलकर देश को विकास एवं तरक्की की दिशा में अनवरत ले चलें। प्राचार्य द्वारा प्रेरणापूर्ण भाषण से सभी स्वयंसेविकाएं/स्वयंसेवक, शिक्षक, कर्मचारी लाभान्वित हुए।

सांस्कृतिक कार्यक्रम समाप्ति के बाद राष्ट्रीय सेवा योजना की बैठक हुई। बैठक में सप्तदिवसीय विशेष शिविर को लेकर चर्चा की गई। यह सामूहिक बैठक डॉ. अविनाश प्रताप सिंह एवं श्री सुबोध कुमार मिश्र के सहयोग से सम्पन्न हुई। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी किरन सिंह ने किया।

गोरखनाथ मंदिर सेवाकार्य

28 जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में गोरखनाथ मन्दिर सेवा कार्य किया गया। स्वयं सेविकाओं में समाज के प्रति अपनी कुछ जिम्मेदारियों के निवर्हन तथा अपने बहुमूल्य समय में से कुछ समय समाज में व्यतीत करने के उद्देश्य से इस सेवाकार्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

28 जनवरी को बुढ़वा मंगलवार के अवसर पर गोरखनाथ मन्दिर के दर्शन हेतु भारी संख्या में श्रद्धालु दूर–दूर से आते हैं। इन श्रद्धालुओ को किसी प्रकार की समस्या न हो इसके लिए जगह–जगह पर स्वयं सेविकाये उपस्थित रहती हैं तथा यथासम्भव उनकी मदद करती है जिससे मंदिर परिसर में शन्तिपूर्ण ढंग से सभी श्रद्धालु दर्शन करते हैं। यह सेवा कार्य प्रातः 09:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक रहता है। भीषण ठण्डी में भी निर्भिक सभी स्वयंसेविकाएं सेवाभाव से अपने सेवा कार्य में लगी रहती हैं। सभी स्वयंसेविकाएं पूरी श्रद्धा भक्ति के साथ दर्शन हेतु आये श्रद्धालुओ को बिना किसी भेदभाव के सेवा देती है। इस सेवा कार्य में स्वयंसेविकाएं, शिक्षक, कर्मचारी एवं कार्यक्रम अधिकारी आदि भी उपस्थित रहते हैं।

महिला प्रवेश द्वार
नगर निगम, गोरखपुर

तृतीय एक दिवसीय शिविर

31 जनवरी 2020 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में गुरू श्रीगोरक्षनाथ इकाई का तृतीय एक दिवसीय शिविर 'सिंग्लयुज प्लास्टिक मुक्त भारत' विषय पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वयंसेविकाओं में बढते प्लास्टिक के दूरगामी परिणाम के प्रति सचेत करना था।

एक दिवसीय शिविर का प्रारम्भ प्रातः 09:30 से शुरू हुआ। प्रातः 09:30 पर सभी स्वयंसेविकाए महाविद्यालय प्रंगण में क्रमबद्ध उपस्थित होकर राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा अभिग्रहित गाँव हसनगंज में प्लास्टिक मुक्त की जगरूकता फैलाने निकल पड़ी। गाँव वालो को प्लास्टिक के भीषण दूरगामी परिणाम को बताया। शिविर स्थल पर पहुँचने के बाद सभी स्वयं सेविकाओं ने 10–10 का समूह बनाया और घर–घर जाकर के प्लास्टिक प्रदूषण के विषय में चर्चा की। उन्होंने सभी को प्लास्टिक से नुकसान जैसे यदि प्लास्टिक भूमि मे रहेगी तो खेत बंजर हो जाऐगें, यदि नाली में रहेगी तो नाली चोक होगी जिससे जल जमाव होगा। यदि इसको जलाते है तो हवा खराब होगी इत्यादि। इस तरह प्लास्टिक के हानिकारक परिणाम बताने के बाद गाँव वालो का एकत्रित करके प्लास्टिक के दुश्परिणाम पर नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया। बौद्धिक सत्र में प्लास्टिक के दुश्परिणाम विषय पर विचार विमर्श हुआ जिसमें स्वयंसेविकाओं में–दीक्षा मिश्रा, चन्द्रकला, सारिका, श्वेताा मिश्रा, चन्द्रप्रभा सिंह, चाँदनी प्रजापति, राधा यादव एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिह एवं किरन सिंह आदि ने प्लास्टिक उपयोग ने करने पर अपने–अपने विकल्प रखे। इस अवसर पर सभी स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहीं। सभी को कार्यक्रम अधिकारी किरन सिंह ने धन्यवाद दिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना
स्वच्छ गोरखपुर
विकसित गोरखपुर

चतुर्थ एक दिवसीय शिविर

21 फरवरी 2020 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में गुरू श्रीगोरक्षनाथ इकाई का चतुर्थ तक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर स्थली महाविद्यालय प्रांगण था।

चतुर्थ एक दिवसीय शिविर मातृभाषा दिवस के अवसर पर सम्पन्न हुआ। 03 घण्टे को स्वैच्छिक श्रमदान के पश्चात् बौद्धिक सत्र प्रारम्भ हुआ। बौद्धिक सत्र में मुख्य वक्ता श्री सुबोध कुमार मिश्र ने मातृभाषा दिवस पर अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होने अपने उद्‌बोधन में कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस को मनाने का उद्‌देश्य भाषाओं और भाषाई विविधता को बढ़ावा देना है। यूनेस्को के निर्णय के बाद 1999 से प्रतिवर्ष 21 फरवरी को अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत में 29 भाषाएं ऐसी है जिन्हें बोलने वालो की संख्या लगभग दस लाख है। 07 भाषा ऐसी है जिन्हे बोलने वाले एक लाख लोग है। हमें ऐसी भाषाओं को संरक्षित करना है। 21 फरवरी 2020 को अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की थीम विकास–शान्ती और संधि में देशज भाषाओं के मामले है। संयुक्त राष्ट्रसंघ के अनुसार विश्व में कुल बोली जाने वाली भाषाएं 6900 है जिसमें 10 सर्वाधिक बोली जाने वाली जापानी, अंग्रेजी, रूसी, बांग्ला, पुर्तगाली, अरबी, मंदारिन, हिन्दी और स्पैनिश है। इस अवसर पर सभी स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सौरभ कुमार सिंह एवं आभार ज्ञापन किरन सिंह ने किया।

सप्त दिवसीय विशेष शिविर

02 से 08 फरवरी, 2020 को राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत संचालित हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप एवं गुरु श्रीगोरक्षनाथ इकाई का सप्त दिवसीय (दिन-रात) विशेष शिविर अभिगृहित गांव हसनगंज, गोरखपुर में सम्पन्न हुआ।

सप्तदिवसीय विशेष शिविर उद्घाटन समारोह

02 फरवरी 2020 को स्वयंसेवक प्रातः 07 बजे शिविर स्थल पर उपस्थित हुए। शिविर स्थल की साफ–सफाई, भोजन एवं निवास व्यवस्था करने के बाद प्रातः 08:00 बजे चाय–नाश्ता एवं जलपान करने के पश्चात प्रातः 09:00 बजे से 01:00 बजे तक सभी स्वयंसेवकों द्वारा अभिगृहित गांव हसनगंज में स्वास्थ्य, स्वच्छता, साक्षरता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए जनजागरण रैली का अयोजन किया गया।

रैली शिविर स्थल से तख्ती, बैनर, पोस्टर एवं नारा लगाते हुए गांव पहुंची। स्वयंसेवक 05–05 संख्या वाली टोलियों में घर–घर जाकर गांव वासियों को स्वास्थ्य, साक्षरता एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। जनजागरण के बाद स्वयंसेवको/सेविकाओं ने उद्घाटन सत्र का मंच तैयार किया इस सात दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन कार्यक्रम शिविर स्थल महाराणा प्रताप कृषक इंटर कालेज, हसनगंज, जंगल धूसड़ में अपराह्न 02:00 बजे सम्पन्न हुआ।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वय डॉ. केशव सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना अपने कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं में एक नवीन और मानवीय दृष्टि पैदा करता है। सात दिवसीय यह विशेष शिविर जो पूरे तौर पर आवासीय होता है स्वयं सेवकों/सेविकाओं में समयबद्धता दृढ़ इच्छाशक्ति, अनुशासन, त्याग एवं समर्पण की भावना को परिवद्धित करने का बड़ा साधन है। शिविराथियों में एक साथ रहनें की प्रवृति विकसित होती है। जिसमें सामूहिकता की भावना का विकास होता है। अभाव और कम संसाधन में जीवन जीने की ताकत पैदा करने में यह शिविर बहुत सहायक होता है। इस सप्त दिवसीय विशेष शिविर का स्वयंसेवकों/सेविकाओं के जीवन में विशेष महत्व है।

उद्घाटन कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि महाराणा प्रताप कृषक इंटर कालेज, जंगल धूसड़, के प्रधानाचार्य श्री संदीप कुमार ने कहा कि देश का युवा ही देश का भविष्य है। युवाओं की ऊर्जा से ही देश का सकरात्मक विकास तय होता है। राष्ट्रीय सेवा योजना देश की युवा शक्ति को सही दिशा दिखाने का अच्छा माध्यम है। भावी भारत की तस्वीर बनाने वाला युवा राष्ट्रीय सेवा योजना की अनेक सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक गतिविधियों से प्रेरणा प्राप्त कर समाज में अपनी सकारात्मक भूमिका सुनिश्चित करता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि शिक्षा के साथ–साथ सामाजिक समझ का विकास ही व्यक्तित्व विकास का मूल मंत्र है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने इस सप्त दिवसीय विशेष शिविर की प्रस्तावित प्रस्तुत की।

इस अवसर पर समाजशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर बृजभूषण लाल ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया तथा आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती किरन सिंह ने किया। इससे पूर्व सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत, राष्ट्रीय सेवा योजना गीत आदि से प्रारम्भ हुआ कार्यक्रम राष्ट्रगीत के साथ सम्पन्न हुआ।

सप्तदिवसीय विशेष शिविर का दूसरा दिन

03 फरवरी, 2020 को सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन प्रातः सत्र में स्वामी विवेकानन्द केन्द्र चेन्नई से योग में प्रशिक्षित श्री कृष्ण कुमार सिंह द्वारा प्रातः 07:00 बजे से 08:00 बजे तक स्वयंसेवकों को योग प्राणायाम के विविध आसनो–अनुलोम–विलोम कलापभांति, भ्रस्तिका, भ्रामरी, सूर्य नमस्कार आदि का अभ्यास करवाया गया। प्रातः 08:00 बजे से 09:00 बजे तक चाय, नास्ता, जलपान, करने के बाद स्वयंसेवकों द्वारा अभिगृहित गांव हसनगंज में स्वास्थ्य एवं साक्षरता पर गांव वासियों का सर्वे किया गया। सर्वे का उद्देश्य विशेषकर महिलाओं और बच्चों की वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त करना था। तत्पश्चात नुक्कड़–नाटक के माध्यम से गांव वासियों का स्वस्थ एवं स्वच्छ रहने के लिए जागरूक एवं प्रेरित किया। जन–जागरण कार्यक्रम के बाद महाविद्यालय परिसर एवं योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम में स्वयंसेवकों–स्वयं सेविकाओं एवं बौद्धिक सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. दिनेश कुमार सिंह के द्वारा रूद्राक्ष, कपूर, मौलश्री, पिस्ता, हींग एवं अन्य औषधीय पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षा एवं जल संरक्षण का दूरगामी संदेश दिया गया। तत्पश्चात बौद्धिक सत्र का आयोजन किया गया।

बौद्धिक सत्र के मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश वविद्यालय के प्राणि

विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार सिंह ने पर्यावरण संरक्षा एवं जल संरक्षण विषय पर स्वयंसेवाकों एवं स्वयंसेविकाओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण का सर्वाधिक ज्ञान हमारे वेद में उपलब्ध है। मनुष्य को प्राकृतिक नियमों के साथ जीवन जीने की वृहद शिक्षा भारतीय ग्रन्थों में सर्वव्याप्त है। विगत पांच छः दशकों में हमारी संवेदना और चेतना में गिरावट आयी है जिसके कारणस पृथ्वी के गर्भ से लेकर सुदूर अन्तरिक्ष तक वातावरण दुष्प्रभावित हुआ है। जैव विधिता का कम होना और भूमि का अधिक से अधिक दोहन होना पर्यावरण के लिए संकट बनता जा रहा है।

प्रो. दिनेश कुमार सिंह ने आगे कहा कि धरती पर जीवन की सुरक्षा के लिए पर्यावरण के प्रति संवेदनशील दृष्टि का होना अत्यन्त आवश्यक है। वर्तमान में बाजारवादी जीवन शैली ने आज पर्यावरण के प्रदूषण माध्यम से सम्पूर्ण मानव जगत के समक्ष बड़ी चुनौती खड़ी की है। एक तरफ विज्ञान के क्षेत्र में असीमित प्रगति और नित नूतन आविष्कारों ने बड़ी उपलब्धि प्राप्त की है। आज मनुष्य चन्द्रमा तक पहुंच गया है, वहीं।दूसरी तरफ इसके कारण प्राकृतिक संतुलन भी बिगड़ा है। औद्योगीकरण एवं शहरीकरण की तीव्र गति एवं जनसंख्या की निरन्तर वृद्धि ने वन सम्पदा को बहुत नुकसान पहुंचाया है। आज पर्यावरण प्रदूषण के कारण इस धरती पर विविध प्रकार की अनगिनत समस्यायें हम सब के सामनें खड़ी हैं। इस क्रम में कारखानों से निकलने वाले विषैले

अपशिष्ट तथा प्लास्टिक कचरा एक अलग चुनौती दे रहे हैं। पर्यावरण प्रदूषण के कारण बड़े पैमाने पर जल प्रदूषण का संकट बढ़ा है। वही दूसरी तरफ जल की उपलब्धता भी वर्तमान में मानव जीवन के समक्ष चुनौती बन कर खड़ी है। बहुत आवश्यक है कि जल की बरबादी को रोकें और जल संरक्षण की समुचित व्यवस्था की जाये। जल संरक्षण के प्रति प्रत्येक मानव को जागरूक करना महत्वपूर्ण है। जल प्रदूषण और पीने लायक जल की सीमित होती मात्रा आज सम्पूर्ण दुनियां के लिए चुनौती बना हुआ है। यद्यपि कि वैश्विक स्तर पर जल संकट को लेकर चिन्ता को जाहिर किया जा रहा है, लेकिन इस दिशा में समाधान के लिए संतोषजनक प्रयास नहीं हो रहा है। भारत में लगभग सभी नदियां प्रदूषित है, जिसकी सफाई की जिम्मेदारी सरकार ने अपने कन्धे पर लिया है। इस दिशा में यद्यपि कि संतोषजनक प्रयास किये जा रहें है, तथापि अभी और प्रयास की आवश्यकता है। नमामि गंगे परियोजना गंगा की सफाई में विशेष महत्वपूर्ण है। यहां यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि केवल सरकार के माध्यम से जल प्रदूषण को समाप्त नही किया जा सकता है, बल्कि प्रत्येक नागरिक के इसके लिए ने केवल जागरूक होना होगा वरन् अपने व्यवहार में भी सुधार लाना होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. विजय कुमार चौधरी तथा संचालन बी.ए. द्वितीय वर्ष के स्वयंसेवक सत्यप्रकाश तिवारी ने किया। अतिथि का आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने किया इस अवसर पर स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने भी अपने–अपने विचार रखे।

सप्तदिवसीय विशेष शिविर का तीसरा दिन

04 फरवरी 2020 को सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन प्रातः सत्र में स्वामी विवेकानन्द केन्द्र चेन्नई से योग में प्रशिक्षित श्रीकृष्ण कुमार सिंह द्वारा प्रातः 07 बजे से 08 बजे तक स्वयंसेवकों को योग प्राणायाम के विविध आसनों यथा सूर्य नमस्कार, मण्डुकासन, भुजंगासन आदि का अभ्यास कराया गया। प्रातः 08 बजे से 09 बजे तक जलपान करने के बाद स्वयं सेवकों एवं सेविकाओं द्वारा 05–05 की संख्या में टोली बनाकर 09 बजे से अभिगृहित गावं में विविध सरकारी योजनाओं यथा–उज्ज्वला योजना, अटल पेशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजन, स्टार्ट अप इण्डिया, प्रधानमंत्री जनधन योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना, प्रधानमंत्री फसल योजना, डिजिटल इण्डिया, बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत अभियान, जनधन योजना, सांसद आर्दश ग्राम योजना प्रधानमंत्री कौशल विकास योजनाओं के विषय में घर घर जाकर बताया एवं जागरूक किया।

तत्पश्चात बौद्धिक सत्र का अयोजन किया गया। बौद्धिक सत्र के मुख्य अतिथि किसान पी.जी. कालेज सेवरही, कुशीनगर के पूर्व प्राचार्य एवं प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय जी ने व्यक्तित्व विकास के विभिन्न आयाम विषय पर शिविरार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि व्यक्तित्व ही व्यक्ति के सामाजिक जीवन की रीढ़ होता है।

सकारात्मक एवं सुसंस्कृत व्यक्तित्व व्यक्ति को मानव से महामानव बनाने का मार्ग प्रशस्त करता है। व्यक्तित्व का निमार्ण व्यक्ति के अनुभवजन्य ज्ञान के आधार पर होता है। आत्मानुशासन, संयम, समयबद्धता तथा संस्कार आदि ऐसे गुण है जो व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास के विविध उपागम हैं। इन गुण रूपी सोपानों को चढ़कर ही व्यक्ति सामाजिक जीवन के विकास की ओर उन्मुख होता है। संस्कार एवं दृष्टिकोण का निर्माण होता है। वस्तुतः ज्ञान और शील का संयोजन ही व्यक्तित्व कहलाता है। व्यक्ति के सफल एवं सकारात्मक व्यक्तित्व की सफलता तभी है जब उसके व्यक्तित्व के कारण समाज उसकी ओर आकृष्ट हो और उसका अनुसरण प्रारम्भ कर दे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मन्ध्यान ने कहा कि हम युवाओं को शिविर की जीवन चर्या को अपने सामाजिक जीवन में आत्मसात करना चाहिए। मनुष्य के जीवन में सामाजिकता, सामूहिकता तथा सामूदायिकता जैसे गुण इसी प्रकार के शिविरों के माध्यम से प्रस्फुटित होते हैं। युवा को वायु की भांति सतत क्रियाशील होना चाहिए। निश्चय ही राष्ट्रीय सेवा योजना की सफलता तभी सम्भव है जब ऐसे शिविरों से प्रशिक्षण प्राप्त कर युवा कर्मयोगी बनकर समाज तथा राष्ट्र का`एक दिशा देने में प्राण–प्रण से संलग्न हो जाए।

कार्यक्रम का संचालन बी.ए. प्रथम वर्ष के स्वयंसेवक अभिषेक कुमार सिंह ने किया जबकि राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने अतिथि के प्रति आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम में चन्द्रप्रभा, ईशिका शिवंगी, सारिका, चांदनी, सत्यप्रकाश, सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा, संतोष यादव, राहुल यादव, सूरज गुप्ता आलोक कुमार, संदीप तिवारी आदि स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं ने विविध प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुती दी।

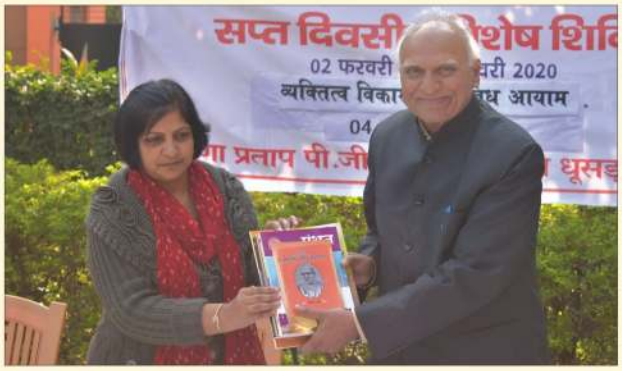

सप्तदिवसीय विशेष शिविर का चौथा दिन

05 फरवरी, 2020 को सप्त दिवसीय विशेष शिविर का चौथा दिन प्रातः सत्र में योग व्यायाम तथा श्रमदान करने के साथ प्रारम्भ हुआ। शिविरार्थियों ने अभिगृहित ग्राम हसनगंज में 05–05 सदस्यों वाली टोलियों में घर–घर जाकर स्वास्थ्य से सम्बन्धित विभिन्न बिमारियों के कारण एवं उनसे बचाव के उपाय को बताते हुए उन्हें जागरूक किया। साथ ही प्रदेश सरकार एवं केन्द्र सरकार द्वारा चलाये जा रहे स्वास्थ्य सम्बन्धी विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी एवं अगले दिन (06 फरवरी) गांव में राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत लगने वाले निःशुल्क चिकित्सा शिविर के बारे में भी घर–घर जाकर जानकारी दी तथा उन्हें मेडिकल कैम्प में आने के लिए प्रेरित किया।

सप्तदिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन बौद्धिक सत्र के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खडगवासला के सेवानिवृत्त ऐसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजेन्द्र भारती जी ने व्यक्तित्व के अनुशासनात्मक पहलू विषय पर शिविरार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना और अनुशासन दोनों एक दूसरे के पर्याय है। राष्ट्रीय सेवा योजना न सिर्फ समाजसेवा का एक बड़ा माध्यम है अपितु व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास और सामुदायिक दायित्व का बोध कराने वाला एक बड़ा मंच भी है। युवाओं में अनुशासन एक प्रकार से जीवन दर्शन का बड़ा हिस्सा है। वर्तमान समय की चुनौतियों का सामना करने में अनुशासन सबसे बड़ा माध्यम है। जीवन को उपलब्धियों के शिखर तक ले जाने में अनुशासन की महत्ता असंदिग्ध है। त्याग और परिश्रम के कठोर अनुशासन में युवा अपने जीवन को तराशे। समयबद्धता और दृढ़ इच्छाशक्ति से अनुशासन का अभिव्यक्तिकरण होता है। चरित्र एवं दृष्टि की ईमानदारी व्यक्ति को और प्रभावी बनाती है। सेना का अनुशासन और समयबद्धता की उपयोगिता सामाजिक जीवन के लिए वर्तमान समय में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने आगे कहा कि जीवन के प्रत्येक पल का सदुपयोग अनुशासित ढ़ंग से

करना ही व्यक्तित्व विकास का सार्थक प्रयास है। बड़ा बनने के लिए, अच्छा करने के लिए, महान बनने के लिए, जीवन में तपस्या (अनुशासन) का मार्ग अपनाना ही होगा। जीवन की ऊँचाई प्राप्त करने के लिए संकल्प के साथ चुनौतियों का सामना करना महत्वपूर्ण है। वस्तुतः जीवन की सफलता के लिए प्रथम शर्त अनुशासन के साथ कठोर परिश्रम करना है।

बौद्धिक सत्र में अपना विचार व्यक्त करते हुए स्वयंसेवक सत्यप्रकाश तिवारी ने कहा कि जीवन में अनुशासन का अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है। अनुशासन से ही कुशल एवं सफल व्यक्तित्व का निर्माण होता है। अनुशासन ही व्यक्तित्व विकास का आधार है। अनुशासन का तात्पर्य नियमों, व्यवस्थाओं एवं सिद्धान्तों का व्यवहारिक जीवन में अक्षरशः अनुपालन से है।

राष्ट्रीय सेवा योजना व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास और सामुदायिक दायित्व बोध का बड़ा मंच है। युवाओं में अनुशासन एक प्रकार से जीवन दर्शन का बड़ा हिस्सा है। वर्तमान समय की चुनौतियों का सामना करने में अनुशासन सबसे बड़ा माध्यम है। जीवन की उपलब्धियों को शिखर तक ले जाने में अनुशासन सर्वाधिक महत्वपूर्ण परिवार, संस्था, संगठन, समाज एवं राष्ट्र की उन्नति तभी सम्भव है, जब वह अनुशासन के दायरें में रह कर अपने उत्तर दायित्वों का निर्वहन करे। हर मनुष्य का अपना–अपना व्यक्तित्व होता है। संवाद शैली तथा सकारात्मक चिंतन आदि कुछ ऐसे गुण हैं जिनके प्रभाव मे निर्मित व्यक्तित्व अनुकरणीय बन जाता है। राष्ट्रीय सेवा योजना ऐसे ही कुशल एवं प्रभावी व्यक्तित्व के निर्माण का व्यापक मंच है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यमय से युवा अपने व्यक्तित्व में नेतृत्व क्षमता, सामूहिकता एंव सामूदायिकता की भावना तथा दायित्वबोध की भावना का विकास करता है और आगे चलकर यही युवा समाज तथा देश के उत्थान में अपनी भूमिका सुनिश्चित करता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता ने कहा कि 'व्यक्तित्व विकास में वंशानुक्रम तथा परिवेश दो प्रधान तत्व

होते हैं। वंशानुकम व्यक्ति को जन्मजात शक्तियां प्रदान करता है तथा परिवेश उसे इन शक्तियों को सिद्ध करने की सुविधाऐं एवं संसाधन मुहैया कराता है।

कार्यक्रम का संचालन बी.ए. द्वितीय वर्ष के स्वयंसेवक प्रकाश पाण्डेय ने किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने अतिथि का स्वागत किया एवं श्रीमती किरन सिंह द्वारा अतिथियों का आभार ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों/सेविकाओं ने विभिन्न संस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में सभी स्वयंसेवक/सेविकाओं सहित महाविद्यालय के शिक्षक कर्मचारी उपस्थित रहें।

सप्तदिवसीय विशेष शिविर का पाँचवा दिन

06 फरवरी 2020 को सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवें दिन प्रातः सत्र में स्वामी विवेकानन्द केन्द्र चन्नई से योग में प्रशिक्षित श्री कृष्ण कुमार सिंह द्वारा योग के विविध उपागम जैसे प्राणायाम, कपालभाति, सूर्यनमस्कार, भ्रस्तिका, भ्रामरी आदि का अभ्यास कराया गया। इसके बाद 08:00 बजे से स्वयंसेवकों/सेविकाओं द्वारा अभिगृहीत ग्राम हसनगंज में स्वास्थ्य एवं जनजागरण कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामवासियों को स्वास्थ्य से सम्बन्धित समस्याओं के निदन के लिए प्रेरित किया तत्पश्चात 11:00 बजे गोद लिय गये गांव हसनगंज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में चारगांव ब्लाक के प्राथमिक उपाचार केन्द्र के चिकित्सकों की टीम द्वारा ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें निःशुल्क दवा भी वितरित किया गया। ग्रामवासियों नें इस सेवा का लाभ लिया। गांव में स्वयंसेविकाओं द्वारा 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं' अभियान के अन्तर्गत कन्या भ्रूण हत्या पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर ग्रामवासियों को जागरूक किया गया।

सप्त दिवसीय विशेष शिविर के पांचवें दिन बौद्धिक सत्र के मुख्य अतिथि भटवली महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. बलवान सिंह जी ने शारीरिक एवं मानसिक समस्याओं का योग द्वारा उपचार विषय पर शिविरार्थियोंय को सम्बोधित करते हुए कहा कि योग अपने आप में समग्र है। योग मनुष्य को प्रकृति से जोड़ता है। योग शरीर, मन और आत्मा को नियंत्रित कर योग मनुष्य की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है। वास्तव में शरीर और मानसिक अनुशासन के बीच संतुलन बनाने में अत्यधिक महत्वपूर्ण है। यह तनाव और चिंता को समाप्त करके मन को

शान्त और आचरण को शील बनाता है। योग मनुष्य में आत्म विश्वास पैदा करने का सबसे प्रभावी माध्यम है।

योग से आनन्द की अनुभूति होती है। वर्तमान जीवन के आपा–धापी भरे माहौल ने आज मानव जीवन के समक्ष बड़ी चुनौती पैदा की है। इन चुनौतियों का समग्र समाधान योग विज्ञान में ही सम्भव है। मेडिटेशन से बड़ी और गम्भीर से गम्भीरस समस्या का समाधान किया जा सकता है। विविध प्रकार के पर्यावरण असंतुलन और विज्ञान की प्रगति के कारण संसाधनों को अन्धाधुंध प्रयोग से इस ब्रम्हांड की प्रकृति ही बढ़लने लगी है। योग के विविध आयामों के माध्यम से मानव जीवन से समक्ष उपस्थित विविध बिमारियों का समाधान किया जा सकता है।

उन्होंने उपस्थित स्वयंसेवकों एवं सेविकाओं से उनकी व्यक्तिगत समस्याओं को जानने के क्रम में उनसे पूछा तो उत्तर में अत्यधिक क्रोध आना, माइग्रेन की समस्या, बाल का अत्यधिक झड़ना, मोटापा का होना इत्यादि समस्याएं ज्ञात हुई। उन्होंने बताया कि इन समस्याओं का समाधान योग का नियमित अभ्यास द्वारा सम्भव है साथ ही उन्होंने स्वयंसेवकों स्वयंसेविकाओं को योग के विविध आसन कर के सिखाया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कम्प्यूटर सांइस विभाग के प्रवक्ता श्री हरविन्द श्रीवास्तव ने कहा कि योग व्यक्ति को तरो–ताजा और स्फूर्ति बनाए रखता है। योग दिमाग के दोनों हिस्सों को दूरुस्त बनाता है। जिसमें आन्तरिक संचार ठीक होता है तथा सृजनात्मकता की क्षमता भी बढ़ता है। योग मनुष्य में रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ता है, आज के युवाओं के लिए योग संजीवनी का कार्य करता है। अतिथि स्वागत श्रीमती पुष्पा निषाद जी द्वारा एवं आभार कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह द्वारा तथा कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक सूरज गुप्ता द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

दिवसीय विशेष
02 फरवरी से 08 फरवरी 2020
06 फरवरी 2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
सप्त दिवसीय विशेष शिविर
02 फरवरी से 08 फरवरी 2020
06 फरवरी 2020

सप्तदिवसीय विशेष शिविर का छठा दिन

07 फरवरी 2020 को सप्तदिवसीय विशेष शिविर के छठे दिन प्रातः सत्र में योग व्यायाम एंव श्रमदान करने के बाद शिविरार्थियों ने अभिगृहित गांव हसनगंज में जन जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामवासियों को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने का संदेश दिया। स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत गांव में श्रमदान कर गांव की सड़कों, खड़ंजा, गलियों एवं नालियों की साफ–सफाई की तथा गांववासियों को स्वच्छता का महत्व बताते हुए उन्हें स्वच्छ भारत अभियान का संदेश दिया।

सप्तदिवसीय विशेष शिविर के छठे दिन द्वितीय सत्र में बौद्विक परिचर्चा के मुख्य अतिथि बी.आर.डी. मेडिकल कालेज के इन्सेफलाटिस अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. बी. के. श्रीवास्तव जी 'स्वच्छता और स्वास्थ्य विषय पर शिविरार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ होना एक मानसिक स्थिति है। शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक रूप से सुयोग्य होना ही स्वस्थ होने का अर्थ है। स्वस्थ होने के लिए मनोवृत्तियों की एकाग्रता का होना अपरिहार्य है। ऊर्जा का सकारात्मक संयोजन स्वास्थ्य की दिशा का निर्धारक होता है। कार्यक्षमता के विस्तार के लिए शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य आवश्यक होता है। स्वास्थ्य रहने के लिए दिनचर्या का समुचित निर्धारण महत्पूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों में आदिकाल से यह मान्यता है कि जहां स्वच्छता होती है, वहीं लक्ष्मी का वास होता है। इस पौराणिक उक्ति का वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अवलोकन कर हम कह कर सकते है कि जहां स्वच्छता होती है, वहीं पर उत्तम स्वास्थ्य भी होता है। वास्तव में स्वच्छता का स्वास्थ्य से गहरा सम्बन्ध होता है। एक स्वस्थ युवा ही आने वाले सशक्त भारत के निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित कर सकता है। स्वच्छता अपनाने वाला प्रत्येक व्यक्ति बहुधा व्याधियो से मुक्त रहता है। अतः प्रत्येक व्यक्ति को अपने दैनिक दिनचर्या में स्वयं स्वच्छता का ध्यान रखते हुए दूसरों को भी इस हेतु प्रेरित करते रहना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि स्वच्छ नागरिक ही स्वस्थ्य राष्ट्र के निर्माता होते है। शारीरिक स्वच्छता से लेकर मन की स्वच्छता और यहां तक की आचारण व्यवहार एवं भ्रष्टाचार मुक्त धन की स्वच्छता को समाविष्ट कर के ही भारत के पुनर्निर्माण की नींव रखी जा सकती है। स्वयं का घर, ग्राम, नगर, प्रान्त की गन्दगी समाप्त होने के बाद ही देश का स्वस्थ्य होना सम्भव है। तन,मन,धन एवं आचरण की शुद्धता के बाद ही भारत देश का नवीन एंव मजबूत स्वरूप सामने आएगा। जब राष्ट्र तमाम प्रकार की गन्दगियों से मुक्त होगा तभी मां भारती का अभिनन्दन सार्थक होगा। इस दिशा में हम सभी को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के स्वस्थ्य पहल 'स्वच्छ भारत अभियान' का न सिर्फ पुरजोर समर्थन करना चाहिए अपितु अधिक से अधिक लोगों को भी इस हेतु प्रेरित करना चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन बी.ए.तृतीय वर्ष की स्वयंसेविका सुश्री दीक्षा मिश्रा ने किया। राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती किरन सिंह ने अतिथियों का आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर स्वयंसेवक, स्वयंसेविकाओं सहित समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शिविरार्थियों द्वारा विविध प्रकार के संस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

राष्ट्रीय सेवा योजना
सप्त दिवसीय विशेष शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना
सप्त दिवसीय विशेष शिविर
02 फरवरी से 08 फरवरी 2020
स्वास्थ्य एवं स्वच्छता

सप्तदिवसीय विशेष शिविर का सातवाँ दिन एवं समापन समारोह

08 फरवरी, 2020 को राष्ट्रीय सेवा योजना सप्तदिवसीय शिविर का समापन समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. अश्वनी कुमार मिश्र ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना व्यक्तित्व विकास, समाजसेवा की भावना और राष्ट्रनिर्माण में महती भूमिका निभाती है। अभिगृहित गांव के विकास का अभियान बहुत महत्वपूर्ण है। स्वच्छता राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल मंत्र है जो आज सम्पूर्ण भारत का अभियान बन गया है। राष्ट्रीय सेवा योजना का यह शिविर अनुशासन और सहनशीलता के माध्यम से आनन्द और ऊर्जा की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त्र करने का बड़ा माध्यम है। जग का भला करने के बड़े उद्‌देश्य हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना एक बड़ा मंच प्रदान करता है। समूहिकता की भावना का विस्तार करने की प्रेरणा का अवसर प्रदान करने वाला यह महत्वपूर्ण प्रकल्प है। स्वयं के अन्दर सकारात्मक सोच पैदा करने में सामुदायिकता की भावना बल प्रदान करती है। अन्तिम समय तक अच्छा सोचें परिणाम अवश्य मिलेगा। सामान्जस्य और धर्य का समन्वय ही सफलता की गारंटी है। प्रकृति से मानव जीवन का सामान्जस्य भविष्य के भारत का आधार है। दायित्व और कर्त्तव्य के प्रति समर्पण का यही बोध राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर का उद्‌देश्य है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के वरिष्ठ सदस्य श्री प्रमथनाथ मिश्र जी ने कहा कि युग पुरूष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 125वीं जयन्ती वर्ष और राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज के शताब्दी वर्ष के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना का कार्य और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। गोरक्षपीठ का सामाजिक और सामुदायिक सहभागिता का साध्य ही राष्ट्रीय सेवा योजना की दृष्टि है। सामाजिक समस्याओं के समाधान के प्रति संवेदना और उनके सकारात्मक हल जानने का प्रयास ही स्वयंसेवकओं के आत्मसम्मान को बढ़ायेगा।

कार्यक्रम में स्वयंसेवकों/स्वयंसेविकाओं को सम्बोधित करते हुए भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय चौधरी ने राष्ट्रीय सेवा योजना की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रकार के शिविरों के माध्यम से हम सभी में सामुदायिक रूप से कार्य करने तथा समूह

में रहन–सहन के साथ–साथ मिलकर कार्य करने की प्रवृति विकसित होती है। इस प्रकार के आयोजनों से युवाओं में व्यक्तित्व निर्माण के साथ राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना, पवित्र साधनो के प्रयोग द्वारा प्राप्त सिद्धी तथा चरित्र की उत्कृष्टता के माध्यम से अपने सामाजिक दायित्वों की पूर्ति करने की भावना जागृत होती है। हमारे द्वारा किया गया कोई कार्य कभी छोटा नही होता अपितु हम अपने विवेक की मदद से हर कार्य को अनूकूल बना सकते है, और इसी की प्रयोगशाला है हमारा राष्ट्रीय सेवा योजना का यह शिविर।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह द्वारा सात दिनों के शिविर में किये गये अलग–अलग कार्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया स्वयंसेवकों द्वारा किए गये कार्यों के प्रति उनके लगन और समर्पण की भूरी–भूरी प्रशंसा की। इस अवसर पर ईशिका, पूजा, चन्द्रप्रभा, शिवानी, चांदनी, सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा, सत्यप्रकाश तिवारी, श्वेता, सारिका पटेल, सूरज गुप्ता, बलिराम रौनियार, राहुल यादव, रविगौतम, प्रकाश पाण्डेय, प्रदीप आदि स्वयंसेवकों/स्वयंसेविकाओं द्वारा सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत, एकल गीत समूह गीत आदि विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किय गये। कार्यक्रम का संचालन श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना
सप्त दिवसीय विशेष शिविर
समापन समारोह

राष्ट्रीय सेवा योजना
सप्त दिवसीय विशेष शिविर
02 फरवरी से 08 फरवरी 2020
समापन समारोह
महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना
समापन समारोह

राष्ट्रीय सेवा योजना
सप्त दिवसीय विशेष शिविर
समापन समारोह

समापन समारोह

कोविड-19 (कोरोना महामारी) को फैलने से रोकने हेतु महाविद्यालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कुछ अभिनव प्रयास

कोरोना जैसी वैश्विक महामारी ने सम्पूर्ण विश्व को आज भयाक्रांत कर दिया है। एक ओर जहां पूरे विश्व की बहुसंख्यक आबादी इससे भयातुर होकर अपने घरों में कैद होकर रह गयी है, जीवन ठहर सा गया, मौत का तांडव चहुँओर परिलक्षित हो रहा है, वहीं दूसरी ओर इस विषम परिस्थिति में महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़ ने स्थानीय स्तर इस महामारी से बचाव का जनजागरण अभियान प्रारम्भ कर दिया है।

महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग की प्रयोगशाला में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू एच ओ) के मानक के अनुसार सैनेटाइजर का निर्माण कर महाविद्यालय ने हसनगंज एवं मंझरिया सहित आस–पास के अन्य अनेक गांवों में सेनेटाइजर का सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए निःशुल्क वितरण किया है। साथ ही महविद्यालय के गंभीरनाथ निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र पर मास्क निर्माण कर महाविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा गोद लिए हुए गांवों में वितरित किया गया है। महाविद्यालय के इस अभियान में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं सेविकाएं भी अपने घर पर ही मास्क बना कर अपने आस–पास के जरूरतमंद लोगों में वितरित कर रहे हैं। स्वयंसेवक सत्य प्रकाश तिवारी (बी.ए. भाग–दो) ने अपने परिवार के सहयोग से मास्क बना कर अपने गांव में बाटकर लोगो को जागरूक एवं प्रेरित किया। इस क्रम में स्वयंसेवक रितेश सिंह (बी.काम भाग दो) ने भी मास्क बना कर जरूरतमंद लोगों को वितरित किया। इसके साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना की अनेक स्वयंसेविकाओं ने भी अपने–अपने घरों में स्वयं से मास्क बना कर न सिर्फ महाविद्यालय को जरूरतमंदों में वितरण हेतु उपलब्ध कराया है, अपितु स्वयं भी अपने आस–पास उसके वितरण की समुचित व्यवस्था की है।

प्राचीन काल से ही जिस देवभूमि भारत को विश्वगुरु कहा जाता है, उसने अनेक बार यह साबित किया है कि अपने अनुशासित जीवन पद्धति, इच्छा शक्ति और देशवासियों तथा वैज्ञानिकों के बढ़े हुए हौसलों के द्वारा बड़ी से बड़ी आपदा का मुहतोड़ जवाब दिया जा सकता है। इसी परम्परा का निर्वहन करते हुए महाविद्यालय कोरोना महामारी के विरूद्ध अलख जला रहा है। महाविद्यालय मास्क, सैनेटाइजर आदि वितरण के साथ ही अपने सभी सोशल मीडिया का उपयोग प्रतिदिन लोगों मे जागरूकता का संदेश देने के लिए कर रहा है। भारत सरकार द्वारा जारी आरोग्य सेतु एप, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी आयुश कवच एप एवं दीक्षा एप को डाउनलोड करने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से समाज को प्रेरित कर रहा है।

महाविद्यालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के इन्हीं मानवोपयोगी प्रयासों की कुछ झलकियाँ प्रस्तुत हैं।

महाविद्यालय की प्रयोगशाला में विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकानुसार सेनेटाइजर का निर्माण करते विशेषज्ञ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक

कोविड-19 (कोरोना महामारी) के विरूद्ध समाचार पत्रों में महाविद्यालय के प्रयासों की झलकियाँ (सेनेटाइजर निर्माण)

Students make sanitizer in college lab, give in villages

Arjumand Bano | TNN

Gorakhpur: Students of Maharana Paratap PG College, which run under Maharana Pratap Siksha Parishad of Gorakshnath peeth, have started preparing sanitisers in the college lab and are also distributing it.

Principal of the college Dr Pradeep Rao said, "BHU's Dr V Ramanathan of chemistry department shared the method of preparing sanitizer and also gave us an expert, Maneesh, who is also our alumni and is at present doing research under Dr Ramanathan."

"Maneesh along with other students prepared prepared 250 bottles of 100ml sanitizer in the college lab and on Monday it was distributed in Manjharia village, that has been adopted by our college. The WHO standards have been followed in preparing the alcohol-based sanitizer," he added.

Mahant Digvijaynath aryuvedic chikitsalaya helped in pacakging of this sanitizer, said Dr Rao. "Mahant Digvijaynath aryuvedic chikitsalaya provided us bottles used for pac aging hair oil for packing sanitizers."

Students make sanitizer in Maharana Pratap PG College in Gorakhpur

गोरखपुर, 7 अप्रैल 2020
www.jagran.com

एमपीपीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ के लैब में सैनिटाइजर तैयार करते विशेषज्ञ ● जागरण

कोरोना से जंग में आगे आया एमपीपीजी कॉलेज

अच्छी खबर

- कॉलेज की प्रयोगशाला में तैयार किया जा रहा सैनिटाइजर
- मंझरिया गांव में वितरण को भेजी गई सैनिटाइजर की पहली खेप

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना को हराने के लिए प्रदेशव्यापी बीड़ा उठा रखा है तो उनकी नाथ पीठ से जुड़े एक शैक्षणिक संस्थान महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ ने भी स्थानीय स्तर पर इस महामारी से दो-दो हाथ करने की जिद ठान ली है। कॉलेज की प्रयोगशाला में इन दिनों सैनिटाइजर बनाया जा रहा है। सैनिटाइजर का निर्माण विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के मानक पर किया जा रहा है। कॉलेज प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव की पहल पर इसकी पहली खेप सोमवार को महाविद्यालय के बगल के गांव मंझरिया में निशुल्क वितरण के लिए भेजी गई। इस गांव को कॉलेज के बीएड विभाग ने गोद लिया है।

डॉ. राव ने बताया कि सैनिटाइजर का निर्माण शुरू करने में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के रसायन विज्ञान विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है। बीएचयू के रसायन विज्ञान विभाग के डॉ. वी. रामानाथन और कॉलेज के पूर्व छात्र मनीष त्रिपाठी ने इसमें काफी मदद की है। निर्माण कार्य की पृष्ठभूमि की चर्चा करते हुए डॉ. राव ने बताया कि जैसे ही उन्हें इस बात की जानकारी हुई कि डॉ. रामानाथन ने अपने विभाग में 127 लीटर सैनिटाइजर तैयार कर वाराणसी नगर निगम को सौंपा है, उनसे तत्काल संपर्क किया गया। महाविद्यालय के परामर्शदात्री समिति के सदस्य होने के नाते वह मदद को सहर्ष तैयार हो गए। उन्होंने न केवल सैनिटाइजर बनाने का तरीका बताया बल्कि इसके लिए एक विशेषज्ञ को भी भेजा। दरअसल, डॉ. रामानाथन के निर्देशन में शोध कर रहे छात्र मनीष लॉकडाउन के चलते गोरखपुर में ही थे, सो उन्होंने कॉलेज के छात्रावास में रहकर सैनिटाइजर बनाने की जिम्मेदारी संभाल ली। कॉलेज के विनय, नीलांक, सुबोध व ओमप्रकाश का भी उन्हें सहयोग मिला। पैकिंग को शीशी की समस्या का समाधान दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. डीपी सिंह ने किया। दो दिन के प्रयास में सौ-सौ एमएल का 250 पैक सैनिटाइजर तैयार हो गया।

कोरोना से जंग में सीएम योगी की शैक्षिक संस्था भी हुई शामिल, गरीबों को बांट रहे सैनिटाइजर

Published 4 hours ago | Updated 4 hours ago

यूपी के गोरखपुर में महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज के छात्रों ने लैब में सैनिटाइजर तैयार किया है. छात्रों ने सैनिटाइजर को आसपास के गांवों में बांटना भी शुरू कर दिया है. यह कॉलेज गोरखनाथ पीठ के अंतर्गत और सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में संचालित होता है.

गोरक्षपीठ से जुड़े एमपी कॉलेज की लैब में 24 घंटे चल रहा काम, डब्ल्यूएचओ के मानकों के अनुसार हो रहा काम

एमपी पीजी कॉलेज ने घर-घर बांटे सैनिटाइजर

■ एनबीटी, गोरखपुर : कोरोना से जंग जीतने के लिए गोरक्षपीठ व मुख्यमंत्री से सीधे जुड़ी एक संस्था एमपी पीजी कॉलेज ने घर-घर सैनिटाइजर बांटने के लिए बाकायदा लैब खोल दी है। लैब में दिनरात सैनिटाइजर तैयार हो रहा है और दूसरी टीमें गांव के घर-घर उसे बांट रही है।

खास बात यह है कि सैनिटाइजर कॉलेज की लैब में तैयार हो रहा है और 100-100 एमएल की पैकिंग के ये सैनिटाइजर कॉलेज के बगल के गांव मंझरिया में घर-घर तक पहुंचाया जा रहा है। इस गांव को पिछले दिनों कॉलेज ने गोद लिया था। तबसे कॉलेज के छात्र वहां पर साक्षरता

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव ने बताया कि सैनिटाइजर बनाने का विचार तब मिला जब उन्हें पता चला कि बीएचयू के रसायन विज्ञान विभाग के डॉ. वी. रामानाथन ने अपने विभाग में 127 लीटर सैनिटाइजर तैयार कर वाराणसी नगर निगम को दिया है। डॉ. रामानाथन एमपी पीजी कॉलेज की परामर्शदात्री समिति के सदस्य भी हैं। डॉ. राव ने उनसे सम्पर्क साधा और सैनिटाइजर बनाने के बारे में जानकारी हासिल की। डॉ. रामानाथन को भी डॉ. राव की पहल अच्छी लगी और उन्होंने न सिर्फ उन्हें तरीका बताया बल्कि एक विशेषज्ञ भी उपलब्ध करा दिया। यह इत्तेफाक ही था कि डॉ. रामनाथन ने जिस एक्सपर्ट का नाम सुझाया वह उनका शोध छात्र मनीष त्रिपाठी था।

कॉलेज की लैब में तैयार किया जा रहा सैनिटाइजर।

हर दिक्कत का निकला समाधान

प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव बताते हैं कि मनीष कॉलेज आ गए। लैब में सेटअप तैयार हुआ। सामग्री इकट्ठा की गई और डब्ल्यूएचओ के मानकों के हिसाब से सैनिटाइजर बनने लगा। कॉलेज के सुबोध मिश्र, विनय कुमार सिंह, नीलांक राव और ओमप्रकाश निषाद ने लैब में मनीष त्रिपाठी का सहयोग करना शुरू कर दिया। सोमवार सुबह तक ढाई सौ शीशी तैयार कर दी गई। डॉ. राव के अनुसार सैनिटाइजर तैयार हो गया मगर छोटे मुंह की शीशी उपलब्ध नहीं थी। तब आगे आए महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेदिक चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. डीपी सिंह। उन्होंने बताया कि हेयर आयल के इस्तेमाल के लिए उनके पास 100 एमएल की ऐसी शीशी उपलब्ध हैं।

कोविड-19 (कोरोना महामारी) के विरूद्ध समाचार पत्रों में महाविद्यालय के प्रयासों की झलकियाँ (मास्क निर्माण)

महराणा प्रताप पीजी कॉलेज के गुरु गंभीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र में मास्क बनाने का सिलसिला हुआ शुरू

सैनेटाइजर के बाद मास्क बनाने में जुटा सीएम योगी का कॉलेज

सराहनीय

गोरखपुर | प्रमुख संवाददाता

कोरोना से जंग में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हॉटस्पॉट मॉडल की सराहना जहां सारे देश में हो रही है वहीं उनकी संस्थाएं भी इस जंग में बढ़चढ़कर भागीदारी कर रही हैं। गोरखनाथ अस्पताल में 155 बेड के लेवल टू कोरोना वार्ड की तैयारी चल रही है तो महराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में सैनेटाइजर के बाद मास्क भी बनने लगे हैं। इस कॉलेज ने पहले बगल के मंझरिया गांव को गोद लेकर वहां घर-घर सैनेटाइजर और मॉस्क वितरण का अभियान चलाया अब एक और गांव मंझरिया हसनगंज में इन दोनों चीजों का वितरण शुरू हो गया है।

पहले एमपी इंटर कॉलेज से आए थे मास्क

एमपीपीजी के गोद लिए गांव मंझरिया और मंझरिया हसनगंज की आबादी क्रमशः 2200 और 3500 है। इसके पहले दोनों गांवों में बांटने के लिए करीब एक हजार मास्क एमपी बालिका इंटर कालेज से आए थे। 500-500 मास्क एमपीपीजी में बन रहे सैनेटाइजर के साथ दोनों गांवों में पहले ही बंटवाए जा चुके थे। रविवार से अन्य घरों में मास्क वितरण शुरू हुआ।

महराणा प्रताप पीजी कॉलेज में स्थित निशुल्क सिलाई कढ़ाई केन्द्र में केन्द्र की प्रमुख कमलावती की देखरेख में मास्क बनाने का काम महिलाओं ने शुरू किया।

रविवार को कॉलेज के गुरु गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र पर मास्क बनाने का सिलसिला शुरू हुआ। शाम तीन बजे तक करीब तीन सौ मास्क तैयार हो गए थे। केंद्र पर प्रशिक्षण लेने वाली आसपास की महिलाएं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए सिलाई मशीन पर मास्क बनाने में जुटी हैं। उनका मार्गदर्शन इस केंद्र की प्रमुख कमलावती कर रही हैं। उनके साथ अंग्रेजी विभाग की शिक्षिका कविता मध्यान्ह, गृह विज्ञान की डा.किरण सिंह व सुबोध मिश्र सहयोग में लगे हैं।

सैनेटाइजर बनाने से मिली प्रेरणा

कोरोना संकट के बीच मंझरिया और मंझरिया हसनगंज गांव के लिए सैनेटाइजर बनाने का काम एमपीपीजी ने अपने हाथ में लिया तो कॉलेज के शिक्षिका कविता मध्यान्ह ने प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव को फोन कर मास्क भी बनवाने का सुझाव दिया। यही नहीं प्राचार्य के पास अपने बनाए मास्क के दो नमूने भी भेज दिए। डा.राव ने नमूने देखने के बाद मास्क बनाने को हरी झंडी दे दी। कालेज के सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र पर सिलाई मशीनें थीं ही, कपड़े और धागे वगैरह का मुहैया कराने का भरोसा दिलाया। इसके बाद मास्क के लिए सूती कपड़ा मंगाया।

रविवार को कालेज की गाड़ी शिक्षिकाओं और केंद्र प्रभारी को उनके घरों से लेकर आई। आसपास के गांवों में रहने वाली महिलाएं पैदल पहुंचीं। सबने पहले मास्क पहना। फिर मास्क बनाने का काम शुरू कर दिया गया।

ग्रामीणों के लिए तैयार कर रहे मास्क

एमपीपीजी : 300 मास्क मंझरिया गांव में बांटे गए

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। कोरोना महामारी से बचने के लिए महराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़ ने सैनिटाइजर के बाद अब मास्क बनाना शुरू किया है। कॉलेज में सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र में शिक्षकों की निगरानी में प्रशिक्षण ले रहीं महिलाएं मास्क बना रही हैं। अब तक 300 मास्क तैयार कर कॉलेज द्वारा गोद लिए गए गांव मंझरिया के ग्रामीणों में बांटा गया है।

रविवार को कालेज के गुरु गंभीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र पर मास्क बनाने का सिलसिला शुरू हुआ। शाम चार बजे तक करीब तीन सौ मास्क तैयार हो गए। केंद्र पर प्रशिक्षण लेने वाली आसपास की महिलाएं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए सिलाई मशीन पर मास्क बनाने में जुटी हैं। उनका मार्गदर्शन इस केंद्र की प्रमुख कमलावती कर रही हैं। उनके साथ अंग्रेजी विभाग की शिक्षिका कविता मध्यान्ह, गृह विज्ञान की डॉ. किरण सिंह और सुबोध मिश्र सहयोग में लगे हैं।

कॉलेज में सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र में महिलाएं मास्क तैयार कर रही हैं।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव ने बताया कि 10 हजार मास्क तैयार किया जाएगा। यहां से तैयार मास्क मंझरिया और हसनगंज गांव में बांटा जाएगा। इसके अलावा महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के जितने भी शिक्षण संस्थान हैं, वहां भी मास्क उपलब्ध कराएंगे।

शिक्षिका ने दिया था प्रस्ताव, प्राचार्य ने मंगाया कपड़ा

कॉलेज के अंग्रेजी विभाग की शिक्षिका कविता मध्यान्ह ने प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव को मास्क बनवाने का सुझाव दिया। उन्होंने इस काम के लिए खुद श्रमदान का प्रस्ताव भी रखा। उन्होंने अपने बनाए मास्क के दो नमूने भी भेज दिए। प्राचार्य डॉ. राव ने नमूने देखने के बाद मास्क बनाने की स्वीकृति दे दी और सूती कपड़ा मंगाया। रविवार को कालेज की गाड़ी शिक्षिकाओं और केंद्र प्रभारी को उनके घरों से लेकर आई। जबकि प्रशिक्षण ले रहीं आसपास गांवों की महिलाएं पैदल पहुंचीं। सबने पहले खुद मास्क पहना। प्रशिक्षण केंद्र में सोशल डिस्टेंसिंग की व्यवस्था की गई। इसके बाद मास्क बनाना शुरू कर दिया।

दैनिक जागरण 2
गोरखपुर, 13 अप्रैल 2020
www.jagran.com

अब मास्क भी बना रहा महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज

जासं, गोरखपुर : नाथ पीठ से जुड़े महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ ने कोरोना के संक्रमण से बचाव के लिए लोगों की मदद की दिशा में एक और सराहनीय कदम उठाया है। सप्ताह भर पहले कॉलेज में सैनिटाइजर बनाने और उसके वितरण की शुरुआत हुई थी और अब वहां मास्क का निर्माण और वितरण भी होने लगा है।

बाबा गंभीरनाथ सिलाई-कढ़ाई केंद्र में मास्क तैयार करतीं महिलाएं • जागरण

प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव ने बताया कि रविवार को सुबह कॉलेज के गुरु गंभीरनाथ निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र पर मास्क बनाने का कार्य शुरू हुआ। शाम तक करीब 300 मास्क तैयार हो गए, जिन्हें वितरण के लिए भेजा गया। फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए निर्माण कार्य का संचालन केंद्र की प्रमुख कमलावती कर रही हैं। डॉ. राव ने बताया कि मास्क वितरण में पीठ से जुड़ा एमपी बालिका इंटर कॉलेज भी आगे आया है। वहां से एक हजार मास्क उपलब्ध कराए गए हैं।

महाविद्यालय एवं घर में मास्क का निर्माण करती अध्यापिकाएं एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेविकाएं/स्वयंसेवक

महाराणा प्रताप पी.जी.कालेज
जंगल धूसड़ गोरखपुर के NSS के स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओ द्वारा वितरण हेतु मास्क बनाया जा रहा है।
2:47 pm ✓✓

महाविद्यालय एवं घर में मास्क का निर्माण करती अध्यापिकाएं एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेविकाएं/स्वयंसेवक

महाराणा प्रताप पी.जी.कालेज
जंगल धूसड़ गोरखपुर के NSS के स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओ द्वारा वितरण हेतु मास्क बनाया जा रहा है।
2:47 pm ✓✓

महाविद्यालय एवं घर में मास्क का निर्माण करती अध्यापिकाएं एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेविकाएं/स्वयंसेवक

महाराणा प्रताप पी.जी.कालेज
जंगल धूसड़ गोरखपुर के NSS के स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओ द्वारा वितरण हेतु मास्क बनाया जा रहा है।
2:47 pm

सोशल मीडिया पर कोविड-19 (कोरोना महामारी) के प्रति जागरूकता का प्रसार करते राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयंसेवकों की कुछ बानगी

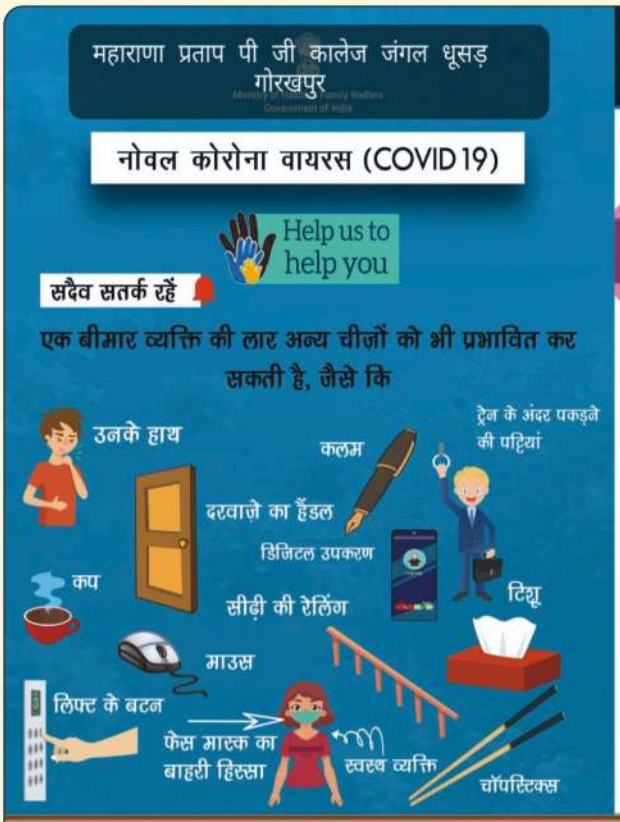

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय,जंगल धूसड़ गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना

कार्यक्रम अधिकारी – डॉ0 सौरभ कु0 सिंह

- तुने क्या सोचा कोरोना भुखा मर जाएगा भारत देख खेतों में किसान खड़ा है और चौराहे पर जाने कि जिद मत करना वर्दी पहने वहाँ जवान खड़ा है और तू क्या मारेगा कोरोना हमारे देश के अस्पतालों में भगवान खड़ा है अरे देश के अच्छे अच्छे घुटने टेक दिए तेरे सामने तो पुरा हिन्दुस्तान खड़ा हैं।
- कोरोना से जो कह रहे भारत माता खुदार हैं। लटका के आला पहन के वर्दी सेना भी तैयार हैं निकल कर घर से सबका अपमान मत किजिए उचा निचा हिन्दुस्तान मत किजिए। यह कोरोना आया कहि से भी हो लेकिन हार कर भारत से जाना चाहिए ऐसा युद्ध वतन के खातिर सबको लड़ना पड़ता है संकट की घड़ियों मे। सबको सैनिक बनना पड़ता हैं।

SATYAM GAUR
B.COM 1ST YEAR

WHO के अनुसार
जून माह से कोरोना का भयावह स्थिति आना तय है जो लम्बे समय तक मानव नियंत्रण से परे रहेगा , इसलिए स्वयं को सुरक्षित रखने के लिए WHO के गाइड लाइन का पालन करें ..

महाराणा प्रताप पी जी कालेज जंगल धूसड़ गोरखपुर
COVID-19

सभी परिवार के सदस्य कृपया ध्यान दे।

01.	कोई भी खाली पेट न रहे।	02.	उपवास न करे।
03	रोज एक घन्टे धूप लें।	04.	AC का प्रयोग न करे।
05.	गरम पानी पियें, गले को गीला रखें।	06	चाय में अद्रक डाल कर पिएं।
07	आधा चम्मच सोठ हर सब्जी में पकते हुए डालें।	08.	सरसों का तेल नाक में लगाएं।
09.	घर में कपूर और लौंग डाल के धूनी दें।	10.	रात को दही का सेवन न करे।
11.	फल में ज्यादा से ज्यादा संतरा खाएं।	12.	बच्चों को और खुद भी रात को एक-एक कप हल्दी डाल कर दूध पिये।
13.	सभी बार-बार हाथ को साबुन से धोएं।	14.	सभी मास्क्स का उपयोग करे।

सोशल मीडिया पर कोविड-19 (कोरोना महामारी) के प्रति जागरूकता का प्रसार करते राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयंसेवकों की कुछ बानगी

प्रदीप बी०काम० प्रथम वर्ष

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय अदभुत बना निराला है। विश्व का भंडार यह अनुपम यथ वाला है। शिक्षा पाकर इस मन्दिर से हमने नाम कमाया है। याहाँ के शिक्षक ने हमको शीश उठाना सिखया है।

सत्यम गौड़ बी०काम० प्रथम वर्ष

हर घर से हर गली से निवेदन मेरा गली–गली से दो पंक्तियाँ मैं उनके नाम करता हूँ जो कोरोना से जंग लड़ रहे हैं मै उनको सलाम करता हूँ।

रवि गौतम बी०ए० प्रथम वर्ष

एक सुबह दुकान जाएं दस दिनों का प्रबंध करें। वापस आएं हाथ धोएं दरवाजे फिर बन्द करें। मुँह,नाक,आँख में उंगली अपराध बराबर जानिए। बच्चे ही नहीं बड़े भी यही नियम अब मानिए, दुरियां बनाकर रखना देशभक्ति का प्रमाण है। आज मानवता के शत्रु पर सच पुछो तो रामबाण है। सीमा सैनिक बचा लेगें, हम घर भीतर सो जाएं, जंग लड़े अब घर बैठकर और रणविजयी हो जाएं।।

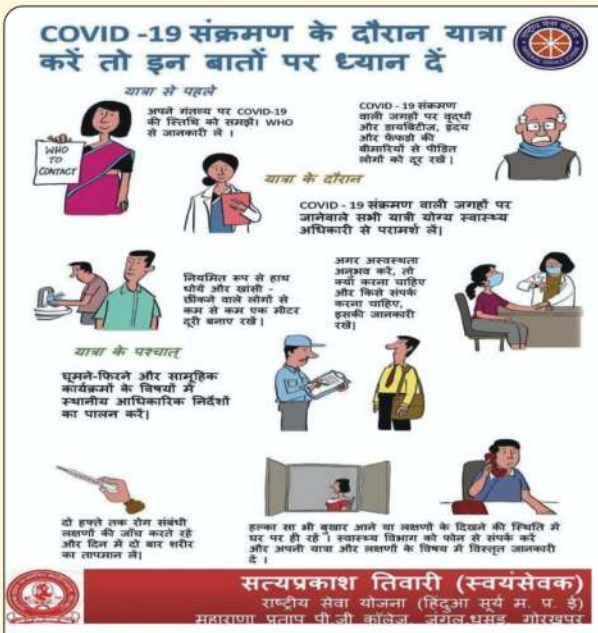

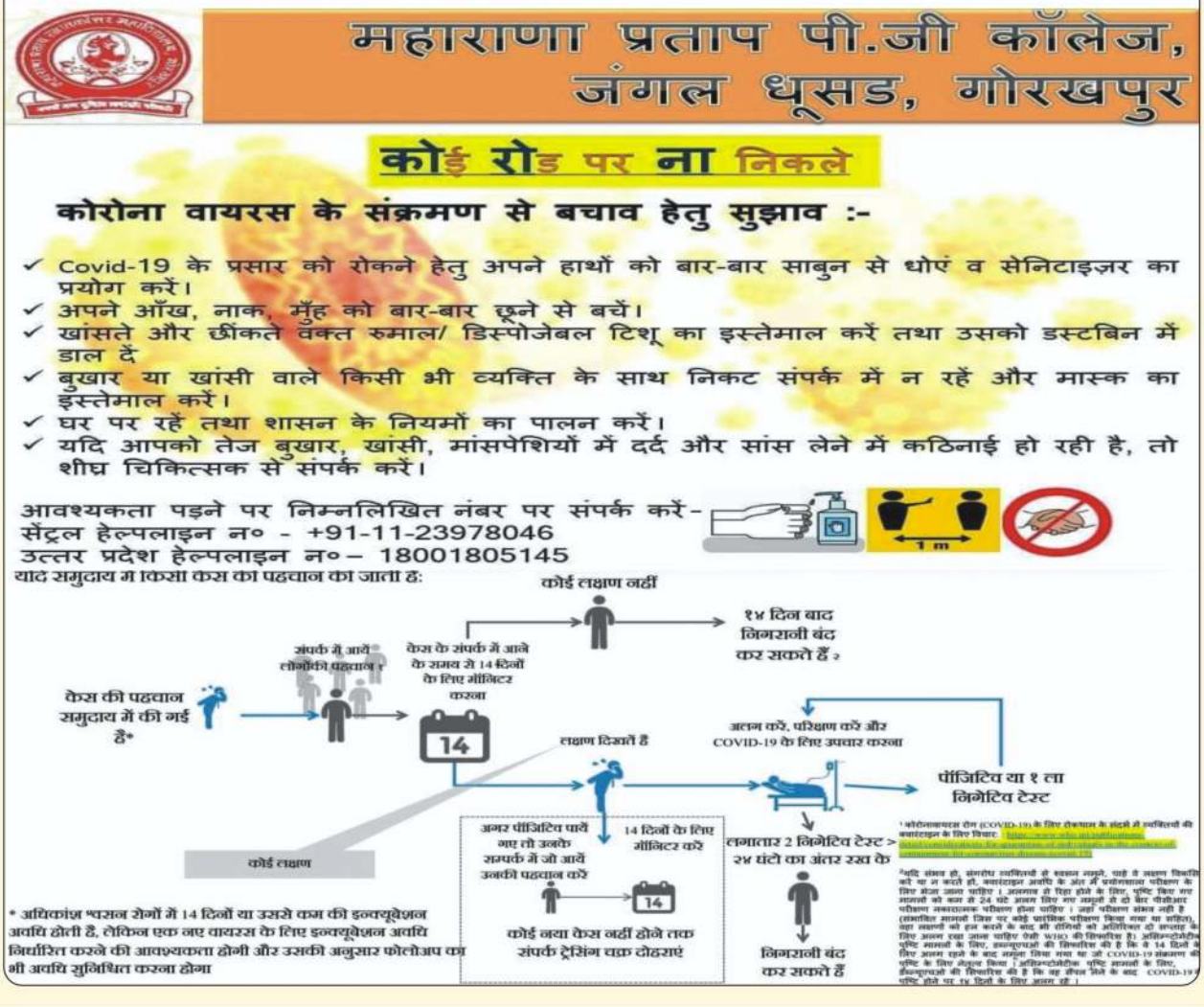

राष्ट्रीय सेवा योजना के वर्षभर (सत्र 2019-20) की विविध गतिविधियों का अग्रणी समाचार पत्रों द्वारा कवरेज

10 दैनिक जागरण गोरखपुर, 2 दिसंबर 2019

छात्र-छात्राओं ने सीखें प्राणायाम के तरीके

जागरण संवाददाता, गोरखपुर: एमपी पीजी कालेज, जंगल धूसड़ में योगाभ्यास कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विशेष योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाओं ने प्राणायाम करने के गुर सीखें।

कार्यशाला में प्रशिक्षण देने वाले डा.राजेश शुक्ला ने अनुलोम-विलोम, कपालभांति, भ्रस्तिका आदि प्राणायामों का अभ्यास कराया। साथ ही इनसे होने वाले शारीरिक व मानसिक लाभों के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक-स्वयंसेविकाएं, शिक्षक व कर्मचारी मौजूद रहे।

गर्भावस्था से प्रारंभ हो जाती है सीखने की प्रक्रिया: बच्चों में सीखने की प्रक्रिया का विकास गर्भावस्था काल से ही प्रारंभ हो जाता है। जो किशोरावस्था से होते हुए प्रौढ़ावस्था व वृद्धावस्था तक जारी रहता है।

यह बातें नेशनल पीजी कालेज, बड़हलगंज की डा.अर्चना दूबे ने कही। वह महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़ में गृहविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहीं थीं। बताया कि बच्चे परिवार से व अपने समूह से ज्यादा चीजें सीखते हैं। अधिगम के प्रयोग के द्वारा उनके व्यवहार को समय-समय पर परिष्कृत एवं परिमार्जित किया जाता है। संचालन किरण सिंह ने किया।

अमर उजाला गोरखपुर | शनिवार, 26 अक्तूबर 2019 13

एमपीपीजी कॉलेज के 15 शिक्षकों ने रक्तदान किया

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। जंगल धूसड़ स्थित एमपीपीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ प्रदीप राव और 14 शिक्षकों ने श्री गोरखनाथ चिकित्सालय के ब्लड बैंक में धनतेरस पर रक्तदान किया। रक्तदान के बाद डॉ प्रदीप राव ने कहा कि इस समय गोरखपुर परिक्षेत्र के आसपास प्लेटलेट्स सहित ब्लड के अन्य कम्पोनेंट की मांग बढ़ गई है। गोरखनाथ चिकित्सालय में बहुत ऐसे मरीज आ रहे हैं, जिन्हें खून की आवश्यकता है। कॉलेज के शिक्षकों ने ऐसे समय में स्वैच्छिक रक्तदान करने का निर्णय लिया। सभी ने रक्तदान कर दीपावली में तमाम घरों में प्रकाश फैलाने की कोशिश की है।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव ने रक्तदान किया।

हिन्दुस्तान गोरखपुर • बुधवार • 27 नवंबर 2019 • 06

राष्ट्रीय महोत्सव के रूप में मना संविधान दिवस

कार्यक्रम

गोरखपुर | वरिष्ठ संवाददाता

नाट्य प्रस्तुति से संविधान के प्रति किया जागरूक

गोरखपुर | शनिवार, 2 नवंबर 2019

न्यूज डायरी

नेक काम

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़ में शुक्रवार को विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर रक्तदान किया।

युवाओं में चरित्र का विकास रासेयो का उद्देश्य : प्रो.रचना

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से युवाओं के व्यक्तित्व और चरित्र का विकास ही राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य व लक्ष्य है। सेवा और संवेदना के प्रति समर्पित युवाओं के माध्यम से ही समाज के वंचित वर्गों के मध्य जाकर उनकी पीड़ा और कठिनाईयों को समझना और उनका सहयोग करना रासेयो के कर्मयोगियों का मुख्य कार्य है।

यह बातें बीएड विभाग की असिस्टेंट प्रो.रचना सिंह ने कही। वह मंगलवार को महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में रासेयो के स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम को संबोधित कर रहीं थीं।

इतिहास विभाग के प्रवक्ता डा.महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि मलीन बस्तियों में रह रहे लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कर स्वस्थ समाज के निर्माण में रासेयो की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। स्वयंसेवक और स्वयं सेविकाएं सेवा भावना के साथ यदि कार्य करें तो थोड़े प्रयास से ही बड़ी सफलता प्राप्त की जा सकती है।

कार्यक्रम अधिकारी किरन सिंह ने कहा कि श्रम, सेवा और साधना मनुष्य की मूलभूत पहचान होनी चाहिए। यही समाज और राष्ट्र की उन्नति का आधार है। यदि नौजवान इस मंत्र को अपने जीवन में उतार ले तो भारत के गौरवशाली भविष्य के सपने को मूर्तरूप प्रदान किया जा सकता है।

वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा.सौरभ कुमार सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका सर्वाधिक है। जागृत युवा ही राष्ट्र का आधार होता है।

इस अवसर पर रासेयो के स्वयंसेवक-स्वयंसेविकाएं सहित शिक्षक मौजूद रहे।

4 दैनिक जागरण गोरखपुर, 3

जागरूकता से प्रदूषण पर नियंत्रण संभव

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : भारत में प्रत्येक वर्ष 2 दिसंबर को राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाया जाता है। यह दिवस उन लोगों की स्मृति एवं उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए मनाया जाता है, जिन्होंने भोपाल गैस त्रासदी में अपनी जान गंवा दी थी।

यह बातें साधना सिंह ने कही। वह सोमवार को महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहीं थी। उन्होंने कहा कि भोपाल गैस त्रासदी में लाखों लोगों की जान गई थी। यह विश्व के इतिहास की सबसे बड़ी औद्योगिक प्रदूषण आपदा के रूप में जाना जाता है।

हर साल राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाने के प्रमुख कारकों में से एक औद्योगिक आपदा के प्रबंधन और नियंत्रण के साथ ही पानी, हवा और मिट्टी के प्रदूषण की रोकथाम है।

अंत में इस त्रासदी में जान गंवाने वाले लोगों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के विद्यार्थी, शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

'स्थानीय नहीं वैश्विक है भारतीय संस्कृति'

अमर उजाला ब्यूरो

एमपीपीजी कॉलेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

गोरखपुर। विश्व बुद्धिष्ट मिशन के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मेधांकर रवि ने कहा कि भारतीय संस्कृति अपने मजबूत तार्किक एवं वैज्ञानिक आधार के चलते विश्व में सर्वमान्य है। भारतीय संस्कृति ने अपनी विकास यात्रा में जिन मानव मूल्यों का सृजन किया वे न सिर्फ स्थानीय हैं बल्कि वैश्विक हैं।

डॉ मेधांकर शुक्रवार को एमपीपीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ में कॉलेज और नेपाल शोध एवं अध्ययन केंद्र, भारतीय इतिहास संकलन समिति गोरक्षप्रांत की ओर से 'भारतीय संस्कृति का विश्व में प्रसार' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्य वक्ता अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना नई दिल्ली के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ बाल मुकुंद पांडेय ने कहा कि भारतीय संस्कृति का मेसोपोटामिया, मिस्र, यूनान सहित दुनिया के अन्य देशों में प्रभावों के प्रमाण उपलब्ध हैं। विशिष्ट अतिथि गोविवि के प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. शीतला प्रसाद सिंह ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम अध्यक्ष भारतीय इतिहास संकलन समिति के पूर्व अध्यक्ष प्रो. महेश कुमार शरण ने कहा कि श्रीगोरक्षपीठ के पीठाधीश्वरों ने अपना संपूर्ण जीवन भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार में ही खपाया है। यह वर्ष महंत दिग्विजयनाथ की 125 वीं जयंती तथा महंत अवेधनाथ का जन्म शताब्दी वर्ष है। ऐसे महान पूर्वजों के कार्य को आगे बढ़ाते हुए भारतीय संस्कृति के प्रसार में हम सभी को आना होगा। गया से आए बौद्ध भिक्षुओं के दल ने मंगलपाठ किया। प्रो महेश शरण द्वारा लिखित पुस्तक 'भागवत गीता इन डे टुडे लाइफ' का अतिथियों ने विमोचन किया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रदीप राव, प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी, प्रो मनोज तिवारी, प्रो. ध्यानेंद्र नरायण दूबे, डॉ रामप्यारे मिश्र, डॉ प्रकाश प्रियदर्शी, डॉ उग्रसेन सिंह, डॉ शैलेंद्र उपाध्याय, डॉ. सुशील कुमार पांडेय, डॉ. सुधाकर लाल श्रीवास्तव, डॉ. सच्चिदानंद चौबे, डॉ ज्ञान प्रकाश मंगलम, डॉ सर्वेश शुक्ला आदि उपस्थित थे।

व्यक्तित्व विकास में सहायक है रासेयो शिविर

जागरण संवाददाता, गोरखपुरः रासेयो शिविर व्यक्तित्व विकास में सहायक है। यह साकारात्मक एवं सुसंस्कृत व्यक्तित्व, व्यक्ति को मानव से महामानव बनाने का मार्ग प्रशस्त करता है।

यह बातें किसान पीजी कालेज सेवरही के पूर्व प्राचार्य डा.वेद प्रकाश पांडेय ने कही। वह मंगलवार को एमपीपीजी कालेज जंगल धूसड़ में सात दिवसीय रासेयो शिविर के तीसरे दिन व्यक्ति विकास के विभिन्न आयाम विषय पर आयोजित गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वस्तुतः ज्ञान और शील का संयोजन ही व्यक्तित्व कहलाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अंग्रेजी विभाग की प्रभारी कविता मंध्यान ने कहा कि हम युवाओं को शिविर की जीवन चर्चा को अपने सामाजिक जीवन में आत्मसात करना चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन अभिषेक कुमार सिंह व आभार ज्ञापन डा.सौरभ कुमार सिंह ने किया।

हिन्दुस्तान गोरखपुर • शुक्रवार • 01 नवंबर 2019 • 04

भारत में जरूरत का 50% से भी कम मिल पाता है खून

एमपी पीजी कालेज जंगल धूसड़ में गुरुवार को रक्तदान महादान पर आयोजित व्याख्यान में मंचासीन डॉ. अवधेश अग्रवाल, डॉ. प्रदीप राव व अन्य। • हिन्दुस्तान

व्याख्यान

गोरखपुर | वरिष्ठ संवाददाता

गुरु गोरक्षनाथ चिकित्सालय के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल ने कहा कि रक्तदान से रोगी को जीवन मिलता है। रक्तदान करने वाला जीवनदाता की भूमिका में आ जाता है। भारत में प्रतिदिन लगभग एक करोड़ पचास लाख यूनिट रक्त की आवश्यकता होती है, जबकि उसके सापेक्ष केवल सत्तर लाख यूनिट ही रक्त की आपूर्ति हो पाती है। इतनी बड़े जनसंख्या वाले देश के लिए यह चिंता का विषय है। हमारे यहां बड़ी संख्या में लोगों में रक्तदान को लेकर कई तरह भ्रान्तियां हैं।

डॉ. अग्रवाल महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा गुरुवार को 'रक्तदान-महादान' विषय पर आयोजित व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि मनुष्य सामाजिक प्राणि है। इसलिए सामाजिक जीवन में उसकी भूमिका, उपयोगिता और योगदान भारत की परंपरा में रची-बसी है। रक्तदान भी उसी सामाजिक जीवन का एक महत्वपूर्ण और बड़ा हिस्सा है। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में रक्त की भूमिका सर्वव्याप्त है। हमारे देश के शिक्षित लोगों में रक्तदान को लेकर तमाम तरह की भ्रांतियां देखने को मिलती हैं। रक्तदान से न केवल व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है बल्कि स्वयं रक्तदाता को हृदयरोग, रक्तचाप, कोलेस्ट्राल, मोटापा, शुगर सहित तमाम रोगों से मुक्त भी रखा जा सकता है। वर्तमान समय में एक रक्तदाता, चार व्यक्तियों का जीवनदाता बन जाता है। रक्त के चारों अवयव को अलग-अलग प्रयोग करके हम चारों अलग-अलग प्रकार की अवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की। इस अवसर पर सुबोध कुमार मिश्र, डॉ. सौरभ कुमार सिंह सहित महाविद्यालय के शिक्षक कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। संचालन डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

आज कॉलेज के 101 शिक्षक विद्यार्थी करेंगे रक्तदान

महाराणा प्रताप कॉलेज जंगल धूसड़ में एक नवंबर को सुबह 11 बजे राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में गुरु श्री गोरखनाथ ब्लड बैंक के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन होगा। इसमें 101 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने रक्तदान की सहमति दी है।

ध्वनि का जन्मदाता शब्द है: डॉ. विजय

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में हिन्दी विभाग द्वारा 'हिन्दी की ध्वनियां एवं उच्चारण स्थान' विषय पर व्याखान देते हुए जवाहर लाल नेहरू पीजी स्मारक महराजगंज के डॉ. विजय आनंद मिश्र ने कहा कि हिन्दी ध्वनियों की विकास परम्परा हम वैदिक संस्कृत से देख रहे हैं। विद्वानों ने ध्वनि को शब्दों के गुण के रूप में चित्रित किया है। ध्वनियां शब्द को प्रकाशित करती है। ध्वनि दीपक तुल्य है, प्रकाश नहीं। ध्वनि का जन्मदाता शब्द है, ध्वनि शब्द की व्यंजना करती है। उन्होंने हिन्दी स्वरों की संरचना, उच्चारण स्थान, हिन्दी स्वरों का वर्गीकरण एवं उसका आधार संयुक्त स्वर तथा उच्चारण स्थान पर विस्तृत व्याख्यान दिया। प्रस्ताविकी डॉ. सुधा शुक्ला तथा आभार ज्ञापन विभागाध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने किया।

गोरखपुर | रविवार, 20 अक्तूबर 2019

लालच ने पारिस्थितिक संतुलन को बिगाड़ा

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से 'सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पर्यावरणीय संकट' विषय पर कार्यशाला का आयोजन शनिवार को किया गया। प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा मनुष्य के लालच ने पारिस्थितिक संतुलन को बिगाड़ दिया है। उन्होंने कहा कि अत्यधिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्रकृति से संबंध ज्यादा घनिष्ठ होता गया। प्रकृति सच्चे मित्र की तरह उसकी आवश्यकताओं की पूर्ति करती रही। लेकिन मनुष्य अपने स्वार्थ के लिए प्रकृति का दोहन करने लगा।

हिन्दुस्तान गोरखपुर • शनिवार • 07 दिसंबर 2019 • 08

महान समाज सुधारक थे डॉ. आंबेडकर

गोरखपुर | वरिष्ठ संवाददाता

आयोजन

- डीडीयू व कॉलेजों में मनाया गया डॉ. आंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस
- वक्ताओं ने बाबा साहब के जीवन पर विस्तृत प्रकाश डाला

भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर भारतीय संविधान के शिल्पी व महान समाज सुधारक थे। सामाजिक समरसता का संदेश देकर उन्होंने भारत का नाम पूरी दुनिया में गौरवान्वित किया। छुआछूत व सामाजिक भेदभाव के खिलाफ उन्होंने आजीवन संघर्ष किया। सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के भाव को उन्होंने संविधान में स्थापित किया।

यह बातें डीडीयू व कॉलजों में डॉ. अंबेडकर की पुण्यतिथि पर आयोजित संगोष्ठियों में वक्ताओं ने कहीं। डीडीयू के संवाद भवन में डीडीयू एससी/एसटी इंप्लाइज एसोसिएशन की ओर से आयोजित संगोष्ठी को कुलपति प्रो. वीके सिंह, प्रो. गोपाल प्रसाद, प्रो. चंद्रशेखर, प्रो. एके गोयल आदि ने संबोधित किया। डीवीएन पीजी कॉलेज में एनएसएस की ओर से आयोजित कार्यक्रम को प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. सुरेन्द्र चौहान, डॉ. अवधेश शुक्ल आदि ने संबोधित किया।

डीडीयू के अलकनन्दा महिला छात्रावास में डॉ. अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस समारोह को अभिरक्षिका प्रो. शोभा गौड़ व अधीक्षिका डॉ. मीतू सिंह ने संबोधित किया। एमपी पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में डॉ. अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर अंग्रेजी विभाग की कविता मध्यान ने उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि डॉ. अंबेडकर ने भारतीय संविधान में अनुच्छेद 370 जिसके अनुसार जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा प्राप्त था (जिसे हाल ही में वर्तमान सरकार द्वारा हटाया भी गया है) के खिलाफ थे और उसका प्रबल विरोध करते हुए कहा था कि यह प्रावधान संविधान की भावनाओं के विपरीत है। डीएवी पीजी कॉलेज में अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस को सामाजिक समरसता दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय पांडेय ने डॉ. अंबेडकर की जीवनी पर विस्तार से प्रकाश डाला।

राजनीतिक दलों ने भी मनाया परिनिर्वाण दिवस

राष्ट्रीय लोकदल के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विजय यादव की अध्यक्षता में अंबेडकर चौक पर परिनिर्वाण दिवस मनाया गया। राष्ट्रीय जनता दल ने भी 11 बजे अंबेडकर चौक पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद संगोष्ठी का आयोजन किया।

छात्र-छात्राओं ने सीखें प्राणायाम के तरीके

जागरण संवाददाता, गोरखपुरः एमपी पीजी कालेज, जंगल धूसड़ में योगाभ्यास कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विशेष योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाओं ने प्राणायाम करने के गुर सीखें।

कार्यशाला में प्रशिक्षण देने वाले डा.राजेश शुक्ला ने अनुलोम-विलोम, कपालभांति, भ्रस्तिका आदि प्राणायामों का अभ्यास कराया। साथ ही इनसे होने वाले शारीरिक व मानसिक लाभों के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक-स्वयंसेविका... मौजद रहे।

गर्भावस्था से प्रारंभ हो जाती है सीखने की प्रक्रियाः बच्चों में सीखने की प्रक्रिया का विकास गर्भावस्था काल से ही प्रारंभ हो जाता है। जो किशोरावस्था से होते हुए प्रौढ़ावस्था व वृद्धावस्था तक जारी रहता है।

यह बातें नेशनल पीजी कालेज, बड़हलगंज की डा.अर्चना दूबे ने कही। वह महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़ में गृहविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहीं थीं। बताया कि बच्चे परिवार से व अपने समूह से ज्यादा चीजें सीखते हैं। अधिगम के प्रयोग के द्वारा उनके व्यवहार को समय- ...र्जित किया ...ह ने किया।

रक्तदान कर दे सकते हैं जीवनदान

जागरण संवाददाता, गोरखपुरः मनुष्य सामाजिक प्राणि है इसलिए सामाजिक जीवन में उसकी भूमिका, उपयोगिता और योगदान भारत की परंपरा में रची-बसी है। रक्तदान भी उसी सामाजिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। रक्तदान महादान है, जिसके जरिए हम किसी को नया जीवन प्रदान कर सकते हैं।

जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'रक्तदान-महादान' विषय पर व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश दुनिया में तमाम शोध के बाद भी रक्त का कोई वैकल्पिक व्यवस्था संभव नहीं हो सका है। भारत में प्रतिवर्ष एक करोड़ 50 लाख रक्त इकाई की आवश्यकता होती है जबकि केवल ... की जीवनदाता बन जाता है। कार्यक्रम के अध्यक्ष डा.प्रदीप कुमार राव ने स्मृति चिह्न देकर डा.अग्रवाल का स्वागत किया। संचालन डा.अविनाश प्रताप सिंह ने किया। सुबोध मिश्र डा.सौरभ कुमार सिंह सहित शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद रहे।

101 शिक्षक व छात्र आज करेंगे रक्तदान एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में ...

अमर उजाला
गोरखपुर | शनिवार, 22 फरवरी 2020 8

हंसनगंज जंगल धूसड़ में स्वयंसेवकों ने की सफाई

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से शिविर का आयोजन ग्राम सभा हंसनगंज जंगल धूसड़ में किया गया। महाराणा प्रताप एवं गुरु श्रीगोरक्षनाथ इकाई के स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान चलाया। भट्ठा चौराहे से हसनगंज गांव की सड़क, गलियों एवं नालियों की सफाई की। स्वयंसेवकों ने गांव वालों को स्वच्छता

गोरखपुर। शनिवार • 26 अक्टूबर • 2019

एमपीपीजी कॉलेज में हुआ स्वैच्छिक रक्तदान

गोरखपुर (एसएनबी)। 25 अक्टूबर धनतेरस के शुभ अवसर पर महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ के प्राचार्य, शिक्षक एवम विद्यर्थियों ने शुक्रवार को श्रीगोरखनाथ ब्लड बैंक पर आयोजित कार्यक्रम के तहत हर्ष पूर्वक रक्तदान किया।

धनतेरस पर गोरखनाथ ब्लड बैंक पर रक्तदान का कार्यक्रम हुआ आयोजित

उल्लेखनीय है कि गोरखपुर परिक्षेत्र के आस-पास इस समय प्लेटलेट्स सहित ब्लड के अन्य कम्पोनेंट की मांग अत्यधिक बढ़ गयी है। इस समय ब्लड बैंक को अत्यधिक संख्या में स्वैछिक रक्तदाताओं द्वारा रक्तदान की आवश्यकता है। इसलिए एमपीपीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से स्वैच्छिक रक्तदान का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि दीपावली के अवसर पर सभी ने रक्तदान कर तमाम घरों में प्रकाश फैलाया है। सबके प्रति महाविद्यालय की ओर से शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने ब्लड बैंक के प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल और उनकी टीम को भी सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

रक्तदान करने वाले लोगों में प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव, शिक्षकों में डॉ. अविनाश सिंह, अभिषेक वर्मा, डॉ. अभिषेक सिंह, सुबोध मिश्रा, नवनीत कुमार, डॉ. राजेश शुक्ल, डॉ. अरुण राव, विनय सिंह तथा विद्यार्थियों में राहुल गिरी, प्रभात शेखर, किसन अग्रहरी, दीपक कुमार (पुरातन छात्र), निलांक राव, डॉ.बसंत नारायण सिंह शामिल रहे।

07 • गोरखपुर • शनिवार • 22 फरवरी 2020 • हिन्दुस्ता

अभियान च साफ सफाई की

गोरखपुर। एमपी पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ में रासेयो द्वारा एकदिवसीय शिविर का आयोजन शुक्रवार को हसनगंज में किया गया। स्वयंसेवियों ने स्वच्छता अभियान चलाकर भट्ठा चौराहे से हसनगंज गांव में सड़कों और नालियों की सफाई की। साथ ही स्वच्छता के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया। बौद्धिक सत्र में मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अधिकारी सौरभ सिंह ने कहा कि इस दिवस को मनाने क उद्देश्य विश्व में भाषाई एवं सांस्कृतिव विविधता को बढ़ावा मिले।

4 दैनिक जागरण गोरखपुर, 26 अक

धनतेरस के दिन किया रक्तदान

जासं, गोरखपुर : पूर्वांचल में फैले डेंगू के प्रभाव ने खून के साथ-साथ प्लेटलेट्स की मांग को बढ़ा दिया है। इसे देखते हुए श्री गोरक्षनाथ ब्लड बैंक ने धनतेरस के दिन शुक्रवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया। ब्लड बैंक के प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल की मौजूदगी में महाराणा प्रताप जंगल धूसड़ के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव सहित शिक्षकों और विद्यार्थियों ने रक्तदान किया। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि डेंगू जैसी बीमारियों की वजह से प्रतिदिन 90 से 100 यूनिट खून की आपूर्ति बैंक द्वारा लोगों को की जा रही है। इसे देखते हुए ही खासतौर से डॉ. प्रदीप राव के अनुरोध पर शिविर का आयोजन किया गया।

amarujala.com

र | बुधवार, 25 सितंबर 201

'एनएसएस से होता है व्यक्तित्व व चरित्र का विकास'

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। बीएड विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर रचना सिंह ने कहा कि युवाओं के व्यक्तित्व और चरित्र का विकास ही राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य लक्ष्य है। कहा कि मनुष्य के नैसर्गिक स्वभाव में सेवा है। इतिहास विभाग के प्रवक्ता डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि मलिन बस्तियों में रह रहे लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कर स्वस्थ समाज के निर्माण में राष्ट्रीय सेवा योजना की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी किरन सिंह, सौरभ कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

हिन्दुस्तान • गोरखपुर • रविवार • 20 अक्टूबर 2019 • 08

पर्यावरणीय संकट मनुष्य की ही देन

गोरखपुर | वंस

जंगल धूषण स्थित महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से 'सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पर्यावरणीय संकट' विषय पर शनिवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा, मनुष्य के लालच ने पारिस्थितिक संतुलन को बिगाड़ दिया है।

डॉ. राव ने कहा कि प्रकृति सच्चे मित्र की तरह है, लेकिन मनुष्य अपने स्वार्थ एवं विलासिता की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्रकृति का दोहन करने लगा है। भूगोल विभाग के प्रवक्ता डॉ. अजय प्रताप निषाद ने कहा कि दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली प्लास्टिक की वस्तुएं पहुंचा रही है।

कार्यशाला में स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाओं ने सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पर्यावरण विषय पर विचार रखे। इस दौरान कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ सिंह और किरन

कैरम में अंशिका व सतीश ने मारी बाजी

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड के क्रीड़ा विभाग की ओर से महंत दिग्विजयनाथ स्मृति कैरम प्रतियोगिता के छात्रा वर्ग में बीए भाग दो की अंशिका चौहान प्रथम और बीए भाग तीन की वंदना उपविजेता रहीं। छात्र वर्ग में बीकॉम भाग एक के सतीश वर्मा विजेता तथा बीएससी भाग दो के अनमोल खरवार उपविजेता रहे। विजयी प्रतिभागियों को वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. राजेश शुक्ल ने बधाई दी।

101 लोगों ने किया रक्तदान

जासं, गोरखपुर : महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ में शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षक, प्राचार्य, विद्यार्थी तथा स्वयं सेवकों ने उत्साह से भाग लेकर रक्तदान किया। शिविर में गुरु गोरक्षनाथ चिकित्सालय के ब्लडबैंक ने कुल 101 लोगों का रक्त संग्रह किया।

प्राचार्य डा. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि रक्तदान जैसे पुनीत कार्य से हम अपने राष्ट्र और समाज के प्रति एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में जवाबदेही और जिम्मेदारी निर्वहन करते है।

महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज में रक्तदान शिविर लगाया गया •

हिन्दुस्तान गोरखपुर • बुधवार • 25 सितंबर 2019 • 06

एनएसएस से होता है व्यक्तित्व और चरित्र का विकास

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर बीएड विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रचना सिंह ने कहा कि युवाओं के व्यक्तित्व और चरित्र के विकास का प्राथमिक उद्देश्य ही राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य लक्ष्य है। इतिहास विभाग के प्रवक्ता डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि मलिन बस्तियों में रह रहे लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कर स्वस्थ समाज के निर्माण में राष्ट्रीय सेवा योजना की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। यह अच्छे समाज के निर्माण के सहायक है। इस अवसर पर कार्यक्रम

विश्व में सर्वमान्य है भारतीय संस्कृति

जागरण संवददाता, गोरखपुर : विश्व बुद्धिष्ट मिशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डा. मेघांकर रवि ने कहा कि भारतीय संस्कृति अपनी मजबूत तार्किक एवं वैज्ञानिक आधार के चलते विश्व में सर्वमान्य है। भारतीय संस्कृति ने अपनी विकास यात्रा में जिन मानव मूल्यों का सृजन किया वे न सिर्फ स्थानीय हैं, बल्कि वैश्विक हैं।

विश्व बुद्धिष्ट मिशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष शुक्रवार को महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में कॉलेज और नेपाल शोध एवं अध्ययन केंद्र, भारतीय इतिहास संकलन समिति गोरक्षप्रांत की ओर से 'भारतीय संस्कृति का विश्व में प्रसार' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना नई दिल्ली के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ बाल मुकुंद पांडेय ने कहा कि भारतीय संस्कृति का मेसोपोटामिया, मिस्र, यूनान सहित दुनिया के अन्य देशों में प्रभावों के प्रमाण उपलब्ध हैं।

प्रो. शीतला प्रसाद सिंह ने कहा कि आज भौतिकतावाद, उपभोगवाद तथा आतंकवाद से जूझ रही दुनिया को सिर्फ भारतीय संस्कृति के शांतिप्रिय योग, आध्यात्मिक जीवन दृष्टि में समाधान दिखाई देता है। प्रो. महेश कुमार शरण ने कहा कि गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वरों ने अपना संपूर्ण जीवन भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार में ही खपाया है। प्रो महेश शरण की लिखित पुस्तक 'भागवत गीता इन डे टुडे लाइफ' का अतिथियों ने विमोचन किया। गया से आए बौद्ध भिक्षुओं के दल ने मंगलपाठ किया।

प्राचार्य डा. प्रदीप राव ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन सुबोध मिश्र ने किया।

इस अवसर पर प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी, प्रो. मनोज तिवारी, प्रो. ध्यानेंद्र नारायण दुबे, डॉ रामध्यारे मिश्र, डॉ प्रकाश प्रियदर्शी, डॉ उग्रसेन सिंह मौजूद रहे।

भारतीय संस्कृति का विश्व में प्रचार विषय पर आयोजित गोष्ठी में मुख्य अतिथि डॉ. मेघांकर रवि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते महाविद्यालय के प्राचार्य प्रदीप राव • जागरण

राष्ट्रीय संगोष्ठी

- समस्त मानव समाज के लिए है भारतीय संस्कृति : डा. मेघांकर रवि
- भागवत गीता इन डे टुडे लाइफ पुस्तक का हुआ विमोचन

दैनिक जागरण गोरखपुर, 26 नवंबर 2019

विज्ञान संकाय ने वाणिज्य संकाय को हराया

जासं., गोरखपुर: महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के वार्षिक महोत्सव के अंतर्गत 'वालीबाल छात्र वर्ग प्रतियोगिता' का आयोजन महाराणा प्रताप पीजी कालेज के वालीबाल मैदान पर हुआ।

प्रतियोगिता का फाइनल वाणिज्य संकाय तथा विज्ञान संकाय के मध्य हुआ। प्रतियोगिता में विज्ञान संकाय की टीम ने वाणिज्य संकाय की टीम को 25-20, 25-17 से पराजित किया। विजेता टीम अब महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद में होने वाले विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के साथ प्रतियोगिता में सम्मिलित होगी। जिसमें विजेता टीम को पुरस्कृत किया जाएगा।

इसी क्रम में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के वार्षिक महोत्सव के अंतर्गत 'कबड्डी प्रतियोगिता' छात्र एवं छात्रा वर्ग का आयोजन एमपीपीजी कालेज के क्रीड़ांगन में आयोजित किया गया। छात्राओं की कबड्डी प्रतियोगिता बीएड विभाग तथा कला संकाय के छात्राओं के मध्य हुआ। जिसमें बीएड विभाग ने कला संकाय का 23-12, 20-07 से पराजित किया। छात्रों की कबड्डी प्रतियोगिता में कला संकाय ने विज्ञान संकाय को 24-17, 22-12 से पराजित किया। दोनों टीमें (छात्र-छात्रा वर्ग) महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की विभिन्न संस्थाओं से होने वाली प्रतियोगिता में सम्मिलित होंगी।

व्यक्तित्व विकास में सहायक है रासेयो शिविर

गोरखपुर: रासेयो शिविर व्यक्तित्व विकास में सहायक है। अनुशासन व सहनशीलता बहुत जरूरी है। यह बातें क्षेत्रीय उच्च शिक्षाधिकारी डॉ .अश्विनी कुमार मिश्रा ने कही। वह शनिवार को एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में रासेयो शिविर के समापन पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। अध्यक्षता प्रमथनाथ मिश्र ने किया। (जासं)

हिन्दुस्तान गोरखपुर • बुधवार • 05 फरवरी 2020 • 08

व्यक्तित्व ही सामाजिक जीवन की रीढ़: वेद

गोरखपुर | निज संवाददाता

महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर के तीसरे दिन मंगलवार को विविध कार्यक्रम आयोजित हुए। शिविरार्थियों ने सुबह हसनगंज गांव में जन जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया तो श्रमदान कर ग्रामीणों को स्वच्छता का भी पाठ पढ़ाया।

कॉलेज में व्यक्तित्व विकास के विभिन्न आयाम विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथ किसान पीजी कॉलेज, सेवरही के प्राचार्य डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि व्यक्तित्व ही व्यक्ति के सामाजिक जीवन की रीढ़ होता है। व्यक्तित्व का निर्माण व्यक्ति के अनुभवजन्य ज्ञान के आधार से होता है। ज्ञान और शील का संयोजन ही व्यक्तित्व कहलाता है।

संचालन बीए प्रथम वर्ष के अभिषेक सिंह ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. सौरभ सिंह ने किया।

8 दैनिक जागरण गोर

एक नजर में

एमपीपीजी कॉलेज में वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

गोरखपुर: महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में मंगलवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में संविधान दिवस पर 'भारतीय संविधान में सामाजिक न्याय' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत को एक सुदृढ़ राष्ट्र बनाने के लिए संविधान निर्माताओं के सक्षम धार्मिक और जाति विविधता को संगठित करने की चुनौती थी। प्रतियोगिता में विपक्ष में अपना विचार रखने में सत्यप्रकाश तिवारी प्रथम, दुर्गेश पाल द्वितीय तथा रितेश सिंह तृतीय स्थान पर रहे। जबकि पक्ष में विचार रखने में प्रकाश पांडेय प्रथम, आलोक कुमार द्वितीय तथा सर्वेश्वरकांत चंद्रा तृतीय स्थान पर रहे। निर्णायक मण्डल के रूप में डा .महेंद्र प्रताप सिंह एवं डा .रमाकांत दूबे मौजूद रहे। (जासं)

07 • गोरखपुर • सोमवार • 16 दिसंबर 2019 • हिन्दुस्तान

मंझरिया गांव में चलाया स्वच्छता अभियान

गोरखपुर। एमपी पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ के एनएसएस स्वयंसेवकों ने रविवार को मंझरिया गांव में स्वच्छता अभियान चलाया। गांव की गलियां, सड़कें व नालियां साफ की। स्वयंवकों को देख गांव के लोग भी इसमें सहभागी बन गए और करीब चार घंटे में गांव साफ हो गया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों को डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया आदि बीमारियों के प्रति जागरूक किया। बीमारियों की वजह बतायी और मच्छर और गंदगी से दूर रहने की सलाह दी। सिंगल यूज प्लास्टिक के बारे में आगाह करते हुए कहा कि प्लास्टिक का निस्तारण बेहद कठिन है। यह जमीन, पानी व हवा तीनों को दूषित करते हैं। सचेत नहीं हुए तो खेती, जमीन व पानी तीनों बर्बाद होंगे।

विविधता में एकता ही भारत की पहचान

जासं, गोरखपुर: विविधता में एकता भारत की पहचान है। इसलिए हमारा भारत विश्व में सर्वश्रेष्ठ है। आदिकाल से ही हमारे राष्ट्र के लिए 'एकता' को सबसे बड़े हथियार के रूप में इस्तेमाल किया गया है। भारत की आजादी के समय जिस तरह हमारे राष्ट्र के सभी लोगों ने एकजुट होकर संघर्ष किया था और विजय हासिल किया। वह भारत की एकता का सबसे बड़ा उदाहरण है।

यह बातें डा.सुभाष गुप्त ने कही। वह बुधवार को महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़ में भारत-भारती पखवारा के अंतर्गत रासेयो के तत्वावधान में महान क्रांतिकारी ठाकुर रोशन सिंह की जयंती पर 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत की इसी पहचान को बराबर रखने के लिए और देश के राष्ट्रीय एकता के सूत्रधार सरदार पटेल के द्वारा राष्ट्रीय एकता व अखंडता वाले 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के निर्माण की नींव को पक्का करने के साथ राष्ट्र के सभी राज्यों की संस्कृति को समझने और आपसी संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने के प्रयास से मोदी सरकार ने 31 अक्टूबर, 2015 में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' योजना की शुरुआत की।

भारतीय संविधान सामाजिक समरसता का मूल आधार

जासं., गोरखपुर : भारतीय संविधान सामाजिक समरसता का मूल आधार है। संविधान समाज के मूलभूत अधिकारों के सुरक्षा की गारंटी है, जिसमें समाज के सभी लोगों के अधिकार सुनिश्चित हैं। संविधान ऐसी परिस्थितियां प्रदान करता है, जिसमें समाज के प्रत्येक संप्रदाय के व्यक्तियों का विकास निरंतर अविरल रूप से गतिशील रहता है।

यह बातें प्राणी विज्ञान विभाग के प्रवक्ता विनय कुमार सिंह ने कही। वह सोमवार को एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में रविवार को रासेयो की ओर से 'सामाजिक समरसता एवं संविधान' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ सिंह ने कहा कि समाज के विभिन्न संप्रदाय के हितों के मध्य टकराव का उचित निष्पादन संविधान के नियमों के तहत किया जाता है, जिसमें सामाजिक समरसता बनी रहती है। अंत में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 20 स्वयंसेविकाओं एवं स्वयंसेवकों ने प्रतिभाग किया। संचालन किरन सिंह ने किया।

हिंदी भाषण प्रतियोगिता में छात्रों ने रखे विचार : महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ के वार्षिक महोत्सव के अंतर्गत सोमवार को 'तीन तलाक से अभिशप्त नारी मोदी-युग में मुक्त' विषय पर हिंदी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इसमें सभी संकाय के कुल 35 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. आरती सिंह, डॉ. सुधा शुक्ला तथा डॉ. अनुभा श्रीवास्तव रहीं। कार्यक्रम के अंत में निर्णायक मंडल ने सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया।

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना : सत्र–2019–20

हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई-चयनित सदस्यों की सूची

क्र.सं.	नाम	पिता का नाम	कक्षा	वर्ग / जाति	वी.ई.सी. कोड	मोबाईल नं.	पता
1	आदित्यनाथ	श्री राजकिशोर	B.A. III	ओ.बी.सी.	UP0600518089	8112329053	ग्राम–तुलसी पोस्ट पतरा बाजार, जिला–गोरखपुर
2	अभय शाही	श्री सुनील शाही	B.Com II	सामान्य	UP0600519073	7618942839	ग्राम व पोस्ट सिहैजपार थाना गगहा जिला–गोरखपुर
3	आलोक सिंह	श्री सतेन्द्र सिंह	B.Sc II	ओ.बी.सी.	UP0600519076	7800060160	ग्राम चैनपुर पोस्ट विक्रम विशुनपुर जिला–देवरिया
4	आदित्य गुप्ता	श्री नन्दलाल गुप्ता	B.Com II	ओ.बी.सी.	UP0600519080	6387124441	पटना चौराहा, बढहलगंज, गोरखपुर
5	आदर्श गुप्ता	हरिशंकर गुप्ता	B.Com II	ओ.बी.सी.	UP0600519082	7007942619	वार्ड न. 07 नेहरू नगर पिपराईच, गोरखपुर
6	आशुतोष चौहान	श्री रामबेलास चौहान	B.A III	ओ.बी.सी.	UP0600519083	8181838487	जंगल छत्रधारी ग्राम लालगंज पो. बी.आर.डी. मेडि. कालेज, गोरखपुर
7	आलोक कुमार	श्री विरेन्द्र कुमार	B.A II	सामान्य	UP0600519084	7380441225	ग्राम–साखी, पोस्ट राजाबारी, जिला–गोरखपुर
8	कुलदीप सिंह	श्री गोरखनाथ सिंह	B.Sc II	ओ.बी.सी.	UP0600519086	9118972413	पगरा (52) पोस्ट पिपरैचा, जिला–कुशीनगर
9	कृष्ण मोहन	श्री राजेन्द्र	B.Sc II	ओ.बी.सी.	UP0600519087	9305353490	भैसहां दर्शनवा, पोस्ट–भैसहां तहसील जिला–गोरखपुर
10	किशन कु. अग्रहरि	श्री रामकुवेर अग्रहरि	B.A II	सामान्य	UP0600519088	6392064305	गायत्रीनगर, कूड़ाघाट, गोरखपुर
11	प्रका.ा पाण्डेय	श्री धुपदेव पाण्डेय	B.A II	सामान्य	UP0600519090	6203237736	साखेखास, उचका गॉव गोपालगंज बिहार
12	बलिराम रौनियार	श्री परमेश्वर रौनियार	B.A II	ओ.बी.सी.	UP0600519092	7054363130	आधार छपरा (शिवाला टोला) पोस्ट–दान्दोपुर जिला–कुशीनगर
13	भक्त प्रहलाद	श्री अमरनाथ कसौधन	B.Com II	ओ.बी.सी.	UP0600519094	9795883203	असौजी बाजार, गोरखपुर
14	मनमोहन राय	श्री गौतम राय	B.ComII	सामान्य	UP0600519095	6392890300	ग्राम–पाली खास बासगॉव गोरखपुर
15	रितेश सिंह	श्री ऋषिकेश सिंह	B.Com II	ओ.बी.सी.	UP0600519096	7991527772	बिछिया जंगल तुलसी राम सर्वोदय नगर हनुमान मन्दिर गोरखपुर
16	रूपेश विश्वकर्मा	श्री दयाशंकर विश्वकर्मा	B.A II	ओ.बी.सी.	UP0600519098	9794933088	रतनपुर पतरा बाजार, गोरखपुर
17	विकास चौधरी	श्री दयानन्द चौधरी	B.A II	अनु. जाति	UP0600519100	7237848422	ग्राम कैथवलिया पोस्ट उनौला जिला गोरखपुर
18	विवेक कु. चौहान	श्री रामप्रीत चौहान	B.A III	ओ.बी.सी.	UP0600519101	7617895955	हैदरगंज, पोस्ट–जंगल धूसड़, गोरखपुर
19	विशाल शाही	श्री अनन्त शाही	B.ComII	सामान्य	UP0600519102	9794540992	ग्राम व पोस्ट–सिहैजपुर थाना–गगहा गोरखपुर

क्र.सं.	नाम	पिता का नाम	कक्षा	वर्ग/जाति	वी.ई.सी. कोड	मोबाईल नं.	पता
20	विजय सिंह	श्री रवि सिंह	B.Sc II	सामान्य	UP0600519103	8881975488	171/आई/जे रेलवे डेयरी कॉलोनी गोरखपुर
21	शत्रुघ्न	श्री त्रिभुवन	B.A II	ओ.बी.सी.	UP0600519105	8303332275	लहसड़ी (खैरा) गोरखपुर
22	संदीप कुमार तिवारी	श्री कष्ण मोहन तिवारी	B.Sc III	सामान्य	UP0600519108	8318487361	गिरजा सदन हनुमन्त नगर पादरी बाजार, गोरखपुर
23	संजय कुमार	श्री शम्भू चौधरी	B.Sc II	ओ.बी.सी.	UP0600519109	6386537610	ग्रा. डुमरी लक्ष्मीपुर पो.–डुमरी खास माना चौरी–चौरा, जिला–गोरखपुर
24	सोनू	श्री सुरेन्द्र	B.A II	ओ.बी.सी.	UP0600519111	8810421683	पतरा बाजार पिपराईच, गोरखपुर
25	सुनील कुमार सिंह	श्री जयप्रकाश सिंह	B.Sc III	ओ.बी.सी.	UP0600519112	8382809130	जगदीशपुर पोस्ट–पिड़रा सुकरौली हाटा, जिला–कुशीनगर
26	सुधांशु कु. पासवान	श्री विनोद कुमार पासवान	B.A II	अनु. जाति	UP0600519113	9670148956	ग्राम–तारासारा, पोस्ट–तारासारा कडपुर जिला– देवरिया
27	सत्य प्रकाश तिवारी	श्री केशव प्रसाद तिवारी	B.A II	सामान्य	UP0600519114	9451311380	ग्राम–सॉखी पोस्ट–राजाबारी जिला–गोरखपुर
28	सृजन सिंह	श्री रविशंकर सिंह	B.Com II	सामान्य	UP0600519116	8787054804	ग्राम व पोस्ट कन्हौली तहसील–रूद्रपुर जिला–देवरिया
29	सचिन यादव	श्री अयोध्या यादव	B.Sc II	ओ.बी.सी.	UP0600519117	9919654377	ग्राम–भिखमपुरा पोस्ट–खोरी तहसील–बरहज, जनपद–देवरिया
30	सोनू वर्मा	श्री सुभाष वर्मा	B.A II	ओ.बी.सी.	UP0600519119	8874043711	ग्राम–सिंहपुर पोस्ट–पकड़ी नौनिया जिला–महाराजगंज
31	यशवंत कु. चौरसिया	श्री अच्छेलाल चौरसिया	B.Com II	ओ.बी.सी.	UP0600519121	7706969834	विचली बाजार भैरवा जिला–सिवान बिहार
32	कुलदीप सिंह	श्री दीनानाथ सिंह	B.Com II	ओ.बी.सी.	UP0600519122	7355245036	ग्राम–रामपुर मिश्री क्षेत्र हाटा, जिला कुशीनगर
33	विशाल	श्री लालमन	B.Com II	अनु. जाति	UP0600519123	6388649518	ग्राम–पिपरी पोस्ट–डेहरीटीकर थाना–सिकरीगंज तहसील–खजनी, जिला–गोरखपुर
34	विशाल कुमार	श्री ओमकार नाथ	B.Sc. III	अनु. जाति	UP0600519124	6392185248	ग्राम व पोस्ट–अधराहाँ तहसील–हाटा, जिला–कुशीनगर
35	विपुल दुबे	श्री अनिल दुबे	B. Sc II	सामान्य	UP0600519125	6398453899	मोहनापुर, निकट–डिवाइन पब्लिक स्कूल, पादरी बाजार गोरखपुर
36	अमिश कुमार सिंह	श्री उदयनाथ सिंह	B.A II	ओ.बी.सी.	UP0600519127	7388393714	ग्राम व पोस्ट–गोरसैरा, जिला–गोरखपुर
37	प्रितम कु. कन्नौजिया	श्री नन्हे लाल	B.A. II	अनु. जाति	UP0600519129	6392564809	ग्राम व पोस्ट–रामपुर कला थाना कोठीथार ब्लाक सिसवा बाजार महाराजगंज
38	सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा	श्री अनिल कुमार पाण्डेय	B.A. II	सामान्य	UP0600519130	8840172781	240 बिछिया, जंगल तुलसीराम शिवपुर वार्ड नं0 03 गोरखपुर
39	प्रदीप निषाद	श्री धनवन्त निषाद	B.Sc. III	ओ.बी.सी.	UP0600519131	9506729558	पादरी बाजार, श्रीरामनगर कालोनी, गोरखपुर
40	अमित कुमार पाण्डेय	श्री वशिष्ठ पाण्डेय	B.A. II	सामान्य	UP0600519132	8255115013	सर्वोदय नगर बिछिया, हनुमान मन्दिर, गोरखपुर
41	शैलेन्द्र गौतम	श्री शिवकुमार गौतम	B.A. II	अनु. जाति	UP0600519134	8853960563	पतरा बाजार जिला–गोरखपुर

क्र.सं.	नाम	पिता का नाम	कक्षा	वर्ग/जाति	वी.ई.सी. कोड	मोबाईल नं.	पता
42	अमन कु. श्रीवास्तव	श्री अशोकलाल श्रीवास्तव	B.A. I	सामान्य	UP0600520001	7071724474	वेद मन्दिर स्कूल बौलिया रेलवे कालोनी, गोरखपुर
43	अनुराग यादव	श्री मदन यादव	B.Sc. II	ओ.बी.सी.	UP0600520002	7007184083	ग्राम–मठिया टोला पो. मझौली राज जिला देवरिया
44	अभय प्रताप सिंह	श्री राकेश सिंह	B.A. I	ओ.बी.सी.	UP0600520003	7355066879	ग्राम व पोस्ट– उनौला दोयम पिपराईच रोड़, गोरखपुर
45	अभय राज वर्मा	श्री मून्नू लाल वर्मा	B.A. I	ओ.बी.सी.	UP0600520004	9451818798	मानस विहार कालोनी पादरी बाजार, गोरखपुर
46	अम्बुज पाण्डेय	श्री प्रभा शंकर पाण्डेय	B.Sc. II	सामान्य	UP0600520005	9129991001	शक्तिनगर निकट–शिवपुर कॉलोनी रुस्तमपुर, गोरखपुर
47	अजीत साहनी	श्री चन्द्रभान साहनी	B.Sc.I	ओ.बी.सी.	UP0600520006	9369959985	नया मोहल्ला शाहपुर गोरखपुर
48	अजीत कुमार मिश्र	श्री जगन्नाथ मिश्र	B.A. II	सामान्य	UP0600520007	8418061961	ग्राम–धनगडा, पोस्ट–धरमौली, जिला–महराजगंज
49	आदित्य तिवारी	श्री अमरेन्द्र तिवारी	B.A. II	सामान्य	UP0600520008	8299790838	श्यामपुर हतवा पोस्ट–साखोपार कुशीनगर
50	अर्जुन सैनी	श्री पप्पू सैनी	B.A.I	ओ.बी.सी.	UP0600520009	6306401308	हरसेवकपुर नं0 02 खजांची चौरहा, गोरखपुर
51	अंगद चौधरी	श्री परशुराम चौधरी	B.A.I	ओ.बी.सी.	UP0600520010	8808118898	ग्राम व पो. गोपालगंज, जिला–महाराजगंज
52	अमित यादव	स्व. महेश यादव	B.A. I	ओ.बी.सी.	UP0600520011	7618080532	हैदरगंज पादरी बाजार, गोरखपुर
53	अमित कु. चौरसिया	श्री अवधराज चौरसिया	B.Sc.I	ओ.बी.सी.	UP0600520012	8974515308	ग्राम–लेटवा सोनखर पोस्ट आफिस–नरकटहा बासी सिद्धार्थनगर
54	अभिषेक कुमार सिंह	श्री ओम प्रकाश सिंह	B.A.I	ओ.बी.सी.	UP0600520013	9695159767	ग्राम–पिपरामाफी, पोस्ट–कप्तानगंज, जिला–कुशीनगर
55	आदित्य प्रताप सिंह	श्री कुंवर शैलेन्द्र सिंह	B.A.II	सामान्य	UP0600520014	9305326255	ग्राम–खुतवार, पोस्ट–दादरी हाटा, जिला –गोरखपुर
56	आदित्य प्रताप राव	श्री राजेश कुमार राव	B.Sc.I	सामान्य	UP0600520015	7390183094	ग्राम एवं पोस्ट–फरदहाँ(बारी गाँव), जिला – महाराजगंज
57	आकाश यादव	श्री त्रिभुवन यादव	B.Sc.II	ओ.बी.सी.	UP0600520016	9889804608	ग्राम–परिहस्थी पो. बेलावीर जनपद–गोरखपुर
58	धर्मेन्द्र कुमार सिंह	श्री सुभाष सिंह	B.A. I	ओ.बी.सी.	UP0600520017	9120122520	ग्राम–खुटा मैदान, पोस्ट– पकडियार, विशुनपुर, जिला–गोरखपुर
59	देवाश कु. प्रजापति	श्री रामानन्द प्रजापति	B.Com.I	ओ.बी.सी.	UP0600520018	7379138346	हसनगंज, जंगल धूसड़, गोरखपुर
60	दीपक विश्वकर्मा	श्री पल्टन विश्वकर्मा	B.A.I	ओ.बी.सी.	UP0600520019	9519123406	बड़ी रेतवहिया, जंगल धूसड़, गोरखपुर
61	दीपचन्द	स्व. सुभाष चन्द साहनी	B.A.I	ओ.बी.सी.	UP0600520020	8808181348	ग्राम–सीहापार केवटहिया टोला पो0–सहजनवा जिला–गोरखपुर
62	देवचन्द्र भारती	श्री रामाचल	B.A.I	अनु0 जाति	UP0600520021	9170767533	ग्राम–बड़ी रेतवहिया, पोस्ट–जंगल धूसड़, गोरखपुर
63	इन्द्रासन निशाद	श्री पवन निषाद	B.A.I	ओ.बी.सी.	UP0600520022	6387524796	मोहनापुर बड़काटोला पादरी बाजार, गोरखपुर
64	ईश्वर चन्द्र निशाद	श्री बद्री निषाद	B.A.I	ओ.बी.सी.	UP0600520023	9795488831	हैदरगंज, पोस्ट–जंगल धूसड़, गोरखपुर
65	जयदीप कुमार	श्री लालजी प्रजापति	B.Com.I	ओ.बी.सी.	UP0600520024	9506593900	ग्राम–जंगल औराही (विशुन टोला), गोरखपुर

क्र.सं.	नाम	पिता का नाम	कक्षा	वर्ग / जाति	वी.ई.सी. कोड	मोबाईल नं.	पता
66	कनिश्क कुमार	श्री प्रयाग दत्त	B.Sc I	ओ.बी.सी.	UP0600520025	7525863823	ग्राम व पोस्ट–विश्वनाथपुर चौरी–चौरा, गोरखपुर
67	कमलेश साहनी	श्री दशरथ साहनी	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520026	9648598790	ग्राम–करमहाँ, पो.–नैयापार, थाना–पिपराइच, जिला–गोरखपुर
68	करमचन्द कुशवाहा	श्री ज्ञानचन्द कुशवाहा	B.Sc.I	ओ.बी.सी.	UP0600520027	9651548448	ग्राम–रामपुर बगहा टोला, पोस्ट–लक्ष्मीगंज, कुशीनगर
69	कार्तिकेय मिश्र	श्री उपेन्द्र मिश्रा	B.A II	सामान्य	UP0600520028	9628982257	ग्राम–भेलवा अवरडीहा, पो.–चन्द्रौटा जिला–कुशीनगर
70	मणि प्रकाश पाण्डेय	श्री अखिलेन्द्र पाण्डेय	B.Sc I	सामान्य	UP0600520029	9208452252	पादरी बाजार, गोरखपुर
71	मुकेश कुमार	श्री अवधेश यादव	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520030	9935349709	हनुमन्त नगर कालोनी, जंगल सालिकराम, शिवपुर गोरखपुर
72	नितिन मणि त्रिपाठी	श्री अशोक मणि त्रिपाठी	B.A.I	सामान्य	UP0600520031	7860636022	हनुमन्त नगर कालोनी, पादरी बाजार, गोरखपुर
73	नितेश प्रजापति	श्री रमेश	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520032	7905957803	हैदरगंज, पोस्ट–जंगल धूसड़, पादरी बाजार,गोरखपुर
74	पंकज चौरसिया	श्री रामकष्पाल चौरसिया	B.ScI	ओ.बी.सी.	UP0600520033	8948526761	बनकटा, पो0–मिठवल बाजार बॉसी, सिद्धार्थनगर
75	प्रदीप	श्री रामानन्द	B.ComI	सामान्य	UP0600520034	8808262730	भभया बेलघाट, गोरखपुर
76	प्रदीप कुमार	श्री जगदीश प्रसाद	B.A. I	अनु. जाति	UP0600520035	7018897734	ग्राम एवं पोस्ट–उनौला दोयम, पिपराईच, गोरखपुर
77	प्रद्धुम गुप्ता	श्री अमरनाथ गुप्ता	B.A.I	ओ.बी.सी.	UP0600520036	8881693287	जंगल छत्रधारी टोला, लालगंज, गोरखपुर
78	रवि कुमार गौतम	श्री सुभाष चन्द	B.A I	अनु. जाति	UP0600520037	9305087269	बिछिया जंगल तुलसी रामबाड़ा चौक गोरखपुर
79	रंजीत रौनियार	श्री खजांची रौनियार	B.ScII	ओ.बी.सी.	UP0600520038	9918617386	ग्राम आभार छपरा, पोस्ट–दन्दोपुर, जिला–कुशीनगर
80	रंजीत गुप्ता	श्री सुशील गुप्ता	B.Com. I	ओ.बी.सी.	UP0600520039	7348630001	बिछिया जंगल तुलसीराम, हनुमान मन्दिर गोरखपुर
81	राकेश गुप्ता	श्री बृजकिशोर गुप्ता	B.ScI	ओ.बी.सी.	UP0600520040	8874668017	ग्राम परसौनी बाजार, तमकुहीराज कुशीनगर
82	राकेश कुमार	श्री छोटेलाल शाह	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520041	7091280335	ग्राम–विरवठ बाजार, पोस्ट जगरनाथ जिला–गोपालगंज बिहार
83	राहुल यादव	श्री रणधीर यादव	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520042	6392563844	ग्राम राउतपार पो.–चन्द्रहर जिला–संतकबीरनगर
84	राजन शर्मा	श्री मदन शर्मा	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520043	7355227553	ग्राम व पोस्ट पतरा बाजार, पिपराईच रोड, गोरखपुर
85	सूरज गुप्ता	श्री दयाराम गुप्ता	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520044	9696095848	देवीपुर पोस्ट–बालापार जिला–गोरखपुर
86	सत्यम गौड़	कमलेश गौड़	B.ComI	ओ.बी.सी.	UP0600520045	7398802567	अलीनगर उत्तरी मानस टकीज के पीछे यादव टोला गोरखपुर
87	संदीप यादव	श्री सुरेश यादव	B.A.I	ओ.बी.सी.	UP0600520046	7388523523	हरसेवकपुर नं. 02 टोला दहला पो.–जंगल लक्ष्मीपुर, गोरखपुर
88	संदीप गुप्ता	श्री रामायन गुप्ता	B.A.I	ओ.बी.सी.	UP0600520047	7309958548	हरसेवकपुर नं.–02 ग्राम–छोटी जमुनहीया, पोस्ट–लक्ष्मीपुर गोरखपुर
89	संतोश कुमार यादव	श्री ब्रह्मा यादव	B.AI	ओ.बी.सी.	UP0600520048	8114075577	ग्राम–नरायनपुर पोस्ट बरनईखास जिला–देवरिया

क्र.सं.	नाम	पिता का नाम	कक्षा	वर्ग / जाति	वी.ई.सी. कोड	मोबाईल नं.	पता
90	सूर्य प्रताप सिंह	श्री विजय बहादुर सिंह	B.A II	सामान्य	UP0600520049	8299632920	ग्राम व पोस्ट– चौखड़ा जनपद सिद्धार्थनगर
91	सोनू साहनी	श्री बुझावन साहनी	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520050	9956429854	हसनगंज जंगल धूसड़, गोरखपुर
92	सुधीर सिंह	श्री महातम सिंह	B.A I	सामान्य	UP0600520051	8423404604	जंगल हकीम नं. 01 जेल बाई पास रोड दुर्गा शिव मन्दिर पादरी बाजार, गोरखपुर
93	सुधीर चौहान	श्री उदय सिंह	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520052	7607712880	बड़ी रेतवहिया, जंगल धूसड़, गोरखपुर
94	शत्रुजीत यादव	श्री रामप्रताप यादव	B.Sc II	ओ.बी.सी.	UP0600520053	8840496211	ग्राम–भीट्टीरावत, तहसील–सहजनवां, गोरखपुर
95	शनि कुमार	श्री रामजीत प्रजापति	B.Com I	ओ.बी.सी.	UP0600520054	9984096528	ग्राम व पोस्ट – जंगल औराही, विशुन टोला, गोरखपुर
96	शिवानन्द निशाद	श्री राम किशुन निषाद	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520055	7084959320	ग्राम व पोस्ट – नईयापार खुर्द, जिला–गोरखपुर
97	विकास चौधरी	श्री संतोष	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520056	8382943696	जमुनहिया (राय) पोस्ट–परशुरामपुर जिला–गोरखपुर
98	विशाल राय	श्री धनंजय राय	B.A I	सामान्य	UP0600520057	7785983498	146 ए, महादेवपुरम कूड़ाघाट, गोरखपुर
99	विवेक पाल यादव	श्री रामशरिक यादव	B.Sc. I	ओ.बी.सी.	UP0600520058	9794578954	ग्राम जंगल सुभान अली बेलवा पो0 उन्नौला जिला–गोरखपुर
100	विशाल कुमार यादव	श्री देवानन्द यादव	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520059	9304888711	ग्राम–विरवठ बुरन पो. जगरनाथ थाना –उचका गॉव, बिहार

हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई में चयनित सदस्यों का वर्गवार संख्या

वर्ग	सामान्य	पिछड़ा	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अल्पसंख्यक	योग
छात्र	26	65	09	0	0	100
छात्रा	–	–	–	–	–	–
योग	**26**	**65**	**09**	0	0	**100**

(डॉ. प्रदीप कुमार राव)
प्राचार्य
मो. 9794283696

(डॉ. सौरभ कुमार सिंह)
कार्यक्रम अधिकारी
मो. 9415442099

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना : सत्र–2019–20

गुरू श्री गोरक्षनाथ इकाई-चयनित सदस्यों की सूची

क्र.सं.	नाम	पिता का नाम	कक्षा	वर्ग / जाति	वी.ई.सी. कोड	मोबाईल नं.	पता
1	अंकिता पासवान	श्री मंगरु प्रसाद	B.Com. III	अनु.जाति	UP0600518007	9956339597	ग्राम–गढ़वा मुण्डेरी नीयर टूवेल कालेनी, पिपराइच, गोरखपुर
2	नीतू कन्नौजिया	श्री रविन्द्र	B.Com. III	अनु.जाति	UP0600518031	9005420973	ग्राम–रमवापुर पोस्ट कुसम्ही बाजार, गोरखपुर
3	रोशनी शर्मा	स्व. हरिहर शर्मा	B.Com. III	ओ.बी.सी.	UP0600518055	7880689891	ग्राम–महुवांखुर्द, पिपराईच, गोरखपुर
4	अनुमा	श्री रामदरश निषाद	B.A.II	ओ.बी.सी.	UP0600519002	9956541756	नगसर रेवाजोराय, गाजीपुर,
5	अर्चना गौतम	श्री चौथी राम	B.Com. II	अनु.जाति	UP0600519003	7052547333	ग्राम व पोस्ट –नगसर नेवाजू राय तहसील सेवराई
6	बबिता सिंह	श्री तेज बहादुर सिंह	B.A. III	ओ.बी.सी.	UP0600519010	8127181115	महुंअवा खुर्द बोदरवार,, कुशीनगर
7	कु. चाँदनी गुप्ता	श्री सुबाष गुप्ता	B.A. III	ओ.बी.सी.	UP0600519011	7523820467	ग्राम बेला कॉटा पोस्ट बेला पिपराईच गोरखपुर
8	दीक्षा मिश्रा	स्व. मंगला प्रसाद मिश्रा	B.A. III	सामान्य	UP0600519012	6394014218	196 A मानस बिहार कॉलोनी पादरी बाजार गोरखपुर
9	दीपशिखा सिंह	श्री शिवशंकर सिंह	B.Sc. III	ओ.बी.सी.	UP0600519013	6390227933	ग्राम नबीपुर, पोस्ट परशुरामपुर जिला–गोरखपुर
10	गीतांजली सिंह	श्री अशोक कुमार सिंह	B.A. III	ओ.बी.सी.	UP0600519014	8009507235	ग्राम. उसका पोस्ट–सिहोरिया जिला गोरखपुर
11	ज्योति सिंह	श्री ओम प्रकाश सिंह	B.A. II	ओ.बी.सी.	UP0600519016	9935519211	ग्राम ताजपिपरा, पिपराईच, गोरखपुर
12	कंचन गौंड	श्री मुरारी प्रसाद	B.A.II	ओ.बी.सी.	UP0600519018	9559214391	मानस बिहार कॉलोनी पादरी बाजार गोरखपुर निकट– भगतपुरवा
13	खुशबू सिंह	श्री रामप्रवेश सिंह	B.A. III	ओ.बी.सी.	UP0600519020	9369802574	ग्राम–झांगा बाजार, पोस्ट–झाँगा बाजार, तहसील–हाटा, जिला–कुशीनगर
14	खुशबू निषाद	श्री लाल मोहन निषाद	B.A. II	ओ.बी.सी.	UP0600519021	8948245328	जंगल एकला नं. 02 बिचला टोला पोस्ट–गुलहरिया बाजार
15	मनीशा वर्मा	श्री सतीश कुमार वर्मा	B.A. II	ओ.बी.सी.	UP0600519023	9839106783	जंगल मालिकराम सेक्टर 03 म.नं. 69x पोस्ट पादरी बाजार गोरखपुर
16	मधु चौहान	श्री राजेश कुमार चौहान	B.Com. II	ओ.बी.सी.	UP0600519024	9198112460	ग्राम व पोस्ट–जंगल धूसड़ टोला हैदरगंज, गोरखपुर
17	मधुमिता गोंड	श्री संगमलाल गोंड	B.Sc. II	ओ.बी.सी.	UP0600519025	9621602198	ग्राम व पोस्ट– पतरा बाजार पिपराइच जिला गोरखपुर
18	मन्सा गुप्ता	श्री गोपाल गुप्ता	B.Sc. II	ओ.बी.सी.	UP0600519030	9307366021	जेल रोड़ गीतावाटिका, गोरखपुर

क्र.सं.	नाम	पिता का नाम	कक्षा	वर्ग / जाति	वी.ई.सी. कोड	मोबाईल नं.	पता
19	निकिता सिंह	श्री रविन्द्र प्रताप सिंह	B.A. II	सामान्य	UP0600519031	9473779493	ग्राम–महुअवां अहिरौली बजार, कुशीनगर
20	नन्दना गुप्ता	श्री शिवकुमार गुप्ता	B.A. II	ओ.बी.सी.	UP0600519033	9936115812	बड़ी रेतवहिया, जंगल धूसड़, गोरखपुर
21	नेहा चौहान	श्री राजेश कुमार चौहान	B.A. III	ओ.बी.सी.	UP0600519035	9198112460	ग्राम व पोस्ट जंगल धूसड़ टोला हैदरगंज, गोरखपुर
22	प्रियंका प्रजापति	श्री मारकण्डेय प्रजापति	B.A. II	ओ.बी.सी.	UP0600519036	9695908927	हैदरगंज जंगल धूसड़ गोरखपुर
23	प्रीति कुमारी	श्री कुलदीप कुमार	B.A. II	ओ.बी.सी.	UP0600519038	7525851426	हरसेवकपुर नं. 02 टोला ढहला जंगल लक्ष्मीपुर जिला–गोरखपुर
24	पुनीता कुमारी	श्री जनक किशोर	B.Sc. III	ओ.बी.सी.	UP0600519039	8853256609	आदर्श नगर, सिघड़िया, गोरखपुर
25	रागनी चौधरी	श्री विपिन कुमार चौधरी	B.Sc. II	अनु.जाति	UP0600519041	9554482851	ग्राम– मौलाखोर पोस्ट– उनौला जिला–गोरखपुर
26	रीमा सिंह	श्री परदेशी सिंह	B.Sc. II	ओ.बी.सी.	UP0600519043	6392301141	ग्राम भटगावां पोस्ट– बेलवा बाबू, सरदारनगर, गोरखपुर
27	रागिनी पाल	श्री प्रेमनाथ पाल	B.A. II	ओ.बी.सी.	UP0600519044	9956990879	खरैया पोखरा बशारतपुर गोरखपुर
28	सरिता पटेल	श्री विजय कुमार पटेल	B.Sc. III	ओ.बी.सी.	UP0600519047	9795905609	ग्राम– तरखापुर, पो.–पिपराईच, जिला–गोरखपुर
29	सलोनी मिश्रा	श्री शारदा नन्द मिश्रा	B.A. II	सामान्य	UP0600519048	9005788430	जंगल तिनकोनिया नं. 2 पो.–जंगल लक्ष्मीपुर, पिपराईच रोड, गोरखपुर
30	श्रेया शर्मा	श्री प्रभुनाथ शर्मा	B.Com.I I	ओ.बी.सी.	UP0600519049	8429621667	भीटी तिवारी, पोस्ट–बांसगांव, गोरखपुर
31	श्वेता मिश्रा	श्री प्रमोद कुमार मिश्रा	B.Sc. III	सामान्य	UP0600519051	7348114632	भुसौला माफी पो. लोटन बाजार वाया शिवपति नगर सिद्धार्थनगर
32	सौम्या सिंह	श्री अशोक कुमार सिंह	B.Sc. II	ओ.बी.सी.	UP0600519052	9140041257	ग्राम– गवाखोर पोस्ट–सोहंग जिला–कुशीनगर
33	कु. सीनू प्रजापति	श्री गुलाबचन्द्र प्रजापति	B.A. II	ओ.बी.सी.	UP0600519054	9838229914	हैदरगंज जंगल धूसड़ गोरखपुर
34	सारिका पटेल	श्री गप्जेश कुमार पटेल	B.Com.I I	ओ.बी.सी.	UP0600519055	7052029705	बरगदवा मधुबनी, महाराजगंज उत्तर प्रदेश
35	शशिकला गोंड	श्री मोहनलाल गोंड	B.A. II	ओ.बी.सी.	UP0600519056	8127574159	ग्राम बडी जमूनहियॉ हरसेवक नं. 2 जंगल धूसड़ पोस्ट लक्ष्मीपुर जिला– गोरखपुर
36	शालू कुमारी	श्री विनोद कुमार	B.Sc. III	अनु.जाति	UP0600519057	7238028235	विश्वनाथपुरम पादरी बाजार गोरखपुर
37	सुकन्या सिंह	श्री बाबूराम	B.A. III	ओ.बी.सी.	UP0600519062	7398086351	ग्राम–बंचरा, पोस्ट–परशुरामपुर जिला–गोरखपुर
38	कीर्तिरानी वर्मा	श्री मुन्नू वर्मा	B.A. III	ओ.बी.सी.	UP0600519067	6388069790	हुनमन्त नगर कॉलोनी, पादरी बाजार, गोरखपुर
39	संजु साहनी	श्री रामभवन साहनी	B.A. III	ओ.बी.सी.	UP0600518073	9935219485	जंगल औराही शिव मन्दिर टोला–तुरा बाजार गोरखपुर
40	आशा वर्मा	श्री संतोष कुमार वर्मा	B.A II	ओ.बी.सी.	UP0600520060	9807471950	बंजरंग नगर पिपराईच, गोरखपुर
41	आशा	श्री रमेश	B.AII	ओ.बी.सी.	UP0600520061	9889585550	ग्राम व पोस्ट–जुनीया गोरखपुर

क्र.सं.	नाम	पिता का नाम	कक्षा	वर्ग / जाति	वी.ई.सी. कोड	मोबाईल नं.	पता
42	अनुपम पाण्डेय	श्री माता बदन पाण्डेय	B.Sc I	सामान्य	UP0600520062	8931943174	अशोक नगर बसारतपुर गोरखपुर
43	अनिता पाल	स्व. मोती लाल पाण्डेय	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520063	9984864487	जंगल तिकोनिया नं. 3 पादरी बाजार, गोरखपुर
44	अँजली कुमारी	श्री अरूण कुमार दास	B.Sc II	अनु.जाति.	UP0600520064	9935621465	कालेचक कौड़िराम, पकड़ी दूबे गोरखपुर
45	अंकिता सिंह	श्री कष्ण देव सिंह	B.Sc II	सामान्य	UP0600520065	8881199895	ग्राम–दुर्गापुर पोस्ट करमहां, नौतनवां, महाराजगंज
46	अपेक्षा शर्मा	श्री चन्द्रशेखर शर्मा	B.Sc II	ओ.बी.सी.	UP0600520066	9839758701	न्यू हैदरगंज कालोनी, पोस्ट–जंगल धूसड़, गोरखपुर
47	बबिता	श्री तेज प्रताप	B.A II	ओ.बी.सी.	UP0600520067	9798879586	जंगल धूसड़ भट्टा चौरहा, गोरखपुर
48	भविष्या विश्वकर्मा	श्री रामभवन साहनी	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520068	9798879586	लाला बाजार तिनकोनिया गोरखपुर
49	बन्दना साहनी	श्री रामभवन साहनी	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520069	9695495849	जंगल औराही शिव मंदिर पो. जंगल औराही गोरखपुर
50	चंदा निशाद	गया प्रसाद	B.A II	ओ.बी.सी.	UP0600520070	9793457577	स्थामा टोला जंगल औराही
51	चन्द्रप्रभा सिंह	श्री ओम प्रकाश सिंह	B.Sc I	ओ.बी.सी.	UP0600520071	9450094276	पिपराइच गोपाल रामपुर कारखाना देवरिया
52	चन्द्रकला सिंह	श्री ओमप्रकाश सिंह	B.Sc I	ओ.बी.सी.	UP0600520072	9450094216	पिपराइच गोपाल रामपुर कारखाना देवरिया
53	चाँदनी प्रजापति	श्री बाबू राम प्रजापति	B.A II	ओ.बी.सी.	UP0600520073	8953203200	ग्राम–बड़ी जमुनियाँ लक्ष्मीपुर गोरखपुर
54	गरिमा प्रजापति	श्री मधुबन	B.Sc I	ओ.बी.सी.	UP0600520074	6394031576	मकान नं. 235 ग्राम व पोस्ट– सिधावे, कुशीनगर
55	इसिका सिंह	श्री उग्रसेन सिंह	B.Sc I	सामान्य	UP0600520075	63067020741	छपरा देवरिया
56	खुशबू	श्री रूदल प्रसाद	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520076	8726148153	पतरा बाजार रतनपुर गोरखपुर
57	खुशबू साहनी	श्री राधेश्याम साहनी	B.A II	ओ.बी.सी.	UP0600520077	8563887820	ग्राम–रतनपुर पतरा बाजार, गोरखपुर
58	खुशी पाण्डेय	श्री प्रमोद पाण्डेय	B.Sc.II	सामान्य	UP0600520078	7388334230	पवनपुरम कालोनी पप्पु कटरा पादरी बाजार,गोरखपुर
59	क्षिप्रा रानी	अजय कुमार सिंह	B.A I	सामान्य	UP0600520079	8924904220	भटवलिया पो. सेखवनिया कुशीनगर
60	मनीता साहनी	रामदरश साहनी	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520080	6390215922	जंगल तिकोनिया, पोस्ट–केवटहिया, जंगल लक्ष्मीपुर गोरखपुर
61	निशा भारती	श्री नेबूलाल	B.A II	अनु.जाति.	UP0600520081	9956191122	जंगल औराही, छावनी टोला, गोरखपुर
62	नीलम सिंह	श्री देवेन्द्र सिंह	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520082	9198790339	समस्तपुर मुड़िला पिपराईच, गोरखपुर
63	नेहा मिश्रा	श्री नागेन्द्र मिश्रा	B.A I	सामान्य	UP0600520083	8081881134	पार्वतीपुररम पादरी बाजार, गोरखपुर
64	नीतू गौड़	श्री सुरेश चन्द्र गौड़	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520084	9695557971	ग्राम–जंगल औरही हाटा टोला गोरखपुर
65	निशा कुमारी	श्री शिवलाल	B.A I	अनु.जाति	UP0600520085	9621800119	चिलबिलवॉ अगई टोला

क्र.सं.	नाम	पिता का नाम	कक्षा	वर्ग / जाति	वी.ई.सी. कोड	मोबाईल नं.	पता
66	निशा मौर्या	श्री हरिराम मौर्या	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520086	9670101880	पी.एस.सी. कैम्प बिछिया जंगल तुलसी राम, रामलीला मैदान गोरखपुर
67	नेहा सिंह	श्री नरेन्द्र सिंह	B.Sc I	ओ.बी.सी.	UP0600520087	8127085653	वार्ड नं. 05 बापू नगर, केन यूनियन चौराह पिपराइच रोड़, गोरखपुर
68	नेहा कुमारी	श्री धर्मेन्द्र मिश्रा	B.Sc II	सामान्य	UP0600520088	9140942322	ग्राम–अमवां पोस्ट–बड़का गाँव देवरिया
69	पुर्णिमा	श्री संतोष कुमार सिंह	B.Sc I	ओ.बी.सी.	UP0600520089	9761209127	ग्राम दृआराजी बनकट पो. पतरा गोरखपुर
70	पूजा गुप्ता	श्री सुरेन्द्र गुप्ता	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520090	7518457389	गढ़वा पिपराईच गोरखपुर
71	प्रतिमा चौधरी	श्री सावरजित चौधरी	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520091	8808118898	सिन्दुरिया सड़क टोला पो. सिन्दुरिया महाराजगंज
72	पूजा शर्मा	श्री जितेन्द्र शर्मा.	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520092	7755856619	जंगल औराही हाटा टोला गोरखपुर
73	पूजा यादव	श्री मदरिस यादव	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520093	8858138104	शुभान अली नगर कालोनी जंगल धूसड़ गोरखपुर
74	पूजा यादव	श्री मुन्ना यादव	B.ScII	ओ.बी.सी.	UP0600520094	9026611992	परसौना पो. सलेमगढ़ कुशीनगर
75	पुश्पांजलि	श्री भोलाराय	B.Sc II	ओ.बी.सी.	UP0600520095	9939996540	हडवा फाटक आदर्श नगर रोड गोरखपुर
76	पारूल सिंह	श्री मनोज कुमार सिंह	B.A II	ओ.बी.सी.	UP0600520096	9076733914	मियां मिल कॉलोनी पिपराइच, गोरखपुर
77	प्रीति चौहान	श्री उमाशंकर चौहान	B.Com I	ओ.बी.सी.	UP0600520097	9198173434	ग्राम व पोस्ट–लक्ष्मीपुर हरसेवकपुर, पादरी बाजार, गोरखपुर
78	प्रभा सिंह	श्री रामनरेश सिंह	B.A II	ओ.बी.सी.	UP0600520098	9793657180	ग्राम–पकड़ी जिला–कुशीनगर
79	प्रिति कुमारी	श्री रामउजागिर गुप्ता	B.Sc II	ओ.बी.सी.	UP0600520099	8934033697	चमैनिया उर्फ भेडही, पोस्ट–परतावल, नौतनावां, महाराजगंज
80	रूबी भारती	श्री सुरेन्द्र भारती	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520100	7318286640	छोटी रेवतहिया, जंगल धूसड़, गोरखपुर
81	रिंकी गुप्ता	श्री शम्भू गुप्ता	B.Sc. I	ओ.बी.सी.	UP0600520101	8318979300	गम्भीरपुर सिधारी बाजार, कप्तानगंज कुशीनगर
82	रितु पासवान	श्री अवधेश पासवान	B.Sc. I	अनु0 जाति	UP0600520102	9616593861	सोनरहीया उर्फ बड़ा गाँव पिपराइच गोखपुर
83	रजावती चौहान	श्री रामप्रीत चौहान	B.A II	ओ.बी.सी.	UP0600520103	9696083378	ग्राम–मंझरिया, जंगल धूसड़, गोरखपुर
84	रूपा	श्री रामसूरत	B.A II	ओ.बी.सी.	UP0600520104	9794878517	ग्राम–मंझरिया, जंगल धूसड़, गोरखपुर
85	रूपा साहनी	श्री गंगा साहनी	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520105	9793076210	ग्राम–जंगल औराही, शिवमन्दिर टोला, गोरखपुर
86	राधा यादव	श्री रामलोटन साहनी	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520106	8853058670	ग्राम–हैदरगंज जंगल धूसड़ गोरखपुर
87	रिंकी कन्नौजिया	श्री जितन कन्नौजिया	B.A II	अनु0 जाति	UP0600520107	8957519193	ग्राम–मौलाखोर, पोस्ट–उन्नौला, गोरखपुर
88	शोभा	श्री रामप्रसाद	B.A II	ओ.बी.सी.	UP0600520108	8726582403	ग्राम–जंगल अहमद अली पोस्ट–जंगल औराही गोरखपुर
89	श्वेता प्रजापति	श्री ब्रह्मदेव प्रजापति	B.A II	सामान्य	UP0600520109	9621949219	ग्राम व पो. पतरा पिपराईच गोरखपुर

क्र.सं.	नाम	पिता का नाम	कक्षा	वर्ग / जाति	वी.ई.सी. कोड	मोबाईल नं.	पता
90	संध्या निशाद	श्री धर्मदेव	B.A II	ओ.बी.सी.	UP0600520110	9695011798	ग्राम. जंगल धूसड़, पो. जंगल धूसड, गोरखपुर
91	सावित्री चौहान	श्री रामकिशन चौहान	B.A II	ओ.बी.सी.	UP0600520111	8305744399	भट्ठा कालोनी जंगल धूसड़, गोरखपुर
92	शिवांगी सिंह	श्री नागेन्द्र सिंह	B.ScI	ओ.बी.सी.	UP0600520112	6307468327	तरंग रेलवे क्रासिंग हुमायुपुर उत्तरी गोरखपुर
93	सुजाता चौहान	श्री रिंज चौहान	B.ScII	ओ.बी.सी.	UP0600520113	9889134963	जंगल सालिकराम ग्राम कलेक्ट्री पोस्ट–पादरी बाजार गोरखापुर
94	शिवांगी गुप्ता	श्री अशोक गुप्ता	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520114	9129597979	ग्राम–छोटी रेतवाहियाँ जंगल धूसड़
95	शिक्षा भार्मा	श्री पवन कुमार शर्मा	B.Sc I	सामान्य	UP0600520115	9455857158	म.न.17 चौहान टोला, पादरी बाजार गोरखपुर
96	सोनी गुप्ता	श्री कैलाश गुप्ता	B.A I	ओ.बी.सी.	UP0600520116	8874938524	तवक्कलपुर जगदीशपुर कुशीनगर
97	सोमलता	श्री बहाऊ	B.A II	अनु.जाति	UP0600520117	8795828550	तिकोनिया नं.. 2 लाल बाजार, गोरखपुर
98	सपना	लाल साहब	B.ScII	ओ.बी.सी.	UP0600520118	9198787526	जंगल धूसड़ टोला, छोटी रेतवहीया पो. जंगल धूसड़ गोरखपुर
99	सुकन्या पाण्डेय	श्री जितेन्द्र कुमार पाण्डेय	B.Sc I	सामान्य	UP0600520119	9956642425	केनयूनियन कालोनी, पिपराईच, गोरखपुर
100	विनीता साहनी	श्री गोमती साहनी	B.A.I	ओ.बी.सी.	UP0600520120	9125916765	जंगल सालिकराम , चारपुरवा पादरी बाजार, गोरखपुर

गुरु श्रीगोरक्षनाथ इकाई में चयनित सदस्यों का वर्गवार संख्या

वर्ग	सामान्य	पिछड़ा	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अल्पसंख्यक	योग
छात्र	–	–	–	–	–	–
छात्रा	14	74	12	0	0	100
योग	**14**	**74**	**12**	0	0	**100**

(डॉ. प्रदीप कुमार राव)
प्राचार्य

(किरन सिंह)
कार्यक्रम अधिकारी

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर